दैनिक
विनय उजाला

इंदौर, भोपाल, उज्जैन, अलीराजपुर से एक साथ प्रकाशित

मूल्य ₹ 3.00

RNI. Reg. MPHIN/2013/52154

भोपाल
बुधवार, 16 अप्रैल 2025
वैशाख कृष्ण पक्ष – 04
वर्ष : 12 | अंक : 278
कुल पृष्ठ : 12

वापसी करने पर होंगी नजरें ... 11

न डरते हैं, न डराते हैं, सच सामने लाते हैं..!

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद के निर्णय

चिकित्सा महाविद्यालय, सतना से संबंद्ध नवीन चिकित्सालय के निर्माण के लिए 383 करोड़ 22 लाख रूपये की राशि स्वीकृत

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा प्रदेश के किसानों के समन्वित विकास के लिए किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण विभाग, मत्स्य पालन विभाग, पशु पालन एवं डेयरी विभाग, सहकारिता विभाग, खाद्य नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता संरक्षण विभाग में प्रचलित योजनाओं को एक मंच पर लाकर मध्यप्रदेश किसान कल्याण मिशन को प्रारंभ करने की सैद्धांतिक अनुमति दी गयी।

मध्यप्रदेश ने कृषि क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। कृषि उत्पादकता (किलोग्राम प्रति हेक्टेयर) वर्ष 2002-2003 में 1195 था जो वर्ष 2024 में 2393 हो गया। यह वृद्धि 200 प्रतिशत हो गयी है। फसल उत्पादन (लाख मीट्रिक टन) वर्ष 2002-2003 में 224 एवं वर्ष 2024 में 723 होकर 323 प्रतिशत हो गयी है। कृषि विकास दर (प्रतिशत में) 2002-2003 में 3 प्रतिशत से बढ़कर 2024 में 9.8 प्रतिशत हो गयी। 327 प्रतिशत की वृद्धि हुई। कृषि क्षेत्र का बजट (करोड़ रूपये) वर्ष 2002-2003 में 600 करोड़ एवं वर्ष 2024 में 27050 करोड़ होकर वृद्धि दर 4508 प्रतिशत हुई। मध्यप्रदेश में कृषि क्षेत्र का योगदान प्रदेश की जीडीपी में 39 प्रतिशत है।

म.प्र. कृषक कल्याण मिशन का उद्देश्य किसानों की आय में वृद्धि, कृषि को जलवायु-अनुकूल बनाना, धारणीय कृषि पद्धतियों को अपनाना, जैव विविधता और परम्परागत कृषि ज्ञान संरक्षण, पोषण एवं खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना, किसानों की उपज के लिए उचित मूल्य सुनिश्चित करना है।

किसानों की आय में वृद्धि-कृषि तथा उद्यानिकी के अंतर्गत फसलों की उत्पादकता में वृद्धि, उच्च मूल्य फसलों की खेती, गुणवत्तापूर्ण आदानों की उपलब्धता - बीज, रोपण सामग्री, उर्वरक, कीटनाशक, और कृषि विस्तार एवं क्षमता विकास, सस्ती ब्याज दरों पर ऋण की आसान उपलब्धता, खाद्य प्र-संस्करण और कृषि आधारित उद्योग, वैल्यू-चैन विकास और मौजूदा वैल्यू-चैन का सुदृढ़ीकरण, मप्र की विशिष्ट समस्याओं के लिए अनुसंधान एवं विकास है।

कृषि तथा उद्यानिकी सस्टेनेबल कृषि पद्धतियां के अंतर्गत गुड एग्रीकल्चर प्रैक्टिस (जीएपी) को अपनाना, जैविक/प्राकृतिक खेती क्षेत्र में बढ़ोतरी, जैविक एवं प्राकृतिक उत्पादों के लिए मार्केट लिंकेज का निर्माण तथा सुदृढ़ीकरण, जैविक एवं प्राकृतिक उत्पाद हेतु प्रमाण पत्र जारी करने तथा ट्रैसेबिलिटी सिस्टम को विकसित, किसानों की उपज के उचित मूल्य सुनिश्चित करना, मंडियों का आधुनिकीकरण एवं उन्नयन, मंडी कार्यों के प्रबंधन के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग, मण्डी में पारदर्शी तथा निष्पक्ष नीलामी की प्रक्रिया को सुदृढ़ एवं मंडी के बाहर उपज बेचने की सुविधा को विकसित करना, जिन फसलों में वायदा अनुबंधों की अनुमति है, उनकी कार्य योजना तैयार करना है।

चिकित्सा महाविद्यालय, सतना से संबंद्ध नवीन चिकित्सालय के निर्माण के लिए राशि 383 करोड़ 22 लाख रूपये की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग अंतर्गत चिकित्सा महाविद्यालय, सतना से संबंद्ध नवीन चिकित्सालय के निर्माण के लिए राशि 383 करोड़ 22 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान की गयी है।

गांधी चिकित्सा महाविद्यालय एवं संबद्ध चिकित्सालय में नवीन पदों की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के अंतर्गत गांधी चिकित्सा महाविद्यालय एवं संबद्ध चिकित्सालय में पीडियाट्रिक कार्डियोलॉजी, पीडियाट्रिक न्यूरोलॉजी एवं नियोनेटोलॉजी विभाग में नियमित स्थापना के कुल 12 नवीन पदों का सृजन किये जाने की स्वीकृति प्रदान की गयी है। इन पदों में प्राध्यापक के 3 पद, सह प्राध्यापक के 3 पद, एवं सहायक प्राध्यापक के 3 पद एवं सीनियर रेसीडेंट के 3 पद शामिल हैं।

गौ-वंश की देखभाल के लिए नेटवर्क तैयार होगा

फसल बीमा का कवरेज 50 प्रतिशत तक करना, संकर तथा उन्नत बीजों का विस्तार आधे क्षेत्रफल तक करना, प्रदेश के अन्नदाता को ऊर्जादाता सौर ऊर्जा पम्प अनुदान पर उपलब्ध कराये जाना, नये प्र-संस्करण क्षेत्रों की स्थापना, विपणन नेटवर्क का विस्तार और प्रदेश की बाहर की मंडियों तक पहुंच बढ़ाना, मत्स्य बीज के मामलें में प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाना, कोल्ड चेन और नेटवर्क विकास के जरिये किसानों को मत्स्य संपदा के लिए मिलने वाले मूल्य को डेढ़ गुना करना, उच्च उत्पादकता मछली का पालन 10288 मीट्रिक टन किया जाना, मत्स्य पालन के लिए 1.47 लाख किसान क्रेडिट कार्ड उपलब्ध कराये जायेंगे। संगठित क्षेत्र में दुग्ध संकलन को 50 लाख लीटर प्रतिदिन किया जायेगा। पशुधन उत्पादकता में 50 प्रतिशत की वृद्धि की जायेगी। बेसहारा गौ-वंश की देखभाल के लिए प्रदेशव्यापी नेटवर्क तैयार करना, जिससे सड़कों पर उनकी उपस्थिति शून्य हो सकेगी।

शमशान, मंदिर और जलाशय पर हिन्दू समाज की सभी जातियों का समान अधिकार : डॉ. भागवत

कानपुर, (हि.स.)

सामाजिक समरसता संघ की गतिविधि ही नहीं बल्कि संघ के स्वयंसेवक का स्वभाव है। 25 से 30 वर्षों से साथ में कार्य करने वाले कार्यकर्ता एक दूसरे की जाति नहीं जानते यही संघ की खासियत है। शमशान, मंदिर और जलाशय (कुआं, नल, तालाब आदि) पर हिंदू समाज की सभी जातियों का समान अधिकार है। हमें अपने कार्य और स्वभाव के माध्यम से यही मानसिकता का संपूर्ण समाज में निर्माण करनी है। यह बातें मंगलवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कही।

डॉ. मोहन भागवत पांच दिनों के दौरे पर कानपुर प्रवास पर हैं। जहां सोमवार को उन्होंने कारवालों नगर स्थित प्रदेश के सबसे बड़े संघ कार्यालय कैलाश भवन का उद्घाटन किया। वहीं मंगलवार को सामाजिक समरसता गतिविधि के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। प्रांत के सामाजिक समरसता प्रमुख रवि शंकर ने सामाजिक समरसता की चल रही गतिविधियों के संदर्भ में सरसंघचालक को जानकारी दी।

मोहन भागवत ने कहा कि ऐसी कोई जाति नहीं जिसने देश के उत्थान में, देश के संकटों में संघर्ष में योगदान न दिया हो। सभी जातियों ने महापुरुष दिए हैं। समरसता संघ के स्वयंसेवक का स्वभाव होने के कारण संघ से जुड़ने वाले प्रत्येक व्यक्ति में समरसता का भाव होना स्वभाविक हो जाता है। शताब्दी वर्ष में संघ का साहित्य लेकर हम गांव-गांव जाने वाले हैं। हमें गांव-गांव जाकर समरसता के पवित्र संदेश को देना है। एक लक्ष्य तय करना होगा।उन्होंने आगे कहा कि हमें सामाजिक विषमता को समाप्त करेंगे। समता युक्त, शोषण मुक्त, जाति विद्वेष मुक्त भारत बनाना होगा। हमें इस कार्य को बहुत तेजी से करना है। संघ के स्वयंसेवक का समरसता पूर्ण स्वभाव समाज का स्वभाव बने, इसका प्रयास हमें तेजी से करना है।

बैठक में क्षेत्र प्रचारक अनिल, प्रान्त प्रचारक श्रीराम, प्रान्त संघ चालक भवानी भीख, प्रान्त प्रचार प्रमुख डॉक्टर अनुपम, क्षेत्र प्रचारक प्रमुख राजेंद्र सिंह, सह प्रान्त प्रचारक मुनीश सहित प्रान्त के 21 जिलों के जिला समरसता प्रमुख तथा विभाग समरसता प्रमुख उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

गुरुग्राम में वेंटीलेटर पर एयर होस्टेस से दुष्कर्म

गुरुग्राम, (हि.स.)। सदर थाना क्षेत्र में एक निजी अस्पताल में उपचाराधीन एयर होस्टेस से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। वेंटिलेटर पर अचेत अवस्था में दुष्कर्म करने का आरोप अस्पताल के एक कर्मचारी पर लगा है। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने मंगलवार को बताया कि पीड़ित महिला ने अपने लीगल एडवाइजर की उपस्थिति में सदर थाना पुलिस में शिकायत दी। सदर थाना पुलिस में दी शिकायत में 46 साल की महिला ने कहा कि वह एक एयरलाइंस में बतौर एयर होस्टेस नौकरी करती है और गुरुग्राम में ट्रेनिंग के लिए आई हुई थी। यहां एक होटल में ठहरी थी।

अयोध्या में राम मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी, मुकदमा दर्ज

अयोध्या, (हि.स.)। अयोध्या में श्री राम मंदिर की सुरक्षा को खतरा होने के संबंध में चेतावनी भरा ई-मेल श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को पिछले दिनों मिला। ई-मेल में कहा गया कि सुरक्षा बढ़ा लो... अगर ऐसा नहीं होगा तो राम मंदिर को बम से उड़ा देंगे। इस धमकी भरे ई-मेल के बाद परिसर की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। साथ ही इस संदिग्ध ई-मेल को लेकर मंगलवार को साइबर थाना में एफआईआर दर्ज कराई गई है। बताया जा रहा है कि यह संदिग्ध ई-मेल तमिलनाडु से आया है। पुलिस एवं साइबर सेल ने ई-मेल भेजने वाले की लोकेशन और पहचान कर ली है।साथ ही, सुरक्षा के मद्देनजर खुफ़िया एजेंसियों को अलर्ट मोड पर रखा गया है।

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर हुई कांग्रेस-राजद की बैठक

नई दिल्ली, (हि.स.)

17 अप्रैल को पटना में होगी आगे की चर्चा

इस साल के अंत में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर पक्ष और विपक्ष के राजनीतिक दल रणनीति बनाने में जुट गए हैं।इसी संदर्भ में मंगलवार को दिल्ली में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस की बैठक हुई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर हुई इस बैठक में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने भाग लिया। आगे की चुनावी रणनीति को लेकर अब 17 अप्रैल को पटना में बैठक बुलाई गई है जिसमें विपक्ष के अन्य दलों के प्रतिनिधियों के भी भाग लेने की संभावना है।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे के आवास पर हुई बैठक में कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल, बिहार कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरु और पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार शामिल हुए। वहीं, राजद सांसद मनोज झा भी बैठक में शामिल हुए।

बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि आज की बैठक में महागठबंधन की मजबूत बनाए जाने पर विचार किया गया। बिहार में इस बार निश्चित तौर पर बदलाव होगा। उन्होंने कहा कि आने वाले चुनाव में बिहार की जनता को हम एक सशक्त, सकारात्मक, न्यायप्रिय व कल्याणकारी विकल्प देंगे। युवा, किसान-मज़दूर, महिलाएँ, समाज के पिछड़े, अति पिछड़े व अन्य सभी वर्गों के लोग बिहार में महागठबंधन की सरकार चाहते हैं।

राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि हम बिहार को प्रगति के मार्ग पर लेने के लिए प्रतिबद्ध हैं। बिहार सबसे अधिक आर्थिक रूप से पिछड़ा हुआ है, प्रति व्यक्ति आय सबसे कम है, किसानों की आय भी कम है। हम इन सभी मुद्दों पर चुनाव लड़ना चाहते हैं। सरकार की कमियों को जनता के सामने उजागर करना हमारी जिम्मेदारी है। महागठबंधन की तरफ से मुख्यमंत्री के चेहरे के बारे में उन्होंने कहा कि इसपर आगे विचार किया जाएगा लेकिन यह निश्चित है कि इसबार बिहार में एनडीए की सरकार नहीं होगी।

बिहार कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरु ने बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में कहा कि 17 अप्रैल को आगे के विषयों पर विचार के लिए पटना में बैठक होगी। उस बैठक में सारे दलों से मिलकर एक आम सहमति बनाकर और मजबूत रणनीति के साथ हम आगे बढ़ेंगे।

डीआरआई ने आईजीआई एयरपोर्ट पर 7.56 किलोग्राम कोकीन जब्त की

नई दिल्ली, (हि.स.)। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर करीब 75.6 करोड़ रुपये मूल्य की 7.56 किलोग्राम कोकीन जब्त करने के साथ ही एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ एक महत्वपूर्ण अभियान में विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर डीआरआई ने 14 अप्रैल को इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर दुबई से आने वाले एक भारतीय नागरिक को रोका। यात्री के बैगेज की गहन जांच के बाद पांच खाली हैंडबैग यानी पर्स पाए गए। इन पांच बैगों की भीतरी परतों को काटने पर 7.56 किलोग्राम वजन के सफेद पाउडर के 10 पैकेट छिपे पाए गए।

नितिन गडकरी का एलान... 15 दिनों में नई टोल नीति भी

मुंबई-गोवा हाईवे जून तक हो जाएगा पूरा

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि मुंबई-गोवा हाईवे का निर्माण कार्य जून तक पूरा हो जाएगा। साथ ही उन्होंने कहा, मैं अभी ज्यादा नहीं कहूंगा, लेकिन अगले 15 दिनों में नई टोल नीति का एलान होगा और उसके बाद किसी को टोल को लेकर कोई शिकायत नहीं रहेगी।

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि मुंबई-गोवा हाईवे का निर्माण कार्य जून तक पूरा हो जाएगा। यह वही हाईवे है, जो वर्षों से गड्ढों और अधूरे हिस्सों की वजह से यात्रियों की परेशानी का सबब बना हुआ था। अब इसके पूरा होने से रोजाना सफर करने वाले लोगों और खासकर कोंकण की ओर जाने वाले यात्रियों को काफी राहत मिलेगी।

दो साल में अमेरिका से बेहतर होगी भारत की सड़कें

गडकरी ने देश के इन्फ्रास्ट्रक्चर को लेकर भरोसा जताते हुए कहा, अगले दो वर्षों में भारत की सड़कें अमेरिका से भी बेहतर हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि हाईवे और रोड नेटवर्क में हो रहा सुधार देश के विकास के लिए बेहद जरूरी है, और सरकार इसी दिशा में तेजी से काम कर रही है।

सोमवार को मुंबई के दादर इलाके में अमर हिंद मंडल द्वारा आयोजित वसंत व्याख्यानमाला कार्यक्रम में बोलते हुए गडकरी ने दोहराया कि जल्द ही पूरे देश से फिजिकल टोल बूथ हटाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार एक नई टोल नीति पर काम कर रही है, जिसे जल्द लागू किया जाएगा।

मुंबई और गोवा के बीच बन रहे इस नेशनल हाईवे से इन दोनों जगहों के बीच यात्रा का समय काफी घटेगा। साथ ही, इससे कोंकण क्षेत्र में विकास की रफ्तार को भी नया जोश मिलेगा। लंबे समय से अधूरे इस प्रोजेक्ट को लेकर गडकरी ने माना कि इसे पूरा करने में कई अड़चनों का सामना करना पड़ा।

उप्र में बाराबंकी, चंदौली व अलीगढ़ डीएम कार्यालयों को बम से उड़ाने की मिली धमकी

लखनऊ, (हि.स.)

उत्तर प्रदेश में बाराबंकी, चंदौली और अलीगढ़ जिलाधिकारियों कार्यालयों को बम से उड़ाने की धमकी भरा ईमेल मिलने से हड़कंप मच गया। पुलिस प्रशासन ने सतर्कता बरते हुए कार्यालयों की जांच पड़ताल की, लेकिन कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है।पुलिस भेजने वालों का पता लगाने के लिए जांच पड़ताल कर रही है।

मंगलवार दोपहर को बाराबंकी के जिलाधिकारी की ईमेल पर जिलाधिकारी कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद जिला प्रशासन में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह फोर्स के साथ जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे। बम डिस्पोजल दस्ता व भारी संख्या में पुलिसबल ने पूरे डीएम कार्यालय, कलेक्ट्रेट व दीवानी परिसर को चारों ओर से घेर कर सघन तलाशी की, लेकिन काफी देर तलाशी लेने के बाद कुछ हाथ नहीं लगा। इस पर अधिकारियों ने राहत की सांस ली। इसके बाद भी शाम तक पूरा जिला प्रशासन और पुलिस के सभी विंग खुफिया एजेंसी सक्रिय रहीं और जांच पड़ताल करने में लगी रही। पुलिस ईमेल करने वाले का नाम व पता लगाने की कोशिश कर रही है।

चंदौली के जिलाधिकारी कार्यालय के अधिकृत ईमेल पर मंगलवार सुबह एक धमकी भरा मेल आया, जिसमें कलेक्ट्रेट परिसर को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। इस ईमेल की सूचना संबंधित अफसरों को दी गई। आनन-फानन में बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स व बम निरोधक दस्ता और एलआईयू के अफसर भी पहुंच गए। टीम ने

प्रारंभिक जांच में बड़ा खुलासा

वक्फ कानून के खिलाफ बंगाल हिंसा में बांग्लादेशी उपद्रवियों का हाथ!

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में नए वक्फ कानून को लेकर लेकर भड़की हिंसा के मामले में गृह मंत्रालय को शुरुआती जांच की जानकारी दी गई है।

सरकारी सूत्रों के मुताबिक, हिंसा में कुछ बांग्लादेशी उपद्रवियों की संलिप्तता के संकेत मिले है। हालांकि हिंसा के बाद जंगीपुर, धुलियान, सुती और शमशेरगंज जैसे संवेदनशील इलाकों में बीएसएफ, सीआरपीएफ, राज्य सशस्त्र पुलिस और आरएएफ के जवान तैनात किए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि पिछले 48 घंटों में इन इलाकों में कोई नई हिंसा की घटना नहीं हुई है और स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हो रही है।

बता दें कि तनाव की खबरों के बीच बीएसएफ के वरिष्ठ अधिकारी रवि गांधी ने भी प्रभावित इलाकों का दौरा किया और राज्य पुलिस के साथ मिलकर इलाके में गश्त बढ़ाने और कानून व्यवस्था बनाए रखने की रणनीति पर चर्चा की। अब तक इस हिंसा के सिलसिले में कुल 210 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

धीरे-धीरे समान्य होती स्थिति

हिंसा के बाद स्थिति की जानकारी देते हुए बंगाल पुलिस ने बताया कि अब दुकानें खुल रही हैं और हिंसा की वजह से घर छोड़कर गए लोग वापस लौटने लगे हैं। बता दें कि बीते सप्ताह के शुक्रवार और शनिवार को नए वक्फ कानून के विरोध में शुरू हुए प्रदर्शन हिंसक हो गए थे, जिनमें कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हुए।

टीएमसी सांसद ने लोगों से की अफवाहों से बचने की अपील

वहीं मामले में जंगीपुर के टीएमसी सांसद खलीलुर रहमान ने बताया कि हालात सुधर रहे हैं और सरकार पीड़ितों की हर संभव मदद कर रही है। उन्होंने लोगों से अफवाहों से बचने और शांति बनाए रखने की अपील की। जिला प्रशासन अब उन लोगों की सूची बना रहा है, जिन्हें हिंसा में हुई संपत्ति की क्षति के लिए मुआवजा दिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

श्रमिकों का कल्याण प्रशासनिक नहीं, नैतिक उत्तरदायित्व : श्रम मंत्री पटेल

भोपाल, निप्र। श्रम, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री एवं श्रम कल्याण मंडल अध्यक्ष श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि मंडल की बैठकों में श्रम कल्याण के विषय पर विस्तारसे चर्चा की जाना चाहिये। उन्होंने कहा कि आगामी बैठक में श्रम कल्याण योजनाएं एवं श्रम कानूनों में आने वाली व्यावहारिक समस्याओं के बारे में बोर्ड में चर्चा की जाए। उन्होंने कहा कि संबल योजना के प्रभावी क्रियान्वयन की विसंगतियों को दूर करें। मंत्री श्री पटेल मंगलवार को पलाश रेसीडेंसी में मध्यप्रदेश श्रम कल्याण मण्डल के संचालक मण्डल की 62वीं बैठक को संबोधित कर रहे थे। श्रम कल्याण से जुड़े विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में प्रमुख सचिव श्री उमाकांत उमराव, अपर सचिव श्री बसंत कुर्रे, कल्याण आयुक्त श्री एस.एस.दीक्षित सहित मंडल के सदस्य, विभागीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि श्रमिकों का कल्याण केवल प्रशासनिक दायित्व नहीं, नैतिक उत्तरदायित्व भी है। हमारी सरकार हर श्रमिक के सम्मान, अधिकार और भविष्य की रक्षा के लिए संकल्पबद्ध है। उन्होंने कहा कि 80 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वाले शत-प्रतिशत श्रमिकों को सर्वप्रथम इलेक्ट्रिक वाहन का वितरण किया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि नवीन श्रम कल्याण केंद्रों की डिजाइन भविष्य की आवश्यकताओं के अनुसार तैयार की जाए। बैठक में प्रमुख सचिव, श्रम श्री उमराव ने जानकारी दी कि शासन की ओर से मंडल को अंशदान राशि 2 करोड़ से बढ़ाकर वित्तीय वर्ष 2025-26 में 12 करोड़ की गई है। बैठक में मण्डल की 61वीं बैठक में लिये गये निर्णयों पर कार्यालय द्वारा की गई कार्रवाई की पुष्टि की गई एवं मण्डल के वित्तीय बजट वर्ष 2025-26, मण्डल के वार्षिक प्रतिवेदन वर्ष 2023-24 पर कार्योत्तर अनुमोदन प्रदान किया गया। मण्डल कर्मचारियों की सेवाशर्तों विनियम में अनुकंपा नियुक्ति का प्रावधान किये जाने, म.प्र. श्रम कल्याण निधि अधिनियम, 1982 की धारा 2 (3) (ख) को संशोधित करने, मण्डल के नियमित कर्मचारियों को 7वें वेतनमान के एरियर्स के व्यय भार की स्वीकृति प्रदान की गई, श्रम कल्याण केन्द्र, बुरहानपुर भवन, बुरहानपुर के मरम्मत के लिए व्यय राशि पर कार्योत्तर अनुमोदन प्रदान किया गया।

जनता में खुशहाली लाने के लिए बनाए जाएं आनंद ग्राम : निदेशक गंगराड़े

भोपाल, निप्र। राज्य आनंद संस्थान के निदेशक श्री प्रवीण कुमार गंगराड़े ने कहा कि लोगों के जीवन में खुशहाली लाने के लिए ग्राम स्तर पर अधिक से अधिक आनंद ग्राम स्थापित किए जाएं। उन्होंने यह बात खरगोन में आयोजित आनंद क्लब सदस्यों, आनंदम सहयोगियों एवं आनंदकों की समीक्षा बैठक में कही। निदेशक श्री गंगराड़े ने कहा कि खरगोन जिले में आनंद विभाग की गतिविधियां सराहनीय हैं, लेकिन अभी और संभावनाएं हैं। उन्होंने स्वयं आनंदित रहते हुए दूसरों को भी आनंद संस्थान से जोड़ने की अपील की। विशेष रूप से आनंद, अल्पविराम जैसी गतिविधियों को गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए हेप्पीनेस वालंटियर्स की भूमिका को उन्होंने महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने बताया कि राज्य आनंद संस्थान द्वारा आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन अकादमी भोपाल में %आनंद की ओर% सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों पर आधारित था। इसका उद्देश्य प्रतिभागियों को एक आनंदमयी जीवन शैली अपनाने के लिये प्रेरित करना रहा। वन विद्यालय झाबुआ में भी आनंद की ओर कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त विद्यार्थियों ने उत्साह और उमंग के साथ सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को मानव मूल्यों पर आधारित जीवन जीने की कला से अवगत कराया गया। चर्चा में यह समझाया गया कि किस प्रकार हम अपने दैनिक जीवन में सजगता, संवेदनशीलता और सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाकर जीवन को तनावमुक्त, शांतिपूर्ण और आनंदमय बना सकते हैं। सत्र में छोटे-छोटे पर्यवेक्षणों के माध्यम से अपने भीतर झांकने और अपने व्यवहार में सुधार लाने के उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। विद्यार्थियों ने प्रश्नोत्तर सत्र के माध्यम से जीवन जीने की प्रक्रिया को गहराई से समझा। राज्य आनंद संस्थान द्वारा शासकीय अधिकारियों-कर्मचारियों के लिए पंचगनी, महाराष्ट्र में 22 से 25 अप्रैल तक चार दिवसीय आनंद शिविर का आयोजन किया जाएगा।

मप्र में सूचना प्रौद्योगिकी से वनों की सुरक्षा और संरक्षण में आयी गतिशीलता

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि वनों के संरक्षण और पर्यावरण की सुरक्षा के लिये प्रदेश में निरंतर प्रभावी कदम उठाये जा रहे हैं। मुख्यमंत्री की मंशानुसार विभिन्न विभागों द्वारा इस दिशा में सकारात्मक प्रयास किये जा रहे हैं।

वन विभाग द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी तकनीकों के उपयोग से वनों की सुरक्षा एवं संरक्षण में गतिशीलता लाने के लिये जीआईएस तकनीक का प्रयोग वन क्षेत्रों के नक्शों के निर्माण एवं संधारण के लिये किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि वन विभाग द्वारा वनों का वैज्ञानिक दृष्टि से इस तरह प्रबंधन करना, जिससे न सिर्फ ग्रामवासियों को वनों से जीविकोपार्जन का स्रोत निरंतर बना रहे, बल्कि प्रबंधन में भी उनकी भागीदारी सशक्त करने का सार्थक प्रयास है। साथ ही इससे यह भी सुनिश्चित करना है कि वन एक प्राकृतिक धरोहर के रूप में संवहनीय, संरक्षित एवं संवर्धित संसाधन के रूप में विकसित होता रहे। मध्यप्रदेश वन एवं वन्य-जीव संरक्षण एवं संवर्धन में अग्रणी राज्यों की श्रेणी में अपना स्थान रखता है।

वनखण्डों के मानचित्रों का डिजिटाइजेशन

जनसंपर्क अधिकारी के.के. जोशी ने मंगलवार को जानकारी देते हुए बताया कि वन विभाग में वनखण्डों के मूल मानचित्रों एवं राजस्व विभाग के खसरेवार उपलब्ध जीआईएस डेटा का उपयोग कर नक्शे तैयार किये गये हैं। अभी तक 64 वन मण्डल में से 40 के परिष्कृत मानचित्र तैयार किये गये हैं एवं 23 वन मण्डलों के वन क्षेत्रों के मानचित्रों का सुधार कार्य प्रगति पर है, इसे शीघ्र पूर्ण किया जायेगा। मेप आईटी से अन्य शासकीय संस्थाओं को भी डेटा प्रदाय किया गया है। इससे वनों के संरक्षण में मदद मिल रही है।

जल स्रोतों के मानचित्र का एटलस

मध्यप्रदेश देश का टाइगर स्टेट है। हमारे वन विविध प्रकार के जीव-जंतुओं से परिपूर्ण हैं। ग्रीष्म ऋतु में वन्य-जीवों के लिये पीने के पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करना वन्य-जीव प्रबंधन के लिये आवश्यक रहता है। इसके लिये सतही जल-स्रोतों की पहचान कर उनको सूचीबद्ध कर प्रबंधन योजना में सम्मिलित किया जाता है। सूचना प्रौद्योगिकी द्वारा मध्यप्रदेश के समस्त वन मण्डलों के सतही जल-स्रोतों का मानचित्रिकरण कर उन्हें वेबसाइट पर उपलब्ध कराया गया है। इन मानचित्रों को ग्रीष्म ऋतु के सेटेलाइट रिमोट सेंसिंग डेटा के उपयोग से बनाया गया है। इससे वनों में जल-स्रोतों में बढ़ोत्तरी हुई है। वनों के भीतर विभिन्न वानिकी गतिविधियों के लिये क्षेत्र चयन के लिये सूचना प्रौद्योगिकी शाखा द्वारा डिजिटल एलीवेशन मॉडल की आधुनिक तकनीक के उपयोग से विभिन्न संरक्षित क्षेत्रों तथा वन मण्डलों के थ्री-डी मानचित्रों /decision support system का निर्माण कर वेबसाइट पर उपलब्ध कराया गया है।

अखिल भारतीय वनवासी ग्रामीण मजदूर महासंघ के 7वें अधिवेशन का शुभारंभ

वनवासी मजदूर भाई-बहनों की सभी समस्याओं का समाधान किया जाएगा : मुख्यमंत्री

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अखिल भारतीय वनवासी ग्रामीण मजदूर महासंघ के 7वें अधिवेशन के शुभारंभ सत्र में सम्बोधित करते हुए कहा कि मजदूर भाई-बहनों की सभी समस्याओं का समाधान करने के लिए भोपाल में विभागों से समन्वय कर काम किया जाएगा।

वनवासी भाई-बहनों तथा सभी वर्ग की बेहतरी के लिए कार्य करने में सरकार कोई कसर नहीं छोड़ेगी। सरकार ने इंदौर की हुकुमचंद मिल के 4800 मजदूर भाई-बहनों के 224 करोड़ रुपए का बकाया भुगतान करवा दिया है। रतलाम की सज्जन मिल के मजदूरों का बकाया भुगतान भी शीघ्र करवा दिया जाएगा। सरकार की ओर से औद्योगिकीकरण को बढ़ावा देकर रोजगार के अवसर तलाशने के लिए औद्योगिक निवेश के लिए संभागीय स्तर पर रीजनल इण्डस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित कर उद्योगपतियों के साथ अनुबंध किए गये हैं।

भोपाल में 9वीं ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट आयोजित की गयी। इसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह की उपस्थिति में प्रदेश में उद्योगों को बढावा देने और रोजगार के अवसर तलाशने के कार्य किए गए हैं। प्रदेश में रोजगारमूलक उद्यम स्थापित करने वाले उद्योगपतियों को जमीन आवंटन, विद्युत बिल में छूट देते हुए 70 प्रतिशत तक सरकार द्वारा सबसिडी दी जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि धार और झाबुआ जिले में भी मेडिकल कॉलेज खोले जाएंगे, जिससे वनवासी जिलों में पढ़ाई एवं उपचार की बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित हो सके। सरकार द्वारा गरीब महिला, किसान, युवा सभी वर्गों के लिए प्राथमिकता से काम किया जा रहा है।

देश के हित में करेंगे काम

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देश के हित में करेंगे काम, और काम के लेंगे पूरे दाम, यह भारतीय मजदूर संघ का नारा है। सरकार की ओर से देशहित में काम करने वाले मजदूरों को उनका पूरा हक दिया जाएगा। वस्त्र उद्योग में कार्य करने वाले श्रमिकों को प्रति मजदूर 5 हजार रुपए प्रति माह अनुग्रह राशि देने की योजना पर कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अलीराजपुर क्षेत्र के मजदूर भाई-बहन काम की तलाश में गुजरात राज्य की सूरत स्थित हीरा फैक्ट्री में कार्य पर जाते हैं, इसके लिए अब अलीराजपुर में ही हीरा फैक्ट्री के माध्यम से रोजगार के साधन उपलब्ध कराए जाएंगे। गंभीर बीमारी के समय गरीबों/मजदूरों के उपचार के लिये एयर एम्बुलेंस सेवा के माध्यम से अन्यत्र भेजने की व्यवस्था सरकार द्वारा की जा रही है। गरीबों के उपचार के लिये प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना में निजी चिकित्सालयों में भी उपचार की व्यवस्था की गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को प्रदान किया गया बेस्ट स्टेट फॉर प्रमोशन ऑफ स्पोर्ट्स अवार्ड

खेल पत्रिका स्पोर्ट्स स्टार ने किया सम्मानित

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को एसीईएस अवार्ड-2025 के अंतर्गत बेस्ट स्टेट फॉर प्रमोशन ऑफ स्पोर्ट्स का अवार्ड प्रदान किया गया। द हिंदू समाचार पत्र समूह की खेल पत्रिका स्पोर्ट्स स्टार की ओर से मुख्यमंत्री डॉ. यादव को यह पुरस्कार पत्रिका के संपादक श्री वी.वी. राजशेखर राव तथा नेशनल हेड श्री सतीश मेंडन ने समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में प्रदान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा खेलों को प्रोत्साहन के लिए ग्राम से लेकर राज्य स्तर तक प्रयास किए जा रहे हैं। सभी विधानसभा क्षेत्रों में एक-एक स्टेडियम स्थापित करने के लिए कार्य जारी है। महाविद्यालय और विश्वविद्यालयों में स्पोर्ट्स टीचर्स को महत्वपूर्ण दायित्व देने की प्रक्रिया भी आरंभ की गई है।

योगिता दीपक चौकसे जायसवाल महिला महासभा की जिला उपाध्यक्ष नियुक्त

विनय उजाला

इंदौर, नप्र। म.प्र. जायसवाल सर्ववर्गीय महिला महासभा में योगिता दीपक चौकसे को जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया।

ये नियुक्ति राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुपमा जायसवाल, श्रीमती सुनिता जायसवाल. सुभाष जायसवाल, अशोक जायसवाल, सचिन चौकसे, उमा प्रकाश राय, विजयलक्ष्मी, अनिल मालवीय के परामर्श और अखिल भारतीय सर्ववर्गीय महिला महासभा की अनुशंसा पर की गई है। समाज के सभी अधिकारी ने बधाई दी। सूरज जायसवाल, प्रभुचरण जायसवाल, डी.पी. राय, पुरूषोत्तम जायसवाल, सोनू जायसवाल, अतुल जायसवाल, रवि मालवीय, रेखा जायसवाल ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

राज्य स्तरीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा निर्माण के लिये प्रारंभ हुई कार्यशाला

भोपाल, निप्र। राज्य स्तरीय पाठ्यचर्या की रूप रेखा निर्माण के लिये 3 दिवसीय कार्य शाला का शुभारंभ मध्यप्रदेश पाठ्य पुस्तक स्थायी समिति के अध्यक्ष श्री अलकेश चतुर्वेदी ने मंगलवार को भोपाल के लेक-व्यू अशोका में दीप प्रज्ज्वलित कर के किया। कार्यशाला में बच्चों का सर्वांगीण विकास, कौशल विकास और आध्यात्मिक और नैतिक शिक्षा जैसे उद्देश्य बिंदुओं पर विचार मंथन के बाद प्राप्त सुझावों को राष्ट्रीय पाठ्यचर्या समिति को प्रेषित किया जाएगा। इसके बाद राज्य की पाठ्यचर्या का निर्माण भी किया जाएगा।

हर क्षेत्र में उन्नत स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता के लिए सरकार प्रतिबद्ध : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए मंत्रालय में हुई उच्च स्तरीय बैठक

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय में ग्वालियर क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण योजना की गहन समीक्षा की उन्होंने विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में जल संसाधन मंत्री एवं ग्वालियर जिले के प्रभारी मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण तथा उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह और ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर उपस्थित रहे। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने जय आरोग्य अस्पताल, ग्वालियर में सीटीवीएस (कार्डियोथोरेसिक एंड वैस्कुलर सर्जरी) विभाग के आवश्यक पदों की स्वीकृति का प्रस्ताव तैयार करने और अस्पताल भवन के उन्नयन एवं सुदृढ़ीकरण कार्यों को शीघ्रता एवं प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के हर क्षेत्र में उच्च स्तरीय चिकित्सकीय सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। बैठक में ग्वालियर क्षेत्र के अन्य स्वास्थ्य संस्थानों के अधोसंरचना विकास, मैन पॉवर, उपकरण उपलब्धता की विस्तारपूर्वक समीक्षा कर आवश्यक व्यवस्थाओं के उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रदेश सरकार समस्त अंचलों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारा लक्ष्य है कि नागरिकों को उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं के लिए बाहर न जाना पड़े। इसके लिए आवश्यक अधोसंरचना विकास, आधुनिक चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता और चिकित्सकीय स्टॉफ की पर्याप्त नियुक्ति सुनिश्चित की जा रही है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने सिंहस्थ-2028 के दृष्टिगत सांवेर विधानसभा क्षेत्र के स्वास्थ्य संस्थानों के उन्नयन के लिए तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री संदीप यादव, आयुक्त श्री तरुण राठी, तथा संचालक श्री नीरज कुमार सिंह उपस्थित रहे।

ओवरब्रिज बनने से लाखों लोगों को मिलेगी ट्रैफिक की समस्या से राहत : राज्यमंत्री गौर

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने मंगलवार को मंत्रालय में विभिन्न विभागों के साथ गोविंदपुरा क्षेत्र में हो रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने निर्माण कार्यों में देरी और लापरवाह अधिकारियों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए समय सीमा में कार्य करने के निर्देश दिए।

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि आम लोगों को ट्रैफिक की समस्या से निजात दिलाने के लिए आशिमा मॉल से बावड़िया कलां के बीच ओवरब्रिज बनाया जाएगा। इसका लाभ रोज आवागमन करने वाले लाखों लोगों को मिलेगा। ओवरब्रिज के निर्माण के लिए इसी सप्ताह टेंडर जारी हो जाएगा और जून महीने में इसका निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने बावड़िया ब्रिज पर ट्रैफिक सिग्नल लगाने के निर्देश भी दिए हैं, इससे लंबे जाम से रहवासियों को राहत मिलेगी।

आशिमा मॉल से बावड़िया कलां के बीच ओवरब्रिज निर्माण जून से होगा प्रारंभ

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि भेल क्षेत्र की सड़कों की मरम्मत के लिए भेल के अधिकारियों के साथ समन्वय कर पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारी इस कार्य को जल्द पूरा करें। उन्होंने लंबे समय से एमजीएम स्कूल अवधपुरी के करीब बनने वाली सड़क के निर्माण कार्य में देरी पर कहा कि सड़क के निर्माण कार्य में कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सड़क निर्माण कार्य को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया।

सुंदरकांड एवं भंडारे में शामिल हुए भगवानदास सबनानी

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी जी पंचमुखी हनुमान मंदिर तुलसी नगर में आयोजित सुंदरकांड एवं भंडारे में सम्मिलित हुए। साथ ही उपस्थित जनों को भोजन प्रसादी कर भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष मुकेश देहाडे मंडल अध्यक्ष सोनू पालीवाल गौरव जैन गोविंद वर्मा भक्तजन उपस्थित रहे।

'तालाबों और कुओं को साफ रखें, वर्षा जल संचयन करें'

जल गंगा संवर्धन अभियान... जल आज सहेजेंगे तो हर खेत को मिलेगा कल

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में जल गंगा संवर्धन अभियान संचालित किया जा रहा है। प्रदेश के जिलों में जल स्त्रोतों के संवर्धन और संरक्षण के लिये विविध गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

अभियान में जनभागीदारी से जल संरक्षण का संकल्प साकार हो रहा है। प्राचीन जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार और नवीन जल संरचनाओं का निर्माण कार्य किया जा रहा है। उमरिया जिले के जनपद पंचायत करकेली में प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत आयोजित वॉटरशेड महोत्सव-2025 जल संरक्षण की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल रही। कार्यक्रम में विधायक शिवनारायण सिंह, कलेक्टर श्री धरणेन्द्र जैन, जनप्रतिनिधि, किसान, पंचायत प्रतिनिधि, महिला स्व-सहायता समूह, युवा, छात्र-छात्राएं, और स्थानीय जन मौजूद रहे। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0 का उद्देश्य हर खेत को पानी देना है, ताकि किसानों को वर्ष भर सिंचाई की सुविधा मिल सके और खेती की उत्पादकता में वृद्धि हो। योजना के अंतर्गत वाटरशेड डेवलपमेंट एक महत्वपूर्ण घटक है, जो ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण, भूजल स्तर को बढ़ाने और भूमि सुधार जैसे कार्यों पर केन्द्रित है।

छतरपुर में प्रताप सागर तालाब की सफाई

छतरपुर जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कई गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। ग्राम निवरिया में ग्रामीण लोगों की बैठक कर लोगों को तालाबों, कुएं एवं बावड़ियों की सफाई करने के लिए प्रेरित किया गया और श्रमदान करने की शपथ दिलाई गई। प्रताप सागर तालाब की सफाई अभियान का कार्यक्रम कराया गया। देवास जिले में प्रशासन एवं ग्रामीणों के जनसहयोग से जनपद पंचायत देवास की ग्राम पंचायत टिगरिया गोगा एवं पर्वतपुरा के तालाब का गहरीकरण किया जा रहा है।

शहडोल में दीवार लेखन कर महिलाएं बता रही जल का महत्व

जल गंगा संवर्धन अभियान अब जन अभियान बनता जा रहा है। शहडोल जिले के ब्यौहारी की महिलाओं ने जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल का महत्व बताने के लिए दीवार पर नारे लिखें तथा जल के महत्व के प्रति लोगों को जागरूक करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। धार एवं तिरला विकासखंड में श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किए गए। धार के जीजी कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में ष्टस्ष्टस्ष्टक्कके छात्र-छात्राएं, नवांकुर समिति, सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के बाद ग्राम जेतपुरा स्थित तालाब की सफाई के लिये श्रमदान किया गया।

संक्षिप्त समाचार

श्री हिमांशु प्रजापति ने एमपीआईडीसी के कार्यकारी संचालक का पदभार ग्रहण किया

इंदौर, निप्र। वर्ष 2019 बैच के आईएएस अधिकारी श्री हिमांशु प्रजापति ने आज एमपीआईडीसी (मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम) इंदौर के कार्यकारी संचालक का पदभार ग्रहण किया। उन्होंने एमपीआईडीसी के अधिकारियों की बैठक लेकर विभागीय कार्यों की जानकारी ली।

मंत्री सिलावट 16 को सांवेर क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों का करेंगे भ्रमण

इंदौर, निप्र। जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट 16 अप्रैल को सांवेर विधानसभा क्षेत्र अन्तर्गत विभिन्न ग्रामों का दौरा करेंगे। मंत्री श्री सिलावट ग्राम पंचायत पीर कराडिया, डकाच्या और ग्राम पंचायत मांगलिया में ग्रामीणों से मुलाकात करेंगे। वे ग्राम पंचायतों में मंदिर परिसर, बावड़ी आदि में स्वच्छता अभियान में भी शामिल होंगे। इस दौरान वे विभिन्न शासकीय योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों से भी भेंट करेंगे। अपने भ्रमण के दौरान श्री सिलावट डकाच्या स्वास्थ्य केन्द्र और मांगलिया में रेलवे ओव्हर ब्रिज का निरीक्षण भी करेंगे।

बच्चों ने सीखी सोलर कुकिंग

इंदौर (विनय उजाला)। पद्मश्री जनक पलटा के पति जिमी मैकगिलिगन की स्मृति में आयोजित सतत विकास सप्ताह के अंतर्गत आज इंदौर स्थित केंद्र पर सोलर कुकिंग एवं प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। शहर की गणमान्य हस्तियों के साथ देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के कुलपति श्री राकेश सिंघई एवं पद्मश्री जनक दीदी ने सौर ऊर्जा के माध्यम से खाना पकाया एवं सौर ऊर्जा और सतत विकास के बारे में चर्चा की। द विट्स स्कूल के छात्र-छात्राओं ने भी उत्साह से भाग लिया और सोलर कुकिंग का प्रशिक्षण प्राप्त करते हुए ग्रीन राइस और हलवा बनाया। अतिथियों द्वारा भी बच्चों के प्रयासों की सराहना की गई। प्राचार्य ज्योति चौरसिया ने बताया कि जल्द ही बच्चों को शिक्षकों के माध्यम से सोलर कुकिंग पर विस्तार से प्रशिक्षण दिया जाएगा और बच्चों को सोलर कुकर बनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

'विकास जरूरी है, लेकिन नागरिकों की सहमति भी उतनी ही महत्वपूर्ण' महापौर ने मेट्रो अधिकारियों को दिए स्पष्ट निर्देश

महापौर भार्गव ने मेट्रो रूट को लेकर ली बैठक

स्थानीय निवासियों की आपत्तियों पर जताई संवेदना

विनय उजाला

इंदौर, नप्र। शहर में मेट्रो रेल परियोजना के तहत तेजी से कार्य जारी है, जिससे इंदौर भी जल्द ही मेट्रो नेटवर्क से जुड़ने वाला है। लेकिन मेट्रो रूट को लेकर शहर के पश्चिमी क्षेत्र, विशेष रूप से बड़ा गणपति और छोटा गणपति क्षेत्र के रहवासियों ने अपनी आपत्ति दर्ज कराई है।

स्थानीय नागरिकों ने महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव से मुलाकात की और अपनी समस्याएं रखीं। नागरिकों ने मेट्रो स्टेशन के प्रस्तावित स्थान को लेकर चिंता जताई और अपने क्षेत्र में निर्माण के कारण होने वाले संभावित नुकसान की जानकारी दी। इसके बाद महापौर ने तत्काल मेट्रो कॉर्पोरेशन के अधिकारियों, विशेष रूप से प्रभारी अधिकारी श्री राजपूत के साथ मेट्रो कार्यालय में बैठक आयोजित की।

बैठक में महापौर ने अधिकारियों से स्पष्ट कहा कि शहर का विकास हमारी प्राथमिकता है, लेकिन यह सुनिश्चित करना भी उतना ही जरूरी है कि स्थानीय निवासियों को कम से कम असुविधा हो। महापौर ने निर्देश दिए कि मेट्रो रूट के चयन और स्टेशन की लोकेशन तय करने से पहले स्थानीय नागरिकों को विश्वास में लिया जाए और उनकी राय को प्राथमिकता दी जाए। साथ ही, अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे जल्द ही नागरिकों के साथ पुन: बैठक कर इस मुद्दे का संतुलित और जनहितकारी समाधान निकालें। इस बैठक के माध्यम से प्रशासन ने यह स्पष्ट संकेत दिया है कि इंदौर में विकास जनसंवाद और जनसहमति के साथ होगा।

जल गंगा संवर्धन अभियान... शहर के विभिन्न स्थानों पर तालाब-कुंऐ की सफाई का अभियान

महापौर पुष्यमित्र भार्गव व आयुक्त श्री शिवम वर्मा ने बताया कि मान. मुख्यमंत्री महोदय के आव्हान पर प्रदेश में चलाये जा रहे जल गंगा संवर्द्धन अभियान के तहत शहर में स्थित प्राचीन कुऐं-बावडी व तालाबो के संरक्षण के लिये अभियान चलाया जा रहा है जिसके तहत अपर आयुक्त श्री रोहित सिसोनिया के निर्देशन में आज शहर के विभिन्न वार्डो में कुऐं व तालाब की सफाई हेतु नागरिको द्वारा श्रमदान किया गया। आयुक्त शिवम वर्मा के निर्देशानुसार जल गंगा संवर्द्धन अभियान के तहत झोनवार/वार्डवार आयोजित कार्यक्रम के तहत झोन क्रमांक 10 वार्ड क्रमांक 40 में जल गंगा संवर्द्धन अभियान में क्षेत्रीय पार्षद श्री पुष्पेन्द्र पाटीदार, इंजीनियर श्री शुभम पटेल, एनजीओ एचएमएस के द्वारा खजराना तालाब के परिसर में राहगीर व रहवासी संघ के द्वारा श्रमदान के माध्यम से तालाब की सफाई कराई गई, साथ ही तालाब की सफाई के पश्चात पुजन सामग्री हेतु निर्माल्य कुंड का भी निर्माण किया गया है, तालाब में स्वच्छता बनाये रखने की भी अपील की गई। इसके साथ ही झोन क्रमांक 12 वार्ड क्रमांक 59 में क्षेत्रीय पार्षद सुश्री रूपाली पेंढारकर, झोनल अधिकारी श्री राहुल रघुवंशी, इंजीनियर श्री देवेन्द्रसिंह

झालाजी की उपस्थिति में हरसिद्धी झोन के पास कुंए के पास जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया, साथ ही शासकीय मराठी माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 17 बख्शी गली, नेताजी सुभाष मार्ग चन्द्रबोस बालक छात्रावास जूनी इंदौर के स्कुल के विद्यार्थियों द्वारा जल गंगा संर्वद्धन से प्रेरित पेटिंग कार्य किया गया। झोन क्रमांक 09 वार्ड क्रमांक 26 मे क्षेत्रीय पार्षद श्री लालबहादुर वर्मा, झोनल अधिकारी उपयंत्री श्री राम गुप्ता व एनजीओ संस्था एचएमएस द्वारा धारकर गार्डन के पास स्वच्छता जनभागीदारी अभियान के तहत श्रमदान करते हुए, जल गंगा संवर्द्धन अभियान में श्रमदान किया गया।

हनुमान प्राकट्योत्सव पर दिव्यांगजनों को मिला नई उम्मीद का उपहार

विनय उजाला

इंदौर, नप्र। छोला रोड स्थित खेडापति मंदिर परिसर में हनुमान प्राकट्योत्सव के पावन अवसर पर सर्व समृद्धि चैरिटेबल फाउंडेशन द्वारा एक विशेष जनकल्याणकारी सेवा कार्य का आयोजन किया गया। इस पुण्य अवसर पर दिव्यांगजनों को बैटरी से चलने वाली स्वचालित साइकिलें उपहार स्वरूप प्रदान की गईं।

यह सेवा कार्य सर्व समृद्धि चैरिटेबल फाउंडेशन की ओर से समाज के प्रति दायित्व और समर्पण का प्रतीक है, जो दिव्यांगजनों के जीवन में आत्मनिर्भरता और सुविधा को बढ़ावा देगा। इस प्रेरणादायी आयोजन ने समाज को समरसता और सेवा का संदेश भी दिया।इस अवसर को गौरवान्वित करने के लिए श्री राजेन्द्र प्रसाद गर्ग, श्रीमती सुशीला देवी गर्ग, श्रीमती राखी गर्ग एवं श्री सुनील गर्ग की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी गणमान्य अतिथियों ने दिव्यांगजनों को शुभकामनाएं देते हुए उन्हें जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। सुनील गर्ग ने इस अवसर पर एक महत्वपूर्ण सामाजिक संदेश देते हुए कहा दिव्यांगता कमजोरी नहीं, बल्कि विशेष सामर्थ्य का प्रतीक है। हमें उन्हें सहानुभूति नहीं, सहयोग और अवसर देना चाहिए, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें और समाज में सम्मानपूर्वक जीवन जी सकें। सर्व समृद्धि फाउंडेशन द्वारा किए गए इस सेवा कार्य से कई दिव्यांगजनों को अपनी रोज़मर्रा की ज़िंदगी को सहज और आत्मनिर्भर तरीके से जीने की एक नई राह मिली है। हनुमान प्राकट्योत्सव के शुभ अवसर पर आयोजित इस सेवा कार्य ने समाज के बीच एक सकारात्मक संदेश प्रसारित किया कि सेवा ही सच्चा धर्म है।

श्री वनखंडी हनुमान मंदिर जीर्णोद्धार का कार्य शुरू

विनय उजाला

इंदौर, नप्र। छत्रीबाग में उपस्थित प्राचीन श्रीवनखंडी हनुमान मंदिर पर संतो व सेवकों द्वारा भूमि पूजन किया गया, जिसमें महामंडलेश्वर श्री रामायण जी महाराज,मंदिर अध्यक्ष सुरेंद्र जी सिसोदिया, प्रेम कल्याणे,उमेश रावल,बंटी कसेरा,अमन बाथम, गजेंद्र सिंह राठौड़, गोलू राठौर, लक्की सुनेरिया, प्रतिक शर्मा, व मंदिर की पूरी सेवा समिति उपस्थित रही पिछले ग्यारह वर्षों से लगातार प्रतिशनिवार सुंदरकांड पाठ मंडली द्वारा किया जाता है, और निशुल्क सुन्दरकाण्ड मंदिर जीर्णोद्धार के लिए भी किया जा रहा है व उपाध्यक्ष प्रेम कल्याणे ने बताया कि क़रीब 500 वर्ष पुराने इस मंदिर में जर्जरता आने की वजह से पुन: जीर्णोद्धार का कार्य किया जा रहा है।

निगम में जनसुनवाई, 31 आवेदन हुए प्राप्त

विनय उजाला

इंदौर, निप्र। आयुक्त श्री शिवम वर्मा द्वारा आज निगम मुख्यालय में जनसुनवाई की गई। इस अवसर पर निगम के समस्त अपर आयुक्त, उपायुक्त, सहायक आयुक्त, अधीक्षण यंत्री एवं विभाग प्रमुख उपस्थित थे। इस अवसर पर जनसुनवाई मे प्राप्त आवेदनो को तत्काल निराकरण करने के भी निर्देश दिये गये।

आयुक्त श्री शिवम वर्मा द्वारा निगम मुख्यालय स्थित कक्ष में जनसुनवाई की गई, जन सुनवाई के दौरान नागरिको द्वारा राजस्व, मार्केट, भवन अनुज्ञा, स्वास्थ्य विभाग, रिमूव्हल विभाग, सीवरेज विभाग, जनकार्य विभाग सहित अन्य विभागो के 31 आवेदन आयुक्त महोदय के समक्ष प्रस्तुत किये गये, आयुक्त द्वारा नागरिको को समक्ष में सुना गया तथा प्राप्त आवेदन को आयुक्त कार्यालय में जनसुनवाई के दौरान उपस्थित अपर आयुक्त, उपायुक्त, सहायक आयुक्त व विभाग प्रमुख को तत्काल प्रेषित कर नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये।

कार्यालय थाना प्रभारी थाना शाहजहांनाबाद जिला-भोपाल

क्रमांक/था.प्र./शाह.बाद/भो.मर्ग क्रं.07/25 दिनांक : 05.03.25

:: सूचना ::

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि थाना शाहजहांनाबाद के मर्ग क्रमांक 07/25 धारा 194 बीएनेस. में मृतक अज्ञात पुरूष उम्र करीबन 50-60 साल निवासी अज्ञात का शव दिनांक 04.03.2025 को शाम करीब 08/15 बजे गौरी कारपेट के सामने बड़ा बाग कब्रिस्तान की बाउण्ड्री के पास भोपाल टॉकिज चौराहा पर मिला है। पहनावा- काला पेंट, अधखुरा पहना था। जिसका फोटो उपरोक्तानुसार है। यदि मृतक अज्ञात पुरूष या इसके परिजनों के संबंध में कोई जानकारी हो तो कृपया थाना प्रभी थाना शाहजहांनाबाद, भोपाल के संपर्क नंबर 9479990573 एवं थाने के संपर्क नंबर 0755-2443250 एवं जांच अधिकारी के मोबाईल नंबर 7049105167 पर तत्काल संपर्क करें।

जी-11566/25

"स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता"

थाना प्रभारी
थाना शाहजहांनाबाद, भोपाल

कार्यालय नगर पालिका परिषद नागदा, जिला उज्जैन

क्रमांक एफ-/राजस्व/2025/996 नागदा, दिनांक : 02/04/2025

:: विज्ञप्ति सूचना ::

इस सूचना द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित विवरण के भवन/भूमि के स्वामित्वों/उत्तराधिकारी की ओर से आवेदन पत्र इस कार्यालय में म.प्र. न.पा. अधिनियम 1961 की धारा 150(1)(2)(3) के अनुसार नामांकन की सूचना प्राप्त होने के फलस्वरूप धारा 151 के तहत कार्यवाही की जाना है। अत: जिस किसी को नाम किये जाने में किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो, तो विज्ञप्ति के प्रकाशन के दिनांक से 30 दिवस के अंदर अपनी आपत्ति लिखित रूप से मय दस्तावेज के प्रस्तुत करें अन्यथा अवधि समाप्ति के पश्चात किसी प्रकार की आपत्ति मान्य नहीं होगी :-

क्रं.	मोहल्ले का नाम	वर्तमान न.पा. रिकार्ड में दर्ज	हस्तांतरणकर्ता का नाम	भवन/भूमि जिसके नाम होना है	नामांकन चाहे जाने का आधार
1.	सिंगापुर सिटी	प्रवीण-कन्हैयालाल	प्रवीण-कन्यैलाल	विकास-मनोहरलाल अग्रवाल	रजि/प्लाट 287
2.	जय अम्बे कॉ.	सीमादेवी-शंकरसिंह	सीमादेवी-शंकरसिंह	राहुल-शंकर सिंह यादव	दानपत्र/भवन
3.	मनोहर वाटिका	रेखा-विजय कुमार	रेखा-विजय कुमार	देवेन्द्र, विशाल-जितेन्द्र गेहलोत	रजि/प्लाट
4.	मनोहर वाटिका	विजय कुमार-मोहनलाल	विजय कुमार-मोहनलाल	धीरज, नवीन-स्व. नरेन्द्र गेहलोत	रजि/प्लाट
5.	साकेत कॉ. अमला रोड	निरंक	यशोदाबाई-अमृतलाल	महेश कुमार-अमृतलाल पूर्णेश- महेश कुमार	रजि/प्लाट
6.	प्रकाश नगर गली नं. 03	मालती-वीर बहादुर घर्तीमगर वीरबहादुर-कमानसिंह	मालती-वीर बहादुर घर्तीमगर वीरबहादुर-कमानसिंह	लीलाबाई-मांगीलाल लोकेश-मांगीलाल	रजि/भवन
7.	नाहर खां कॉ.	रूपेश-मनोहरलाल	कलावती-भागीरथ राठौर वेदप्रकाश-नंदराम रामलाल-नंदराम	रूपेश-मनोहरलाल	रजि, विलियन/ भवन
8.	अमला रोड	निरंक	भारत-श्याम सिंह	गुड्डीबाई-श्यामसिंह पूनम-सोनू मालिक पिता श्याम सिंह	मृत्यु, प्र.पत्र शपथ पत्र/भवन
9.	जूना नागदा रोड बायपास रोड	निरंक	मेहबूब खां-मुराद खां	फरीदा बी-हनीफ मो.	रजि/भवन
10.	जूना नागदा रोड बायपास रोड	निरंक	मेहबूब खां-मुराद खां	फरीदा बी-हनीफ मो.	रजि/भवन
11.	जवाहर मार्ग गली नं.01	शांतिबाई-सरदारमल	शांतिबाई-सरदारमल	सरदारमल-नंदकिशोर	मृत्यु प्र.पत्र शपथपत्र/भवन
12.	शिवपुरा कॉ	रामप्रसाद-मांगीलाल	रामप्रसाद-मांगीलाल	अमर सिंह-गणपतलाल	रजि/भवन
13.	जवाहर मार्ग गली नं.01	मुकेश-बालमुकुन्द सुशीला-मुकेश	मुकेश-बालमुकुन्द सुशीला-मुकेश	नगमा-सोनू खान	रजि/भवन
14.	धारीवाल टाउनशिप	निरंक	प्रदीप-भरतकुमार जैन	लाखन-भरतलाल	रजि/प्लाट 22
15.	महिदपुर रोड	धापूबाई-बिहारीलाल	धापूबाई-बिहारीलाल	कृष्णवल्लभ, निशा, चेतन-स्व. महेशचन्द्र जगदीशचन्द्र-स्व. बिहारीलाल	मृत्यु प्र.पत्र, शपथ पत्र/भवन
16.	श्रीराम कॉ.	प्रकाशचन्द्र, विद्या, उमा-स्व. भेरूलाल	प्रकाशचन्द्र, विद्या, उमा-स्व. भेरूलाल	प्रकाशचन्द्र-भेरूलाल	हकत्याग/ भवन
17.	नर्मदा नगर के समीप	निरंक	राकेश कुमाक-मांगीलाल	मेविस जॉन-शैलेन्द्र जॉन	रजि/प्लाट
18.	चम्बल मार्ग	कन्हैयालाल-नरसिंह	कन्हैयालाल-नरसिंह	राजेन्द्र कुमार-स्व. कन्हैयालाल	वसीयत/भवन
19.	चम्बल मार्ग	कन्हैयालाल-नरसिंह	कन्हैयालाल-नरसिंह	नरेन्द्र-स्व. कन्हैयालाल	वसीयत/भवन
20.	राजेन्द्र गृह निर्माण	दामोदर-पूनमचंद	दामोदर-पूनमचंद	दीपक जैन-अरूण पंकज जैन आशीष-विठ्ठल मेहता	रजि/प्लाट
21.	जवाहर मार्ग	रामजी भाई, नथराम भाई, भगवानदास भाई, जेठालाल भाई पिता कानजी भाई पटेल	रामजी भाई, नथराम भाई, भगवानदास भाई, पिता कानजी भाई पटेल	जेठालाल भाई पिता कानजी भाई पटेल	हकत्याग/भवन
22.	पाल्या रोड	शकील मो. सरदार मो. पिता स्व. लाल मो. शबनम बी-इशतकार अली	शकील मो. सरदार मो. पिता स्व. लाल मो. शबनम बी-इशतकार अली	मुन्नीबाई-राधेश्याम	रजि/भवन
23.	चंबल सागर कॉ.	खेमराज-भुवान जी	खेमराज-भुवान जी	गीताबाई-शोभाराम	रजि/भवन
24.	जूना नागदा रोड पश्चिम भाग	निरंक	गफूरन बी-अब्दुल गफ्फार खान	अमजद खान-अ अब्दुल गफ्फार खान	रजि/भवन
25.	अमला रोड	कमलाबाई-नानूराम	कमलाबाई-नानूराम	सुनीता-विजय कुमार	रजि/प्लाट
26.	अंजनी नगर के समीप	निरंक	अशोक-कालूराम	मुश्ताक शाह-न्याज मो. शाह	रजि/भवन
27.	नर्मदा नगर के समीप	अशोक कुमार-भेरूलाल	अशोक कुमार-भेरूलाल	हर्ष-दौलत रामानी	रजि/प्लाट
28.	ई.डब्ल्यू.एस. हा. बोर्ड, का.	निरंक	एम.पी. हाउसिंग बोर्ड द्वारा अधिकृत निर्मल कुमार-पांचीलाल जी	रणजीत-रामचन्द्र नन्देड़ा	रजि/प्लाट 91
29.	इंदिरा गृह निर्माण	निरंक	एस.एम. सिसौदिया-रतनलाल	सुशील सिंह-फूल सिंह	रजि/प्लाट
30.	माधव गृह निर्माण	निरंक	भेरूलाल-ओंकारलाल	ताराबाई-स्व. भेरूलाल	मृत्यु प्र.पत्र शपथ पत्र/प्लाट

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद नागदा

अदब की महफ़िल के मंच पर हिमाचल पुलिस के 'हार्मनी ऑफ द पाइंस' ने सुरों से रच दी सम्मान की संगीतमय गाथा

लता मंगेशकर ऑडिटोरियम खचाखच भरा... सीढ़ियों तक बैठे दर्शकों ने सुरों और वर्दी दोनों को किया सलाम

विनय उजाला

इंदौर, निप्र। पुलिस सिर्फ देश और समाज की रक्षा नहीं करती, बल्कि संस्कृति, संवेदना और संगीत की भी प्रहरी हो सकती है यह संदेश रविवार को अदब की महफ़िल द्वारा आयोजित भव्य संगीतमय संध्या में हिमाचल पुलिस के बैंड 'हार्मनी ऑफ द पाइंस' ने पूरे गौरव से दिया।

जैसे ही मंच पर वर्दीधारी कलाकारों ने 'भारत हमको जान से प्यारा है' की धुन छेड़ी, सभागार देशभक्ति से नहीं, गर्व से भर गया। यह दृश्य सिर्फ संगीत का नहीं, पुलिस की गरिमा और रचनात्मक क्षमता का भी उत्सव था। कार्यक्रम की लोकप्रियता इतनी थी कि सभागृह की हर सीट भर चुकी थी। कई दर्शक सीढ़ियों तक पर बैठकर प्रस्तुति का आनंद ले रहे थे। हर गीत पर तालियों की गूंज और दर्शकों का उठकर खड़े हो जाना, हिमाचल पुलिस की इस अनूठी प्रस्तुति को यादगार बना गया। 1996 में पांच पुलिसकर्मियों से शुरू हुआ यह बैंड आज 17 सदस्यों के साथ देशभर में हिमाचल पुलिस की पहचान और शान बन चुका है। यह भारत का पहला यूनिफॉर्म ऑर्केस्ट्रा है, जिसने न सिर्फ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज कराया, बल्कि 5 का डाक टिकट भी अपने नाम करवाया।

सिर्फ सुरक्षा नहीं, समाज निर्माण की दिशा में कदम

'हार्मनी ऑफ द पाइंस' केवल संगीत नहीं, पुलिस के भीतर की इंसानियत, भावना और संवेदनशीलता का प्रतीक है। यह वही पुलिस है जो कभी सड़क पर ट्रैफिक कंट्रोल करती है, तो कभी मंच पर हारमोनियम, तबला और गिटार पर सुर सजाती है। इसी संवेदनशीलता के साथ यह बैंड चुनाव आयोग का ब्रांड एंबेसडर बनकर मतदाता जागरूकता जैसे अभियानों में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। साथ ही, कलर्स टीवी के हुनरबाज़ - देश की शान जैसे मंच पर फाइनल तक पहुंचकर हिमाचल पुलिस की सृजनशीलता का राष्ट्रीय स्तर पर लोहा मनवाया है।

गीतों में विविधता, सुरों में ऊर्जा

कार्यक्रम में देशभक्ति गीतों के साथ-साथ रूमानी, भावनात्मक और सिनेमा के लोकप्रिय गीत भी प्रस्तुत किए गए। संदेशे आते हैं..., माँ तुझे सलाम..., मेरा रंग दे बसंती चोला... से लेकर बॉलीवुड के नए जमाने के गीतों तक ने हर वर्ग के दर्शकों का मन जीत लिया। कार्यक्रम का संचालन हेमंत गट्टानी ने किया, और कलाकारों का स्वागत राजेश गट्टानी तथा अशरफ गौरी द्वारा किया गया।

सम्पादकीय

आप हमारे अपने

नक्सलियों से गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि आप हमारे अपने हैं। हथियार डाल कर मुख्यधारा में शामिल हों। जब कोई नक्सली मारा जाता है, तो कोई भी खुश नहीं होता। दंतेवाड़ा में बस्तर पंडुम महोत्सव में समापन समारोह में शाह ने कहा कि मार्च, 2026 तक नक्सल समस्या को खत्म करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। नक्सलमुक्त घोषित गांवों को एक करोड़ रुपये की विकास निधि देने तथा नक्सलियों की सुरक्षा और पुनर्वास की व्यवस्था सरकार द्वारा सुनिश्चित करने की बात भी उन्होंने की। शाह के बस्तर प्रवास के दरम्यान छत्तीसगढ़ के 86 नक्सलियों ने हैदराबाद में सामूहिक समर्पण किया जिनमें बीस नक्सल महिलाएं भी शामिल हैं। पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी गांव से 1967 में शुरू किसानों के विद्रोह को नक्सलवाद कहा गया। इसमें शामिल लोगों को नक्सलवादी या नक्सल कहा जाने लगा। इन्हें मुख्यतया वामपंथी आंदोलनों से जोड़ा जाता है जो माओवादी राजनीतिक विचारधारा का पालन करते हैं। सरकार के अनुसार देश में नक्सल प्रभावित जिले सत्रह से घट कर छह रह गए हैं। छत्तीसगढ़, तेलंगाना, झारखंड और ओडिशा में इनकी जड़ें फैली हुई हैं। बिहार के विभिन्न जिलों को नक्सलमुक्त घोषित किए जाने के बावजूद अभी भी दस जिलों में इनका प्रभाव है। सरकार के प्रति नाराजगी और बुनियादी जरूरियात की मांग को लेकर ये उग्र प्रदर्शन करते रहे हैं। पिछले दिनों नक्सलियों की सेंट्रल कमेटी ने पर्चा जारी करके सरकार से युद्धविराम की मांग की। नक्सल प्रभावित इलाकों के नौजवान अब बेहतर शिक्षा और रोजगार की तलाश में अपना वक्त लगाना बेहतर मान रहे हैं। जान बचाने के लिए घने जंगलों में भटकने या सुरक्षा बलों का निशाना बनने को वे राजी नहीं हो रहे। गुरिल्ला युद्ध की ट्रेनिंग लेकर हथियारबंद लड़ाकों को लगातार रिहाइशी इलाकों की तरफ जाने से रोका जा रहा है। दशकों से चले आ रहे इस सशस्त्र वामपंथी आंदोलन को नेस्तनाबूद करने को दृढ़संकल्पित केंद्र सरकार सफल होती दिख रही है। हालांकि ग्रामीण और बीहड़ इलाकों तक विकास, सड़कें, विद्यालय और स्वास्थ्य केंद्रों के साथ ही रोजगार के साधनों की ठोस व्यवस्था ही नौजवानों को मतिभ्रम से दूर रख सकती है। मात्र ओजस्वी भाषणों के भरोसे उनके आवेग/गुस्से को रोका जाना मुश्किल है।

सुविचार

जो समय को साध लेता है, वही जीवन को सफल
बना लेता है। समय केवल घड़ी की सुई नहीं, यह परमात्मा
का अदृश्य वरदान है ङ्क इसका सदुपयोग ही साधना है।
- माया बैरागी, सैलाना रतलाम

हमें जो मिला है हमारे भाग्य से ज्यादा मिला है,
यदि आपके पाँव में जूते नहीं है, तो अफ़सोस मत करिए
दुनिया में कई लोग ऐसे भी हैं जिनके पाँव ही नहीं।
- नरेश वर्मा, इंदौर

सब कुछ सीखना ही ज्ञान नहीं है,
कुछ नजरअंदाज करना भी ज्ञान है।
- डॉ. विनय दीवान, भोपाल

बिना शिकायत और बिना निंदा के एक दिन बिता
कर तो देखिये, खुशी और शांति कहीं ढूंढनी नहीं पड़ेगी।
- रश्मि तिवारी, इंदौर

जीवन एक यात्रा है, जिसमें उतार-चढ़ाव आते रहते हैं,
लेकिन हर अनुभव हमें कुछ नया सिखाता है और
हमें मजबूत बनाता है। जीवन को जीने के लिए हमें सकारात्मकता,
धैर्य और साहस की आवश्यकता होती है।
- ए.एस.राजपूत, आष्टा

जिंदगी मां जैसी होनी चाहिए, किसी को
फर्क नहीं पड़ता, दूसरों के पास कैसी है।
सबको बस यही लगता है मेरे पास सबसे अच्छी है।
- अरूण मित्तल, इंदौर

चोकसी को बेल्जियम में मुंबई की अदालत द्वारा जारी किये गये दो गैर ज़मानती वारंट के आधार पर गिरफ्तार किया गया है, जो 2018 व 2021 में जारी किये गये थे। बहरहाल, चोकसी की गिरफ्तारी से इतना तो सुनिश्चित हुआ है कि जब तक उसके प्रत्यर्पण की प्रक्रियाएं पूरी नहीं हो जातीं वह बेल्जियम में सलाखों के पीछे ही रहेगा। लेकिन उसका प्रत्यर्पण कठिन व चुनौतीपूर्ण है। यह अनुमान अकारण नहीं।

केस मजबूत होने के बावजूद चुनौतीभरा होगा चोकसी का प्रत्यर्पण

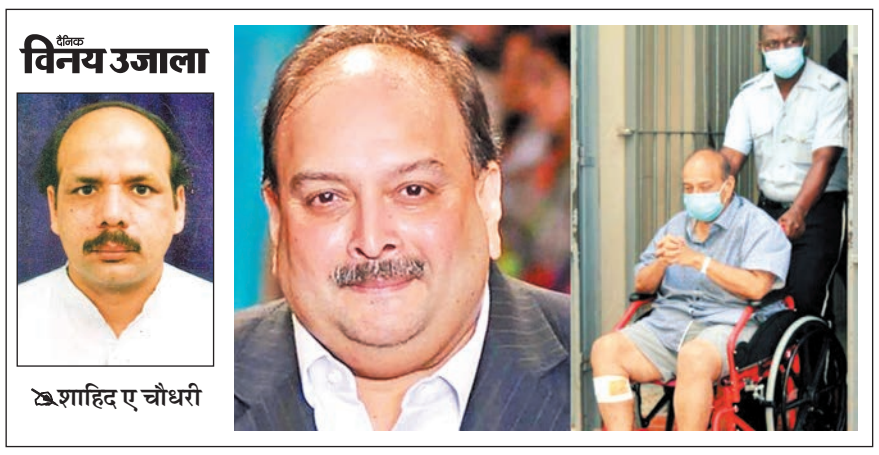
दैनिक विनय उजाला
शाहिद ए चौधरी

हालांकि भारतीय एजेंसियों- ईडी व सीबीआई द्वारा स्थानीय प्रशासन के समक्ष दर्ज किये गये हिरासत व प्रत्यर्पण आग्रह के आधार पर बेल्जियम पुलिस ने भगोड़े हीरा व्यापारी मेहुल चोकसी को गिरफ्तार तो कर लिया है, लेकिन उसे वापस भारत लाना कड़ी चुनौती होगी। चोकसी पर आरोप है कि उसने 13,500 करोड़ रूपये का बैंकिंग फ्रॉड किया और उसके खिलाफ मनी लौंडरिंग के मामले भी दर्ज हैं। इस घोटाले में नीरव की पत्नी एमी मोदी व भाई नीशल मोदी भी आरोपी हैं। ट्रायल से बचने के लिए चोकसी भारत से भाग गया था। कैंसर पीड़ित चोकसी ने एंटीगुआ की नागरिकता ली हुई है। उसके खिलाफ इंटरपोल रेड कार्नर नोटिस जारी हुआ था, लेकिन उसने उसे यह कहते हुए रद्द करा दिया था कि भारतीय एजेंसीज ने उसका अपहरण करने का प्रयास किया था। यह नोटिस कोई अंतर्राष्ट्रीय गिरफ्तारी वारंट नहीं है बल्कि यह अनुरोध करने वाले देश द्वारा इंटरपोल के माध्यम से जारी किया गया एक अंतर्राष्ट्रीय अलर्ट है, जो प्रत्यर्पण, आत्मसमर्पण या इसी तरह की कानूनी कार्यवाई के लम्बित रहने तक किसी व्यक्ति का पता लगाने और उसे अस्थायी रूप से गिरफ्तार करने में मदद करता है।

चोकसी को बेल्जियम में मुंबई की अदालत द्वारा जारी किये गये दो गैर ज़मानती वारंट के आधार पर गिरफ्तार किया गया है, जो 2018 व 2021 में जारी किये गये थे। बहरहाल, चोकसी की गिरफ्तारी से इतना तो सुनिश्चित हुआ है कि जब तक उसके प्रत्यर्पण की प्रक्रियाएं पूरी नहीं हो जातीं वह बेल्जियम में सलाखों के पीछे ही रहेगा। लेकिन उसका प्रत्यर्पण कठिन व चुनौतीपूर्ण है। यह अनुमान अकारण नहीं। चोकसी का भगोड़ा भांजा नीरव मोदी भी 2019 से लंदन की जेल में बंद है। उसे भी भारत के आग्रह पर गिरफ्तार किया गया था कि उस पर भी फ्रॉड के आरोप हैं और वह भी ट्रायल से बचने के लिए भारत से फरार हो गया था। चोकसी इंग्लैंड के हाईकोर्ट के हाल के आदेश का सहारा लेकर अपने प्रत्यर्पण को रोकने का प्रयास करेगा। भारत ने वांछित हथियार व्यापारी संजय भंडारी के प्रत्यर्पण का आग्रह किया था, जिसे इंग्लैंड के हाईकोर्ट ने यह कहकर ठुकरा दिया था कि भारतीय जेलों में बहुत खराब स्थितियां हैं, जैसा कि नई दिल्ली की तिहाड़ जेल (जो सबसे सुरक्षित मानी जाती है) में गैंगस्टर टिलू ताजपुरिया की हत्या से स्पष्ट है।

बेल्जियम की अदालतें भी मानवाधिकार मुद्दों को लेकर अति संवेदनशील हैं। इसलिए चोकसी का प्रत्यर्पण इस बात पर निर्भर करता है कि बेल्जियम की अदालत भारतीय जेलों की स्थितियों के बारे में क्या रुख अपनाती है इंग्लैंड के हाईकोर्ट के नज़रिये से सहमत होती है या असहमत? सभी भगोड़े, जिन देशों में अपराध करते हैं वहां न्याय से बचने के लिए प्रत्यर्पण का विरोध करने के लिए मानवाधिकार मुद्दे उठाते हैं। भारतीय एजेंसीज को सूचना मिली थी कि चोकसी बार बार बेल्जियम की यात्रा कर रहा है। इसी को मद्देनजर रखते हुए लगभग छह माह पहले ईडी ने बेल्जियम के अधिकारियों से उसके प्रत्यर्पण का आग्रह किया था। इसी आग्रह के चलते आख़िरकार चोकसी की गिरफ्तारी हुई है। अब उसे वापस भारत लाना इस बात पर निर्भर करता है कि बेल्जियम की स्थानीय अदालत में भारतीय वकीलों की टीम किस प्रभावी ढंग से अपनी दलीलें रखती है। भारतीय एजेंसीज ने सारे कागज़ात पहले से ही तैयार कर रखे थे, जिन्हें प्रत्यर्पण आग्रह के साथ पेश किया गया है। इन कागज़ात में भारतीय अदालतों में चोकसी के खिलाफ दायर आरोप-पत्र, भगोड़ा होने के कारण उसके खिलाफ जारी किया गया गैर-ज़मानती वारंट और ट्रायल के लिए मौजूद न होना शामिल हैं। यहां की अदालतों ने आपराधिक आरोपों का भी संज्ञान लिया है, जोकि प्रत्यर्पण आग्रह में प्रमुख शर्त होती है।

चोकसी और नीरव मोदी ने पंजाब नेशनल बैंक के साथ हज़ारों करोड़ रूपये का फ्रॉड किया था। जांच एजेंसीज धीरे धीरे उस तक पहुंचने ही वाली थी कि उसे अपने फंसने की भनक लग गई और वह जनवरी 2018 में फरार हो गया। उसने एंटीगुआ व बारबुडा में शरण ली और बाद में एंटीगुआ की नागरिकता भी ले ली। ईडी एंटीगुआ व बारबुडा में उसकी गतिविधियों पर करीब से नज़र रख रही थी। चोकसी को जून 2021 में डॉमिनिका से डिपोर्ट करने का प्रयास किया गया था, जहां वह एंटीगुआ से संदिग्ध हालात में पहुंचा था, लेकिन यह कोशिश असफल रही, जिसके कारण इंटरपोल ने उसके खिलाफ जारी किये गये रेड कार्नर नोटिस को वापस ले लिया।

इस बीच डायग्नोज़ हुआ कि चोकसी को कैंसर है। वह इलाज के लिए नियमित बेल्जियम आ जा रहा था। इस जानकारी से भरतीय एजेंसीज हरकत में आ गईं और उसके प्रत्यर्पण की अर्ज़ी दाखिल की। चोकसी ने गिरफ्तारी से बचने के लिए स्विट्ज़रलैंड भागने का प्रयास किया था, लेकिन उसे बीमारी के कारण अस्पताल में भर्ती होना पड़ा और बेल्जियम में ही रुकना पड़ा। निवेश कार्यक्रम के ज़रिये एंटीगुआ की नागरिकता लेने वाले चोकसी ने पिछले साल 15 नवम्बर को अपनी पत्नी प्रीति के कागज़ात इस्तेमाल करके बेल्जियम से एफ रेजीडेंसी कार्ड हासिल कर लिया था, हालांकि उसने अभी तक भारत या एंटीगुआ की नागरिकता को नहीं छोड़ा है। प्रीति बेल्जियम की नागरिक है। हालांकि चोकसी के खिलाफ भारत का केस बहुत मज़बूत है, लेकिन उसका प्रत्यर्पण कराना आसान नहीं होने जा रहा है। सब कुछ इस बात पर निर्भर है कि बेल्जियम की अदालत भारतीय जेलों के बारे में क्या रुख अपनाती है? संजय भंडारी के मामले में इंग्लैंड की अदालत ने इस दलील को स्वीकार कर लिया था कि भारतीय जेलों में यातनाएं दी जाती हैं, स्थिति अमानवीय है और ट्रायल असाधारण रूप से लम्बा चलता है। चोकसी के वकील अभी से ही इंग्लैंड की अदालत का हवाला देने लगे हैं। चोकसी के वकील विजय अग्रवाल का कहना है, हम चोकसी को जेल से बाहर निकालने का इस आधार पर प्रयास कर रहे है कि वह बीमार है और उसका कैंसर का उपचार चल रहा है। चोकसी की ज़मानत याचिका पर सुनवायी कम से कम एक सप्ताह बाद आरंभ होगी। तब तक वह जेल में ही रहेगा।

भारतीय एजेंसीज को जब यह मालूम हुआ कि चोकसी अपने स्टेट्स को अपग्रेड कराके एफ प्लस रेजीडेंसी कार्ड कराने जा रहा है, जिससे बेल्जियम से प्रत्यर्पण अधिक कठिन हो जाता तो उन्होंने अपनी कार्यवाही को अधिक तेज़ कर दिया। फलस्वरूप बेल्जियम ने एफ रेजीडेंसी को एफ प्लस नहीं किया। चोकसी ने कैंसर उपचार के लिए स्विट्ज़रलैंड की विशिष्ट कैंसर फैसिलिटी हिरस्लानडेन क्लीनिक आरु में अप्लाई किया था। उसे प्रवेश लगभग मिल ही गया था कि उसने सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूर्ण कर ली थीं, लेकिन इससे पहले कि वह बेल्जियम छोड़ पाता उसे एंटवर्प में गिरफ्तार कर लिया गया। मानवीय व अपनी स्वास्थ्य स्थिति का हवाला देते हुए चोकसी ने स्विट्ज़रलैंड में अर्जेंट मेडिकल उपचार के लिए भी अप्लाई किया था। चोकसी की गिरफ्तारी का श्रेय लेते हुए केंद्र में जूनियर वित्त मंत्री पंकज चैधरी ने कहा कि भ्रष्टाचार के प्रति सरकार की बर्दाश्त शून्य है, लेकिन यह भी कड़वा सच है कि अभी तक विजय माल्या, नीरव मोदी, चोकसी आदि एक भी फ्रॉड करने वाले भगोड़े को वापस भारत नहीं लाया जा सका है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)
-इमेज रिफ्लेक्शन सेंटर

प्राइवेट सिस्टम का खेल... आम आदमी की जेब पर हमला

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत में शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे बुनियादी अधिकार आज निजी संस्थानों के लिए मुनाफे का जरिया बन चुके हैं। प्राइवेट स्कूल सुविधाओं की आड़ में अभिभावकों से मनमाने शुल्क वसूलते हैं। ड्रेस, किताबें, यूनिफॉर्म, कोचिंग...सब कुछ महँगा और अनिवार्य बना दिया गयाहै। वहीं, प्राइवेट हॉस्पिटल डर और भ्रम का माहौल बनाकर मरीजों से मोटी रकम वसूलते हैं। सामान्य बीमारी को गंभीर बताकर महंगी जांच, दवाइयाँ और भर्ती का दबाव बनाया जाता है। इन संस्थानों के पीछे कथित तौर पर राजनीतिक संरक्षण है, जिस कारण कोई कठोर कार्रवाई नहीं होती। सबसे अधिक संकट में मध्यम वर्ग पर है, जिसे न सरकारी सेवाओं पर भरोसा है, न प्राइवेट सिस्टम से राहत। यह एक चेतावनी है कि यदि जनता ने अब भी आवाज़ नहीं उठाई तो शिक्षा और स्वास्थ्य सिर्फ विशेषाधिकार बनकर रह जाएंगे।

भारत एक ऐसा देश है जहाँ शिक्षा और स्वास्थ्य को बुनियादी अधिकार माना जाता है। लेकिन जब यही अधिकार एक व्यापार का रूप ले ले तो आम आदमी की जिंदगी में यह अधिकार बोझ बन जाते हैं। आज के दौर में प्राइवेट स्कूल और प्राइवेट हॉस्पिटल सुविधाओं के नाम पर ऐसी व्यवस्था खड़ी कर चुके हैं जो आम नागरिक की जेब पर सीधा हमला करती है। यह हमला सिर्फ आर्थिक नहीं, मानसिक और सामाजिक भी है। शिक्षा या व्यापार प्राइवेट स्कूलों की बात करें तो अब ये शिक्षण संस्थान कम और फाइव स्टार होटल ज्यादा लगते हैं। स्कूल में दाखिले के लिए लाखों की डोनेशन, एडमिशन फीस, एनुअल चार्जेस, ड्रेस, किताबें, जूते, बस फीस आदि। हर चीज में अलग-अलग मदों के नाम पर वसूली होती है। किताबें स्कूल के किसी 'अधिकृत वेंडर' से ही खरीदनी होती हैं, जिनका मूल्य बाज़ार दर से दोगुना होता है, क्योंकि उसमें स्कूल का कमीशन जुड़ा होता है। स्कूल यूनिफॉर्म भी उन्हीं से लेनी पड़ती है, जो आम बाजार में मिलती ही नहीं। यह सब इसलिए नहीं कि अभिभावक इन सुविधाओं की मांग करते हैं, बल्कि इसलिए क्योंकि स्कूलों ने इसे 'अनिवार्य' बना दिया है। पढ़ाई नाम की चीज अब कक्षा में कम और कोचिंग संस्थानों में ज्यादा होती है। दिलचस्प बात ये है कि उन कोचिंग संस्थानों के मालिक भी कई बार उन्हीं स्कूल संचालकों से जुड़े होते हैं। बच्चा दिनभर स्कूल, फिर कोचिंग, फिर होमवर्क और फिर ट्यूशन। ऐसे में बच्चे के लिए खुद के लिए ना समय, ना सोच, ना बचपन। इन सबका उद्देश्य एक ही होता है ङ्क 99त्न लाओ। जब ये नंबर नहीं आते तो बच्चे हीन भावना से ग्रस्त हो जाते हैं। अभिभावक दूसरों के बच्चों से तुलना करने लगते हैं और ये पूरी प्रक्रिया मानसिक उत्पीड़न में बदल जाती है।

स्वास्थ्य का नाम, व्यापार का कामअब अगर शिक्षा में ये स्थिति है, तो स्वास्थ्य क्षेत्र उससे भी भयावह है। प्राइवेट हॉस्पिटल्स का ढांचा अब इलाज से ज्यादा 'कमाई' पर केंद्रित हो गया है। अस्पताल में घुसते ही 'पर्ची' कटती है, फिर तरह-तरह की जाँचें, महंगी दवाइयाँ, आईसीयू और 'एडवांस पेमेंट' की माँग और वो भी बिना यह बताए कि मरीज़ की स्थिति क्या है। सामान्य सर्दी-खांसी या बुखार को भी डॉक्टर ऐसा बताते हैं, मानो जीवन संकट में हो। डर दिखाकर लोगों को लंबी दवाओं और भर्ती की सलाह दी जाती है। मरीज़ ठीक भी हो जाए, तब भी बिल देखकर परिवार बीमार हो जाता है। जो दवा बाहर 10 रुपए में मिलती है, वही अस्पताल के बिल में 200 से 300 रुपए की होती है। यहाँ तक कि मौत के बाद भी लाश को एक-दो दिन रोककर मोर्चरी चार्जेस, फ्रीजर चार्जेस आदि के नाम पर अंतिम सांस तक पैसा वसूला जाता है। यह एक क्रूर मजाक है उस परिवार के साथ जो पहले ही अपनों को खो चुका होता है। सरकार की चुप्पी - क्यों? इस लूट का सबसे दुखद पहलू यह है कि यह सब किसी को छिपकर नहीं करना पड़ता। सब कुछ खुलेआम होता है। अखबार, सोशल मीडिया, न्यूज चैनल, हर जगह यह मुद्दा उठता है। हर साल प्राइवेट स्कूलों की फीस बढ़ोतरी और हॉस्पिटल बिलों पर शोर होता है, लेकिन हर बार यह शोर धीरे-धीरे दबा दिया जाता है। आखिर ऐसा क्यों? क्योंकि अधिकतर प्राइवेट स्कूल, कॉलेज, हॉस्पिटल, इन सबके पीछे किसी ना किसी नेता का हाथ होता है। चाहे वह सत्ता पक्ष का हो या विपक्ष का। सिस्टम में बैठे अधिकतर लोग कहीं ना कहीं इस खेल में हिस्सेदार होते हैं। नियम-कानून बनते हैं, लेकिन उन पर अमल नहीं होता। आरटीई (शिक्षा का अधिकार कानून), सीजीएचएस (स्वास्थ्य सुविधा योजना), नैशनल मेडिकल काउंसिल ङ्क ये सब नाम भर हैं, जिनका प्रयोग प्रचार में होता है, न कि आम आदमी को राहत देने में।

मध्यम वर्ग की त्रासदीगरीबों के लिए सरकार कभी-कभी योजनाएँ बना देती है, अमीरों को कोई चिंता नहीं, लेकिन सबसे ज्यादा पिसता है मध्यम वर्ग। न उसे सरकारी स्कूल में भेजना गवारा होता है, न सरकारी अस्पताल में जाना। मजबूरी में वह प्राइवेट विकल्प चुनता है और फिर उसी जाल में फँस जाता है। एक ऐसा जाल जिसमें न कोई नियंत्रण है, न कोई जवाबदेही। मध्यम वर्ग न तो सड़क पर उतरता है, न ही आंदोलन करता है। वह हर महीने अपनी जेब काटकर ईएमआई देता है, स्कूल की फीस चुकाता है, हॉस्पिटल के बिल भरता है। बस यही सोचता है और कोई रास्ता भी तो नहीं है। समाधान की संभावनाएँअगर वास्तव में इस समस्या से निपटना है तो कुछ ठोस कदम उठाने होंगे। निजी संस्थानों की पारदर्शिता, स्कूलों और अस्पतालों को अपने शुल्क और सेवाओं की जानकारी सार्वजनिक रूप से वेबसाइट और नोटिस बोर्ड पर लगानी चाहिए। एक स्वतंत्र नियामक संस्था होनी चाहिए जो फीस और सेवा की गुणवत्ता की निगरानी करे। एक ऐसी प्रणाली जहां आम नागरिक अपनी शिकायत दर्ज कर सके और उसका समाधान समयबद्ध तरीके से हो। यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी राजनीतिक व्यक्ति या उनके परिवार का हित इन संस्थानों से ना जुड़ा हो। जब तक आम जनता एकजुट होकर आवाज नहीं उठाएगी, तब तक यह लूट का सिलसिला चलता रहेगा। शिक्षा और स्वास्थ्य कोई 'सेवा' नहीं रह गई है। यह अब एक 'सर्विस' है, जिसका मूल्य तय होता है आपकी जेब देखकर। यह स्थिति किसी भी संवेदनशील और लोकतांत्रिक समाज के लिए शर्मनाक है। जब तक हम खुद नहीं जागेंगे, आवाज नहीं उठाएंगे, और सिस्टम से जवाबदेही नहीं मांगेंगे। तब तक यह प्राइवेट सिस्टम हमें ऐसे ही लूटता रहेग। हमें यह भी समझना होगा कि दिखावे की दौड़ में शामिल होकर हम अपने बच्चों का बचपन, अपने परिवार की शांति और अपने भविष्य की स्थिरता दाँव पर लगा रहे हैं। यह समय है सवाल पूछने का, व्यवस्था को आईना दिखाने का, वरना जेब तो जाएगी ही, आत्मसम्मान भी खो जाएगा।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

सांसद प्रतिनिधि निलेश उपाध्याय ने पुत्री डॉ. पूजा संग डॉ. राहुल के विवाह उपलक्ष पर श्रमिकों को दिया सम्मान एवं समर्पण राशि भेंट की

विनय उजाला

बेटमा, निप्र। जीवन में कुछ लोग विरले ही होते हैं जो परोपकार एवं समाज सेवा को ही अपना कर्तव्य समझते हैं ऐसे ही सांसद प्रतिनिधि निलेश उपाध्याय ने अपनी पुत्री डॉ. पूजा संग डॉ. राहुल के विवाह उपलक्ष पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से यह पहल शुरू की। क्योंकि श्रमिकों को सम्मान नहीं होगा तब तक समाज में समरसता नहीं आ सकती। कार्यक्रम में आयोजन करता ने श्रमिकों को मंच पर बुलाया एवं केसरिया दुपट्टा और अंग वस्त्र भेंट कर सम्मान किया। साथ ही सेवा भारती एवं ग्राम भारती के छात्रावासो में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं के भोजन के लिए 5100-5100 रुपए का चेक ग्राम भारती के इंदौरीलाल केलोत्रा एवं सेवा भारती के सोहनलाल परमार को प्रदान किया। इस अवसर पर प्रेम सिंह यादव, श्री राय,जितेंद्र पटेल,सुनील सोलंकी, भूपेंद्र पंचोली, अमन जायसवाल, यशवंत यादव,दलबीर सिंह छाबड़ा सहित अनेक जनप्रतिनिधियों ने श्रमिकों का सम्मान किया। अनेक सामाजिक संगठनों, स्थानीय नागरिकों ने इसे एक सोच बदलने वाली घटना बताया। यह सम्मान केवल श्रमिकों का नहीं बल्कि उस सोच का है जो समाज के हर व्यक्ति को बराबरी से देखने का साहस रखता है। सभी ने उपाध्याय परिवार को धन्यवाद दिया।

जन्म दिनांक एवं समग्र में संशोधन के कारण अटके वेतन के लिए जिला कोषालय अधिकारी से मिला कर्मचारी संगठन का प्रतिनिधिमंडल

विनय उजाला

इंदौर, नप्र। आज शासकीय अधिकारी कर्मचारी संयुक्त मोर्चा के संरक्षक हरीश बोयत, रमेश यादव व प्रवीण यादव ने बताया कि आधार कार्ड, पेन कार्ड, समग्र आई डी आदि में जन्मदिनांक की त्रुटि होने से इंदौर जिले के सैकड़ों कर्मचारियों का वेतन आधा माह बीत जाने के बाद भी वेतन नहीं मिला। कर्मचारियों की वेतन समस्या की गंभीरता को समझते हुए प्रतिनिधिमंडल हरीश बोयत के नेतृत्व में जिला कोषालय अधिकारी मोनिका कटारे से मिला व कर्मचारियों की समस्याओं से अवगत कराया। जिला कोषालय अधिकारी मोनिका कटारे ने ऐसे सैकड़ों शिक्षकों को हो रही समस्याओं को देखते हुए विकासखंड शिक्षा अधिकारी को आज ही सभी बिल कोषालय में लगाने हेतु कहा, जिससे सैकड़ों कर्मचारियों का वेतन शीघ्र ही दिया जाएगा, जिससे वेतन न मिलने वाले कर्मचारियों ने राहत की सांस ली। आज प्रतिनिधिमंडल में मुख्य रूप से हरीश बोयत, रमेश यादव, अशोक मालवीया, प्रवीण यादव, आर के शर्मा,आनंद हार्डिया, पवन शर्मा, संदीप धौलपुरे आदि साथी उपस्थित रहे।

पश्चिम रेलवे पर श्रद्धापूर्वक मनाई गई भारत रत्न डॉ. बी. आर. अंबेडकर की जयंती

विनय उजाला

मुंबई। पश्चिम रेलवे पर चर्चगेट, मुंबई स्थित प्रधान कार्यालय में भारत रत्न डॉ. बी. आर. अंबेडकर की 134वीं जयंती से मनाई गई। इस स्मृति समारोह का आयोजन पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार मिश्र के नेतृत्व में किया गया जिन्होंने समारोह की अध्यक्षता की।

इस अवसर पर प्रमुख विभागाध्यक्ष, मान्यताप्राप्त ट्रेड यूनियनों के प्रतिनिधि, एससी/एसटी और ओबीसी एसोसिएशन के सदस्य तथा रेल कर्मचारी उपस्थित थे। पश्चिम रेलवे के सभी मंडलों और इकाइयों ने भी इस दिवस को पूरी श्रद्धा के साथ मनाया।

श्रद्धांजलि देने हेतु महाप्रबंधक श्री मिश्र ने डॉ. बी.आर. अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और मेमोरियल कैन्डल जलाई। अपने संबोधन में श्री मिश्र ने भारतीय संविधान के प्रमुख वास्तुकार को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए संविधान निर्माण में उनके अद्वितीय योगदान को याद किया। उन्होंने वंचित समुदायों के उत्थान में डॉ. अंबेडकर की महत्वपूर्ण भूमिका और भारतीय समाज और राष्ट्र निर्माण की उन्नति में उनकी स्थायी विरासत पर भी प्रकाश डाला।

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार मिश्र, चर्चगेट स्थित प्रधान कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की जयंती के अवसर पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए एवं मेमोरियल कैन्डल प्रज्वलित करते हुए।

शाला प्रवेशोत्सव के अंतर्गत निःशुल्क कला प्रशिक्षण का समापन

विनय उजाला

स्कूल चलें हम अभियान प्रवेशोत्सव कार्यक्रम 2025 के तहत पी एम श्री शा बा उ मा वि रातीतलाई झाबुआ में अप्रैल माह के कार्यक्रम में विभिन्न गतिविधियों के तहत वेस्ट ऑफ बेस्ट से बनी कलाकृतियों लिप्पन पेंटिंग, कॉटन पेंटिंग, जूट पेंटिंग, जूट वर्क, कांच, लेस, क्ले रंग, वर्ली आर्ट के साथ साथ भिन्न भिन्न कलात्मक एवं रचनात्मक कलाओं का विद्यार्थियों के प्रशिक्षण का समापन एवं प्रदर्शनी का उद्घाटन आदिवासी विकास विभाग की सहायक आयुक्त निशा मेहरा ने सरस्वती पूजन और दीप प्रज्जवलन कर किया इस अवसर पर सहायक आयुक्त निशा मेहरा ने बच्चों से बनाई गयी वस्तुओं की संपूर्ण जानकारी ली।बच्चों के कार्यों की सराहना करते हुए उन्होंने शाला परिसर में बडी बडी जुगाड कर वस्तुएं लाकर एकत्रित कर बड़ी कलाकृति निर्माण करने हेतु प्रेरित किया। साथ ही मध्याह्न भोजन पुस्तक वितरण विद्यालयीन वातावरण पर भी बच्चों और पालकों से चर्चा की। बच्चों का प्रदर्शनी में प्रस्तुतीकरण अच्छा रहा। इस अवसर पर प्राचार्य रविन्द्रसिंह सिसौदिया ने कबाड से जुगाड थीम की वस्तुओं की प्रशंसा की। उक्त 5 दिवसीय कला प्रशिक्षण दिनांक 2अप्रैल से आरंभ हुआ था। प्रशिक्षणकर्ता योगिता आशीष पांडे को उनके द्वारा दिये गये निशुल्क प्रशिक्षण पर उन्हें उपहार एवं अभिनंदन पत्र से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सुरेखा पाठक, नम्रता यादव, नम्रता जैन, रितिका परमार, राजेन्द्र भूरिया, उर्मिला निगवाल, दीपा भाबोर, शैलेन्द्र कुमावत, रचना चंदेल, शीला भानपुरिया, दीवानसिंह भूरिया, देवयानी नायक, राजेन्द्र परमार, प्रीति त्रिवेदी, मंजुशीला तिर्की, सीताराम डामोर आदि शिक्षक उपस्थित थे।

अब भ्रष्टाचारियों को जवाब देना होगा, सोनिया-राहुल के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किए जाने पर भाजपा

नई दिल्ली, एजेंसी

नेशनल हेराल्ड मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी समेत कई अन्य लोगों के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में चार्जशीट दाखिल कर दी है। इसके बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि जो लोग जनता के पैसे और संपत्ति की लूट में शामिल हैं, अब उन्हें इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि जब इन पर कार्रवाई होती है, तो ये विक्टिम कार्ड खेलने लगते हैं।

पूनावाला ने कांग्रेस पर साधा निशाना

पूनावाला ने कहा कि ईडी की कार्रवाई अदालत के आदेश पर हुई है, न कि किसी राजनीतिक बदले की भावना से। उन्होंने कहा कि क्या कांग्रेस यह कहना चाहती है कि अदालत उनके खिलाफ बदले की कार्रवाई कर रही है? बता दें कि ईडी ने 9 अप्रैल को यह आरोपपत्र दाखिल किया था, जिसमें सोनिया गांधी, राहुल गांधी के अलावा कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा और सुमन दुबे को भी आरोपी बनाया गया है। अब इस मामले की अगली सुनवाई 25 अप्रैल को होगी। आरोप है कि इन नेताओं ने नेशनल हेराल्ड अखबार से जुड़ी संपत्तियों का गलत तरीके से इस्तेमाल किया और उसे अपने फायदे के लिए हड़प लिया।

जनता की संपत्ति को कांग्रेस ने अपना बनाया- पूनावाला

साथ ही भाजपा प्रवक्ता ने आगे कहा कि जो भी भ्रष्टाचार और लूट में शामिल है, उसे अब इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा, क्योंकि अब ईडी का मतलब डकैती और वंशवाद का अधिकार नहीं रह गया है। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस ने जनता की संपत्ति को अपना बना लिया और अब जब जांच हो रही है तो यह इसे राजनीतिक साजिश बता रही है। हालांकि कांग्रेस की ओर से अभी तक इस पर आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन पहले पार्टी इस जांच को राजनीतिक बदला बता चुकी है।

कांग्रेस नेताओं में रोष

इस घटना को लेकर कांग्रेस के नेताओं ने रोष जताया है। पार्टी के महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि नेशनल हेराल्ड की संपत्तियों को जब्त करना कानून के शासन का मुखौटा ओढ़कर एक राज्य प्रायोजित अपराध है। सोनिया गांधी, राहुल गांधी और कुछ अन्य लोगों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल करना, प्रधानमंत्री और गृह मंत्री द्वारा की गई बदले की राजनीति और डराने-धमकाने की कोशिश के अलावा कुछ नहीं है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और उसका नेतृत्व चुप नहीं बैठेगा। सत्यमेव जयते!

25 अप्रैल को होगी सुनवाई

गौरतलब है कि नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। दरअसल, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शिकंजा कसते हुए मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपपत्र दायर किया है। जांच एजेंसी की ओर से दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में आरोपपत्र दाखिल किया गया है। ईडी ने दोनों नेताओं को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपी बनाया है। ईडी की ओर से दाखिल किए गए आरोपपत्र पर राउज एवेन्यू कोर्ट में 25 अप्रैल को सुनवाई होगी।

भाजपा और गृहमंत्री डाल-डाल तो स्टालिन और कांग्रेस चल रही है पात-पात, चुनाव को लेकर बन रहा गणित

नई दिल्ली

भाजपा तमिलनाडु में राजनीतिक व्यूह रचना कर रही है। उसके तेवर देख मुख्यमंत्री और डीएमके नेता एमके स्टालिन तमिल अस्मिता को ढाल बना रहे हैं। वह ऐसे राज्य के मुख्यमंत्री हैं, जहां सरकार विरोधी वोट 10-12 प्रतिशत तक पड़ते हैं। सभी दलों, जातियों के वोट फिक्स हैं और महज 4-5 प्रतिशत फ्लोटिंग वोट राज्य तस्वीर बदल देता है। ऐसे में जहां भाजपा तमिलनाडु में डाल-डाल चल रही है, डीएमके और कांग्रेस पात-पात चल रही है।

तमिलनाडु में 11 महीने बाद चुनाव प्रस्तावित है। भाजपा ने दो सुनहरे दांव चले और इससे सत्ता पक्ष में खलबली मच गई। केन्द्रीय मंत्री अमित शाह घोषणा कर आए और उनसे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पंबन ब्रिज के लोकार्पण में बीजा रोपण कर चुके हैं। तमिलनाडु के भाजपा नेता डॉ. वी मैत्रेयन कहते हैं कि 2026 में 100 फीसदी हमारी सरकार तय है। लेकिन अभी ज्यादा कुछ कहने का फायदा नहीं। दो ध्रुवीय चुनाव होगा और इसमें करीब सालभर का समय है। डॉ. मैत्रेयन जब ऐसा कहते हैं तो उनकी आवाज में आत्मविश्वास झलकता है। मैत्रेयन कभी जयललिता के बेहद करीबियों में थे। भाजपा ने के. अन्नामलाई के स्थान पर नैनार नागेन्द्रन को नया अध्यक्ष चुन लिया। नैनार जिस जाति के हैं, वह तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री स्व. जे. जयललिता का कोर वोट रही है। इसके छिटकने की संभावना थी। भाजपा ने फ्लोटिंग वोट में बदलने के पहले नागेन्द्रन को अध्यक्ष बना दिया। एआईएडीएमके के साथ चुनावी गठबंधन की घोषणा हो गई। अमित शाह ने संकेत दे दिया कि मुख्य भूमिका एआईडीएमके की रहेगी। बैठक में साफ कहा कि न्यूनतम साझा कार्यक्रम से आगे बढ़ेंगे। इसके बाद अब एआईडीएमके और भाजपा की एकजुटता के रंग लाने की उम्मीद है। दिलचस्प रणनीति है। भरोसा भी कि दिल्ली आपके साथ है और नए सहयोगियों को जोड़ने से भी परहेज नहीं। भाजपा के नेता तरुण चुघ तो अभी से वहां दादा-पोता, पिता, भतीजा, भाई-भतीजा और परिवारवाद की राजनीति पर हमला बोलने लगे हैं।

आर वेंकट कहते हैं कि वक्फ संशोधन विधेयक तमिलनाडु में बड़ा रोल प्ले कर सकता है। राज्य में 9 प्रतिशत मुसलमान हैं।10 प्रतिशत क्रिश्चियन। यह 17 प्रतिशत का वोट पहले लग रहा था बंटेगा, लेकिन अब डीएमके और कांग्रेस की तरफ एकमुश्त पड़ेगा।

रणनीतिकारों की निगाह इस गणित पर भी

भाजपा नेता मुरलीधर राव हों या अन्य तमिलनाडु को कई नजरिए से देख रहे हैं। निगाह में एमके स्टालिन सरकार और परिवार के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप, जनता की नाराजगी, जातिगत, दलगत गोलबंदी प्रमुखता से हैं। अभिनेता से नेता बने थलपति विजय ने भी पिछले साल अपनी पार्टी तमिल वेट्री कषगम लांच कर दी है। विजय का जलवा है। युवाओं में गजब के लोकप्रिय हैं। वह पेरियार और अंबेडकर से जोड़कर सामाजिक समानता, समता की बात कर रहे हैं। पेरियार जाति में वह खासा जनाधार रखते हैं। थलपति के अलावा पीएमके भी है। उसका वोटबैंक है और जिधर पीएमके जाएगी, जातियों की गोलबंदी में खेल होना पक्का है। राज्य में 60-70 फीसदी मतदान होता है। 20-25 प्रतिशत मतदाता न्यूट्रल रहते हैं। मतदान के पैटर्न में धार्मिक आधार नहीं चलता। जातियां हावी रहती हैं। 4-5 प्रतिशत हवा के साथ चलने वाले वोट दिशा बदल देते हैं। 1996 में तो रातों रात बस एक फैक्टर पर खेल हो गया था। वहीं लोगों में जिस तरह की स्टालिन सरकार को लेकर नाराजगी है, सरकार विरोधी वोट 8 प्रतिशत से अधिक पड़ने की संभावना है। फिर जातियों में भी क्रिश्चियन, हिन्दू या द्रविड़ हैं। धर्मांतरण वाले भी हैं।

स्टालिन को कम न समझिए, एम करुणानिधि के जमाने से हैं तुरुप का इक्का

मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को अपनी सरकार से नाराजगी का एहसास है। मंत्रिमंडल के सदस्य तक स्टालिन परिवार के सदस्यों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगा चुके हैं। एक मंत्री को स्टालिन ने खुद अपनी पत्नी और सौतेली बहन कनिमोझी के दबाव में अशोभनीय बयान के लिए मंत्रिमंडल से हटा दिया। फिलहाल स्टालिन भाजपा के हर दांव को तमिलनाडु की अस्मिता का सवाल खड़ा करके गिराने में लगे हैं। कांग्रेस के नेता एसवी रमणी कहते हैं कि तमिलनाडु भावनात्मक रूप से संवेदनशील राज्य है। यहां के लोगों में तेजी से खबर फैल रही है कि तमिलियों पर हिन्दी थोपी जा रही है। रमणी के मुताबिक परिसीमन का मुद्दा जनता के बीच में इतना नहीं चलेगा, लेकिन शिक्षा और भाषा का गंभीर विषय है। एसवी कहते हैं तमिलनाडु में उत्तर भारत की धर्म और हिन्दुत्व की राजानीति नहीं चलने वाली। यहां दलित राजनीति अलग पैटर्न पर खेलती है।

सीएम सिद्धारमैया को नहीं मिली राहत, बंगलूरू की एक कोर्ट ने बी रिपोर्ट पर फैसला टाला

बंगलूरू

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से जुड़े मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) भूमि आवंटन मामले में मंगलवार को एक बड़ी कानूनी कार्यवाही हुई। जहां अदालत ने लोकायुक्त पुलिस द्वारा दायर की गई बी रिपोर्ट (क्लोजर रिपोर्ट) के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की याचिका पर फैसला फिलहाल टाल दिया है। इस मामले में लोकायुक्त पुलिस द्वारा दाखिल की गई 'बी रिपोर्ट' को लेकर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और शिकायतकर्ता स्नेहमयी कृष्णा ने आपत्ति जताई है। बता दें कि बी रिपोर्ट में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को कथित रूप से क्लीनचिट दी गई थी। लेकिन ईडी और शिकायतकर्ता कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा ने इस रिपोर्ट को चुनौती दी और मांग की है कि मामले की गहन जांच की जाए।

मंगलवार को मामले की सुनवाई के दौरान न्यायाधीश संतोष गजानन भट ने कहा कि अदालत तब तक कोई फैसला नहीं लेगी, जब तक लोकायुक्त पुलिस पूरी और विस्तृत जांच रिपोर्ट अदालत में पेश नहीं करती।

इस आदेश के साथ ही अदालत ने इस मामले की अगली सुनवाई 7 मई को तय की है।

लोकायुक्त पुलिस ने जांच के बाद एक बी रिपोर्ट अदालत में पेश की थी। यह रिपोर्ट एक तरह की क्लोजर रिपोर्ट होती है, जिसमें कहा गया कि कोई ठोस सबूत नहीं मिला, इसलिए केस बंद किया जाए। इस रिपोर्ट में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को किसी भी प्रकार की गड़बड़ी से क्लीन चिट दे दी गई थी।

कोर्ट ने लोकायुक्त पुलिस को अपनी जांच जारी रखने की अनुमति भी दी है। साथ ही अदालत ने स्पष्ट किया कि जांच केवल कुछ व्यक्तियों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि इसमें शामिल सभी लोगों की जांच की जानी चाहिए और एक विस्तृत रिपोर्ट पेश की जाए।

संक्षिप्त समाचार

गुजरात से संगठन सृजन अभियान शुरू करेंगे राहुल, पार्टी में सुधार-संगठन को मजबूत करने का प्रयास

अरवल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी मंगलवार को गुजरात के अरावली जिले के मोडासा क्षेत्र में संगठन सृजन अभियान का शुभारंभ करेंगे। इसका उद्देश्य जिला कांग्रेस समितियों को सशक्त बनाकर पार्टी के संगठन को मजबूत बनाना और जवाबदेही की एक नई प्रणाली शुरू करना है। पार्टी के अभियान की शुरुआत करने के लिए राहुल गांधी गुजरात के दो दिवसीय दौरे पर जाएंगे। यह पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के 2025 को संगठनात्मक सुधारों का वर्ष बनाने के आह्वान के अनुरूप एक कार्यक्रम है।

वहीं एक हफ्ते पहले अहमदाबाद में कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) और अखिल भारतीय कांग्रेस समिति (एआईसीसी) की बैठक के दौरान भी इस प्रतिबद्धता को दोहराया गया था। कांग्रेस के महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने राहुल गांधी के दौरे के बारे में बात करते हुए एक्स पर लिखा, आज और कल, राहुल गांधी इस प्रक्रिया को शुरू करने के लिए गुजरात में होंगे। वे अरावली जिले के मोडासा में कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान की शुरुआत करेंगे। इसका पहला उद्देश्य जिला कांग्रेस समितियों और उनके अध्यक्षों को सशक्त बनाकर और जवाबदेही की एक नई प्रणाली शुरू करके पार्टी संगठन को मजबूत करना है। बता दें कि, राहुल गांधी ने पहले गुजरात में कांग्रेस कार्यकर्ताओं से कहा था कि पार्टी से कुछ ऐसे लोगों को बाहर करने की जरूरत है जो भाजपा के साथ मिले-जुले हैं। अगर हम (लोगों के साथ) रिश्ता बनाना चाहते हैं, तो हमें दो काम करने होंगे, पहला काम इन दो समूहों (वफादारों और भाजपा समर्थकों) को अलग करना है, सख्त कार्रवाई करनी होगी। अगर हमें दस, पंद्रह, बीस या तीस लोगों को भी हटाना पड़े, तो हमें उन्हें हटाना चाहिए। भाजपा के लिए काम करने वालों की आलोचना करते हुए राहुल गांधी ने कहा, आप अंदर से भाजपा के लिए काम कर रहे हैं। आपके लिए यहां कोई जगह नहीं है। इससे पहले पार्टी नेता अजय कुमार लल्लू ने कहा कि पार्टी की पहल पार्टी को नई दिशा देगी। उन्होंने कहा, गुजरात महात्मा गांधी और सरदार पटेल की भूमि है। राहुल गांधी महात्मा गांधी के अनुयायी हैं। राहुल गांधी की यह नई पहल पार्टी को नई दिशा देगी।

केंद्र से तनातनी के बीच स्टालिन ने की राज्य के लिए अधिक स्वायत्तता की वकालत

नई दिल्ली, एजेंसी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने मंगलवार को केंद्र सरकार पर हमला बोला। इस दौरान उन्होंने राज्य को अपने फैसले लेने के लिए अधिक स्वायत्तता देने की जोरदार वकालत की। उन्होंने विधानसभा में एक उच्च स्तरीय समिति नियुक्त करने का प्रस्ताव पेश किया। स्टालिन के प्रस्ताव पर तीन सदस्यीय समिति गठित की गई है, जो राज्य की स्वायत्तता की सिफारिश के साथ ही अधिकारों को पुन: प्राप्त करने का प्रयास करेगी। सीएम स्टालिन ने राज्य को अधिक स्वायत्तता दिए जाने की बात ऐसे समय में की है, जब राज्यपाल आरएन रवि ने राज्य विधानसभा में पारित विभिन्न विधेयकों को मंजूरी देने से मना कर दिया। इसके चलते डीएमके के नेतृत्व वाली सरकार और राज्यपाल के बीच टकराव भी हुआ। सिफारिश के लिए गठित की गई समिति की अध्यक्षता रिटायर्ड जज कुरियन जोसेफ करेंगे। इस समिति में अन्य दो सदस्य रिटायर्ड आईएएस अशोक वर्धन शेट्टी और एमयू नागराजन होंगे। समिति जनवरी 2026 के अंत तक राज्य को एक अंतरिम रिपोर्ट सौंपेगी और दो साल के भीतर एक पूरी रिपोर्ट पेश करेगी। समिति राज्य और केंद्र सरकार के बीच संबंधों को मजबूत करने पर भी सिफारिशें देगी। मुख्यमंत्री स्टालिन ने मंगलवार को विधानसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा, नीट परीक्षा की वजह से हमने कई छात्रों को खो दिया है। हमने नीट परीक्षा का लगातार विरोध किया है। केंद्र सरकार तीन भाषा नीति के नाम पर तमिलनाडु में हिंदी थोपने की कोशिश कर रही है। चूंकि हमने एनईपी को स्वीकार नहीं किया, इसलिए केंद्र सरकार ने राज्य को 2500 करोड़ रुपये जारी नहीं किए हैं। ऐसी स्थिति में शिक्षा को राज्य सूची में लाया जाना चाहिए।

वक्फ कानून पर बोले रिजिजू

इसका मकसद पिछली गलतियों में सुधार करना, यह मुस्लिम समुदाय के खिलाफ नहीं

कोच्चि, एजेंसी

केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने मंगलवार को वक्फ अधिनियम में संशोधन करने के उद्देश्य के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अधिनियम में संशोधन मुस्लिम समुदाय को लक्षित करने के लिए नहीं किया गया है, बल्कि इसका उद्देश्य पिछली गलतियों में सुधार करना है। रिजिजू का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब विभिन्न मुस्लिम संगठन कानून में संशोधन करने को लेकर विरोध कर रहे हैं और पश्चिम बंगाल में हिंसक हो गए हैं।

रिजिजू ने कोच्चि में एक प्रेस वार्ता की। इस दौरान उनके साथ केंद्रीय राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन और राज्य भाजपा अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर भी मौजूद रहे। पत्रकारों को संबोधित करते हुए रिजिजू ने कहा कि केंद्र सरकार का इरादा साफ है। सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि भारत में किसी की जमीन को जबरन और एकतरफा छीनने का कोई प्रावधान न हो।

मनमाने ढंग से वक्फ संपत्ति घोषित नहीं की जाएगी कोई भी जमीन

रिजिजू ने आगे कहा कि वक्फ कानून में संशोधन इसलिए किया गया, क्योंकि इसके कुछ प्रावधानों ने वक्फ बोर्डों को अभूतपूर्व शक्ति और अधिकार दे दिए हैं। उन्होंने कहा कि वक्फ अधिनियम में संशोधन के बाद किसी भी भूमि को मनमाने तरीके से वक्फ संपत्ति घोषित नहीं किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि वक्फ कानून मुस्लिम समुदाय के खिलाफ नहीं है। यह अतीत की गलतियों को सुधारने के लिए है।

राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद आठ अप्रैल को लागू किया गया कानून

बता दें कि लोकसभा और राज्यसभा में मैराथन मंथन के बाद, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पांच अप्रैल की रात को वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 को अपनी मंजूरी दे दी। इस कानून को सरकार ने आठ अप्रैल को अधिसूचना जारी कर लागू कर दिया। सत्तारूढ़ एनडीए ने इसे अल्पसंख्यकों के लिए लाभकारी बताया है। वहीं, विपक्ष ने इस कानून को मुस्लिम विरोधी बताया है।

वीएचपी ने ममता सरकार पर साधा निशाना

धुलियान में हिंदुओं की स्थिति कश्मीरी पंडितों जैसी

कोलकाता, एजेंसी

नए वक्फ कानून के विरोध में पश्चिम बंगाल में हो रही हिंसा पर विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने मंगलवार को प्रतिक्रिया दी। साथ ही पश्चिम बंगाल सरकार से मांग की कि वक्फ अधिनियम के खिलाफ हो रहे प्रदर्शनों के दौरान राज्य के कुछ हिस्सों में हिंदू समुदाय पर हो रहे हमलों को तुरंत रोका जाए। परिषद ने इन घटनाओं को लेकर गहरी चिंता जताई और पीड़ितों को मुआवजा देने की भी मांग की।

बता दें कि सिलीगुड़ी में पत्रकारों से बात करते हुए विहिप के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) मिलिंद परांडे ने कहा कि अगर ऐसी घटनाएं और बढ़ीं तो केंद्र सरकार को हस्तक्षेप करना पड़ेगा। साथ ही उन्होंने बंगाल के दो मंत्रियों फिरहाद हकीम और सिद्दीकुल्ला चौधरी के बयानों को भड़काऊ और असंवेदनशील करार दिया। मिलिंद परांडे ने मामले में पश्चिम बंगाल सरकार पर कई गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि मुर्शिदाबाद जिले के धुलियान इलाके में हिंदू परिवार अपने घर छोड़कर मालदा में शरण लेने को मजबूर हो रहे हैं। उन्होंने इस स्थिति की तुलना जम्मू-कश्मीर से कश्मीरी पंडितों के 1990 के दशक में हुए पलायन से की। परांडे ने कहा कि धुलियान में जो कुछ हुआ है, वह बंगाल में हिंदुओं की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़ा करता है। जिहादी लुटेरों द्वारा किए जा रहे हमले से बचने के लिए हिंदू परिवारों को अपने घर छोड़ना अतीत में जम्मू-कश्मीर से कश्मीरी पंडितों के पलायन की याद दिलाता है।

अपने बयान के अंत में परांडे ने पश्चिम बंगाल के संवेदनशील इलाकों में केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती की मांग करते हुए कहा कि राज्य सरकार कानून-व्यवस्था बनाए रखने में विफल रही है।

पीड़ित हिंदू परिवारों के लिए मुआवजा की मांग

विहिप नेता परांडे ने आगे कहा कि सरकार को बयान देने की जगह हमलावरों पर कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए, क्योंकि ऐसे बयान हिंसा को बढ़ावा देते हैं और इनके लिए जिम्मेदार नेताओं पर कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि इस हिंसा में पीड़ित हिंदू परिवारों को सुरक्षा व मुआवजा देना चाहिए।

16 से 29 अप्रैल तक चलेगा बालवाटिका अभियान

बच्चों की सुनहरी शुरुआत के लिए राज्य की पहल

लखनऊ, एजेंसी

उत्तर प्रदेश सरकार ने जानकारी दी है कि 16 अप्रैल से 29 अप्रैल तक बालवाटिका अभियान का आयोजन किया जाएगा। यह अभियान कम उम्र से ही बच्चों की शिक्षा के लिए है। राज्य सरकार ने मंगलवार को यह जानकारी साझा की। इस बार कार्यक्रम सुनहरी शुरुआत बालवाटिका के साथ थीम पर आधारित होगा।

सरकार ने एक बयान में कहा, इस अभियान का उद्देश्य सह-स्थित आंगनवाड़ी केंद्रों को बालवाटिका में बदलकर प्री-प्राइमरी शिक्षा को मजबूत करना है। इसका उद्देश्य सक्रिय सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देते हुए बच्चों की शिक्षा की नींव रखना है। बयान में कहा गया है, इस पहल के तहत, सह-स्थित आंगनवाड़ी केंद्रों को संरचित प्री-प्राइमरी शिक्षा की सुविधा के लिए बालवाटिका कक्षाओं के रूप में नामित किया जाएगा।

बेसिक शिक्षा विभाग समग्र शिक्षा पहल के माध्यम से 3-6 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए सीखने के माहौल को बढ़ाने और संसाधन विकसित करने के लिए व्यवस्थित रूप से काम कर रहा है।

माता-पिता को बालवाटिका में नामांकन कराने के लिए प्रोत्साहित करना उद्देश्य

अभियान के उद्देश्यों में सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना और माता-पिता तथा समुदाय के सदस्यों को 3-6 वर्ष की आयु के बच्चों को बालवाटिका में नामांकित करने के लिए प्रोत्साहित करना शामिल है। इसके साथ ही अभियान का उद्देश्य 5-6 वर्ष की आयु के बच्चों को कक्षा-1 में निर्बाध संक्रमण के लिए तैयार करना और यह सुनिश्चित करना है कि 3-6 आयु वर्ग के सभी बच्चे बालवाटिका कक्षाओं से जुड़े हों।

ये रहेगा पूरा कार्यक्रम

अभियान के तहत प्रमुख गतिविधियों में प्रभात फेरी शामिल है, जो 16-17 अप्रैल को जनप्रतिनिधियों के नेतृत्व में प्राथमिक विद्यालय के बच्चों को शामिल करते हुए आयोजित की जाएगी। बयान में कहा गया है कि अभियान के उद्देश्यों और मुख्य संदेशों को उजागर करने के लिए 18-21 अप्रैल तक विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया जाएगा, जबकि 22-23 अप्रैल को कठपुतली शो और बच्चों द्वारा इंटरैक्टिव कहानी सुनाने सहित रोल प्ले और कहानी सुनाने के सत्रों के माध्यम से सामुदायिक सहभागिता आयोजित की जाएगी। 24-25 अप्रैल को बच्चों और अभिभावकों के लिए रचनात्मक प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी, इसके बाद 28-29 अप्रैल को अभिभावक-शिक्षक बैठकें होंगी।

संक्षिप्त समाचार

मासिक गोष्ठी में प्यासे पंछियों के लिए जलपात्र वितरित

उज्जैन, निप्र। सरल काव्यांजलि संस्था की अप्रैल माह की मासिक गोष्ठी में रचना पाठ तो हुआ ही, गर्मी के मौसम में प्यासे पक्षियों को पानी पिलाने के लिए सदस्यों को मिट्टी के जल पात्र (सकोरे) भी वितरित किए गए। संस्था अध्यक्ष डॉक्टर संजय नागर ने बताया कि कार्यक्रम में संतोष सुपेकर, मानसिंह शरद, श्रीमती आशागंगा शिरढ़ोणकर, तरुण उपाध्याय, डॉ. सुरेश यादव और प्रदीप चौहान ने प्रभावी कविताएं पढ़ीं। रामचन्द्र धर्मदासानी और राजेंद्र नागर निरन्तर ने अपनी लघुकथाओं का पाठ किया। श्रीमती रश्मि मोयदे ने मुक्तक पढ़े। आशीष श्रीवास्तव अश्क, वी.एस. गहलोत साकित और डॉक्टर रफीक नागोरी ने प्रभावी ग़ज़लें पढ़ी। अध्यक्षता करते हुए हिन्दी, मालवी की ख्यात साहित्यकार श्रीमती माया बदेका ने जलियांवाला बाग के शहीदों को नमन किया और भगतसिंह के विचारों को कवियों के समक्ष रखा। उन्होंने कार्यक्रम में पढ़ी गई हर रचना की समीक्षा भी की। प्रारम्भ में सरस्वती वंदना आशीष श्रीवास्तव अश्क ने प्रस्तुत की। अतिथि स्वागत डॉ. महेश कानूनगो, प्रदीप सरल, श्रीमती सुरेखा कानूनगो और एम.जी. मोयदे ने किया। राष्ट्रकवि श्रीकृष्ण सरल जी की कविता का वाचन नितिन पोल ने किया। संस्था की परम्परानुसार इस माह के जन्म दिवस वाले सदस्य डॉक्टर महेश कानूनगो का विशेष स्वागत हुआ। संचालन तरुण उपाध्याय ने किया और आभार संतोष सुपेकर ने व्यक्त किया।

भगवन परशुराम जन्मोत्सव पर सात दिवसीय योग शिविर का आयोजन

नागदा जं., निप्र। आराध्य देव एवं भगवान विष्णु के छठे अवतार शास्त्र और शस्त्र के ज्ञाता, जमदग्नि पुत्र भगवान परशुराम का जन्मोत्सव सर्व ब्राह्मण महासभा द्वारा प्रतिवर्ष अनुसार पारंपरिक रूप में मनाया जाएगा। सर्व ब्राह्मण महासभा के अध्यक्ष डॉ अनिल दुबे ने बताया प्रतिवर्षानुसार जन्मोत्सव के अवसर पर सात दिवसीय योग प्राणायाम शिविर का आयोजन दिनांक 23 अप्रैल से किया जा रहा है जो 29 अप्रैल 2025 तक प्रात: 6 से 7 श्री जी अस्पताल पर निःशुल्क रूप से संचालित किया जाएगा। योग शिविर में योगासन के सरल एवं स्वास्थ्य के लिए लाभकारी विभिन्न आसन प्राणायाम एरोबिक क्लैपिंग एवं हास्य योग का अभ्यास योगाचार्य श्रीमती कीर्ति शर्मा एवं सुश्री प्रीति द्वारा सिखाया जाएगा। शिविर का आयोजन शासकीय खेल प्रशिक्षक कृष्ण चंद्र पुरोहित के मार्गदर्शन में संपन्न होगा। इस पावन अवसर पर आयोजित शिविर में सम्मिलित होकर सभी योग प्रेमी समाज जन, मातृशक्ति, युवा एवं विद्यार्थियों से स्वास्थ्य लाभ लेने का अनुरोध शिविर संयोजक डॉक्टर अनिल दुबे, श्रीमती वंदना दुबे,महिला सचिव श्री मति मोहिनी व्यास, विजय व्यास, राजेश तिवारी, सुंदरलाल जोशी, डॉ. प्रदीप रावल, अभिभाषक राजेश तिवारी, राजू जोशी, मनीष शर्मा, निलेश मेहता पत्रकार, योग प्रशिक्षक सुश्री प्रीति कांठेड़, श्री मति कीर्ति शर्मा, कु. यज्ञशिखा तिवारी, ज्योति शर्मा, कुमुद पायल ओझा, ज्योति शर्मा बृजवासी, सीमा ओझा, गिरजा जोशी, श्री राष्ट्रीय परशुराम सेवा युवा वाहिनी महिला मंडल अध्यक्ष वर्षा मेहता एवं महासभा के सभी सदस्यों ने किया। शिविर में उपयोग हेतु निजी मेट, चादर घर से लेकर आये। शिविर का समापन आराध्य देव भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर महाआरती के साथ होगा।

विधायक द्वारा क्षेत्र में दी विकास की सौगात

नागदा जं., निप्र। खाचरोद विधान सभा मे क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक डॉ. तेजबहादुर सिंह चौहान द्वारा ग्राम टकरावदा 8 लाख के विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। जिसमे में 8 रु की लागत से सीसी रोड़ का भूमिपूजन ग्राम वासियों के साथ किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक लाल सिंह राणावत, मंडल अध्यक्ष गोवर्धन परिहार जनपद सदस्य मनोहर बोराणा, पूर्व मंडल अध्यक्ष लाल सिंह आंजना ग्राम सरपंच, छोटेलाल मल्लाह राजेंद्र सिंह सुरेश पाटीदार आदि उपस्थित रहे।

अ प्रा जी व्यायाम शाला में ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ

हनुमान प्रकट उत्सव के अवसर पर मंडल अभिभाषक संघ अध्यक्ष उपाध्यक्ष कोषाध्यक्ष का सम्मान

विनय उजाला

उज्जैन, निप्र। अ.प्रा.जी व्यायाम शाला द्वारा हनुमान प्रकट उत्सव के अवसर पर ग्रीष्मकालीन शिविर का शुभारंभ मंडल अभिभाषक संघ के अध्यक्ष ओम सारवान, उपाध्यक्ष सुरेंद्र मेहता, कोषाध्यक्ष देवेंद्र शर्मा, आर एल वर्मा मध्य प्रदेश शासन द्वारा प्रदत लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड द्वारा किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रामचंद्र सोलपंखी ने की। प्रारंभ में मलखंभ एवं कबड्डी मैदान का विधिवत पूजन अतिथियों द्वारा किया गया। संस्था स्वागत भाषण रविंद्र पेंढारकर ने दिया। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा आकर्षक रोप मलखंभ की पिरामिड प्रस्तुति दी गई। साठ दिवसीय ग्रीष्मकालीन शिविर में योग मलखंभ कबड्डी लाठी घुमाना तीरंदाजी तैराकी दत्त अखाड़ा आदि का प्रशिक्षण प्रतिदिन प्रशिक्षकों द्वारा दिया जाएगा। ग्रीष्मकालीन शिविर का पंजीयन व्यायाम शाला में होगा। हनुमान प्रकट उत्सव के अवसर पर प्रसाद वेरुलकर मंडली द्वारा वैदिक पूजन एवं रुद्राभिषेक किया गया। संस्था द्वारा नव नियुक्त मंडल अभिभाषक संघ के अध्यक्ष ओम सारवान, सुरेंद्र मेहता, देवेंद्र शर्मा का महाकाल का दुपट्टा पहनाकर स्मृति चिन्ह प्रदान कर पदाधिकारियों द्वारा सम्मान किया गया। संस्था के अर्जुन सोलंकी एवं अजीत कालंकर को आजीवन सदस्यता पदाधिकारीयो द्वारा प्रदान की गई।

इस अवसर पर अजय विपट, पंडित नितिन जोशी एडवोकेट, सत्यनारायण शास्त्री, माधव रानाडे, रमेश चंद दुबे, प्रमोद पोतनीस, अरविंद करंदीकर, गजेंद्र मेहता, महेश राठौर, संजय जौहरी, रविंद्र पेंढारकर, एम जी सुपेकर, महेंद्र जैन एवं पूर्व विद्यार्थी आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन गजेंद्र रामी ने किया आभार विनोद चौरसिया ने माना।

मूट कोर्ट न्यायालयीन ज्ञान की नींव है : त्रिपाठी

विक्रम विश्वविद्यालय में मूट कोर्ट विषय पर न्यायिक परिचर्चा का आयोजन

विनय उजाला

उज्जैन, निप्र। मंगलवार, 15 अप्रैल। 2025 को विधि अध्ययनशाला,विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन में मूट कोर्ट विषय पर एक न्यायिक परिचर्चा का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पधारे राजकुमार त्रिपाठी, न्यायिक मजिस्ट्रेट, प्रथम श्रेणी, वरिष्ठ प्रभाग, मंदसौर तथा श्रीमती रोहिणी तिवारी, न्यायिक मजिस्ट्रेट, प्रथम श्रेणी, वरिष्ठ प्रभाग, मंदसौर द्वारा विधि अध्ययनशाला के विद्यार्थियों से मूट कोर्ट विषय पर परिचर्चा की गई। इस परिचर्चा कार्यक्रम की अध्यक्षता विधि विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. डी. डी. बेदिया द्वारा की गई।

राजकुमार त्रिपाठी द्वारा महाभारत के संजय के समान न्यायालयीन कार्य प्रणाली का बौद्धिक दर्शन उपस्थित विद्यार्थियों को करवाया गया। उन्होंने बताया कि न्यायालय के संपर्क से प्राप्त होने वाला समस्त ज्ञान मूट कोर्ट की नींव है। आगे परिचर्चा के दौरान राजकुमार द्वारा न्यायाधीश के कार्य विभाजन एवं कार्यक्षमता, न्यायालयीन व्यवस्था, न्यायालयीन कर्मचारी तथा न्यायालय में दीवानी और फौजदारी मामलों के विचारण की प्रक्रिया पर अपने ज्ञान से प्रकाश डाला गया। उन्होंने बताया कि हर मामले का अपना जीवन होता है और हर मामले के कुछ विचित्र तथ्य होते हैं जो उसे अपने आप में अनोखा बनाते हैं।

तदुपरांत, श्रीमती रोहिणी तिवारी द्वारा न्यायिक शिक्षा एवं न्यायिक क्षेत्र में सफलता के मंत्र विद्यार्थियों के साथ साझा किए गए। श्रीमती रोहिणी ने बताया कि जीवन में विद्या ही काम आती है और विद्या केवल त्याग से प्राप्त होती है। विधि विद्यार्थियों का जीवन साधना पूर्ण होना चाहिए और अध्ययन की एक निश्चित समय-सारणी होनी चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि महाविद्यालयीन विद्यार्थियों का मन, एकाग्रता एवं बुद्धि बहुत तीव्र होती है, और इस उम्र में किया गया अध्ययन जीवन भर साथ देता है। उन्होंने अपने अनुभवों के माध्यम से सफलता के मंत्र साझा कर अपनी परिचर्चा को विराम दिया।

इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के शोधार्थी जे.आर.एफ. श्रीश भट्ट एवं शुबेन्दु उपाध्याय तथा बी.ए. एलएल.बी. एवं एलएल.बी. के विद्यार्थी पि. वि. विश्रुत, दीपम कुमार, सुमित बालकया, सत्यनारायण शर्मा, आलोक मिश्रा, पायल मालवीय, मोनीष वर्मा, प्रियंका आदि ने उत्सुकता एवं जिज्ञासा के साथ भाग लिया। अंत में सहायक प्राध्यापिका श्रीमती कीर्ति पटेल द्वारा पधारे हुए अतिथियों का आभार व्यक्त कर कार्यक्रम को पूर्ण किया गया।

शहर की किस्मत बना एक दिन छोड़कर जलप्रदाय...

विनय उजाला

उज्जैन, निप्र। उज्जैन शहर में वर्षों से नर्मदा को शिप्रा तक लाने का वादा किया जाता रहा... वादा पूरा किया तो दावा था कि शिप्रा सदानीरा रहेंगी... सालों-साल उज्जैन में पानी की कमी नहीं होगी... जल संकट का तो सवाल ही नहीं... नलों में 24 घंटे पानी आएगा... यह दावा खोखला साबित हुआ... जब से नर्मदा का आगमन शिप्रा लिंक परियोजना से हुआ है... तब से लेकर इस साल तक एक भी गर्मी ऐसी नहीं रही... जब शहर में जल संकट नहीं रहा है... शहर को बीते 12 साल में हर बार गर्मी के तीन महीने में एक दिन छोडकर जलप्रदाय की स्थिति का सामना करना पड रहा है... तेज़ी से फैलते और बढ़ते उज्जैन शहर में हर साल की तरह इस साल भी गर्मी के मौसम में जलप्रदाय के लिये पानी की कमी का रोना रोने की शुरूआत हो गई है... इसी के चलते 15 अप्रैल से एक दिन छोड़कर जलप्रदाय करने का निर्णय ले लिया गया... इस व्यवस्था के तहत एक दिन उज्जैन दक्षिण में और एक दिन उज्जैन उत्तर में जलप्रदाय किया जाना तय हुआ है... पहले ही दिन व्यवस्था की हवा निकल गई... दक्षिण क्षेत्र में समय पर जलप्रदाय ही नहीं हुआ... गर्मी के मौसम में पानी की कमी का 'रोना' रोना कोई नई बात नहीं है... और अब शहरवासी इस बदली व्यवस्था से बिल्कुल भी व्याकुल नहीं होते... क्योंकि उन्हें पता है कि हर साल नगर निगम-पीएचई और अन्य जिम्मेदारों द्वारा बारिश (अगस्त-सितम्बर) में गंभीर बांध फुल भरने के बाद भी मार्च से ढिंढौरा पीटा जाता है... अप्रैल आते-आते एक दिन छोड़कर जलप्रदाय किया जाता है... आम आदमी जो सिर्फ नल के पानी पर ही अपने पानी की ज़रूरतों पर निर्भर है... उसकी मशक्कत और चिंता बढ़ जाती है... बाकी जिम्मेदारों, नगर निगम वालों और पीएचई वालों और रईस तबके वालों को कोई फर्क नहीं पड़ता... चाहे साल भर नल से पानी मत दो... वाटर सप्लाई का नेटवर्क और सिस्टम भी इतना कमजोर है कि एक दिन छोडकर भी ठीक से जल प्रदाय नहीं होता है... कभी टंकियां नहीं भर पाती हैं तो कई बार मोटर पम्प जल जाते हैं... पाईप लाईन फूट जाती हैं... भरी गर्मी में शहरवासियों को अन्य जल स्त्रोत, टैंकरों के भरोसे रहना पडता है... बढ़ती आबादी के मान से जल संग्रहण और जलप्रदाय की पर्याप्त व्यवस्था और नर्मदा के पानी से शहर की प्यास बुझाने जैसी बातें पूछना मना हैं...

उज्जैन रनिंग मुख्यालय को मिली नई सौगात

विनय उजाला

उज्जैन, निप्र। विगत बहुत समय से चल रहे उज्जैन रनिंग मुख्यालय की समस्या को अंततः रेल प्रशासन ने समझा और भविष्य में आ रहे सिंहस्थ महाकुंभ 2028 को ध्यान में रखते हुए उज्जैन मुख्यालय की महत्वपूर्ण भूमिका को समझते हुए प्रारंभ हुई ट्रैन नंबर 20155/56 (नईदिल्ली - डॉ. अंबेडकर - नईदिल्ली) की कोटा - डॉ. आंबेडकर नगर - कोटा खण्ड के मध्य का वर्किंग उज्जैन मुख्यालय को दिलवाने हेतु सक्रिय सहयोग किया। सम्पूर्ण उज्जैन रनिंग स्टॉफ में इससे उत्साह, प्रसन्नता प्रसारित हुई एवम सम्पूर्ण उज्जैन रनिंग स्टॉफ ने मुख्यमंत्री मोहन यादव, सांसद अनिल फिरोजिया, विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, सतीश मालवीय को धन्यवाद प्रेषित किया। जिन्होंने रतलाम मण्डल के रेलवे के उच्च अधिकारियों से वार्तालाप कर उज्जैन मुख्यालय के रनिंग स्टॉफ कि समस्याओं और महत्वपूर्ता से अवगत कराया।

मंछामन मल्टी का कार्य समय सीमा में पूर्ण हो - महापौर

विनय उजाला

नागदा जं., निप्र। मंगलवार को नगर निगम मुख्यालय कक्ष में महापौर मुकेश टटवाल द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत मंछामन मल्टी के प्रचलित कार्यों को लेकर निगम अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए निर्देशित किया गया कि आवास योजना अंतर्गत मध्यमवर्गीय परिवारों को अपने स्वयं के आवासों का हस्तांतरण किया जाना है। किसी भी स्थिति में मल्टी निर्माण का कार्य बाधित नहीं होना चाहिए जो समय सीमा निर्धारित की गई है। उसी अवधि में निर्माण कार्य हो ठेकेदार एवं कंसलटेंट को जो समस्याएं हैं उसको वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराते हुए समस्या का निदान किया जाए। संबंधित प्रोजेक्ट में किसी भी अधिकारी की लापरवाही बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

महापौर मुकेश टटवाल द्वारा संबंधित कार्य की जानकारी चाही गई। जिस पर उक्त प्रकरण पत्र पत्रिका उपलब्ध नहीं होने पर निर्देशित किया गई प्रकरण पत्रिका तत्काल प्रस्तुत की जाए। बैठक में एमआईसी सदस्य शिवेंद्र तिवारी, अपर आयुक्त संदीप शिवा, पवन कुमार सिंह, उपायुक्त योगेंद्र पटेल, कार्यपालन यंत्री पीसी यादव उपस्थित रहे।

विक्रम विश्वविद्यालय से जुड़े देशभर के पूर्व छात्र विश्वविद्यालय हित के लिए हर संभव कार्य करने को तत्पर

विद्यार्थियों द्वारा आंध्रप्रदेश के विजयवाड़ा शहर में पूर्व छात्र सम्मेलन का आयोजन

विनय उजाला

उज्जैन, निप्र। विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन की सन् 1956 की स्थापना के साथ ही इसका अकादमिक कार्यक्षेत्र मध्यप्रदेश के अलावा उत्तरप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली के साथ अन्य राज्यों तक फैला हुआ था और अब देश के विभिन्न क्षेत्रों में विक्रम विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा पूर्व छात्र सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं ।ऐसा ही आयोजन आंध्रप्रदेश के विजयवाड़ा में सम्पन्न हुआ जहां विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय में अपने अध्यापन अनुभवों के साथ सांस्कृतिक और साहित्यिक विरासत को साझा किया। विक्रम विश्वविद्यालय के सन 1974-1994के विद्यार्थियों द्वारा आंध्रप्रदेश के विजयवाड़ा शहर में पूर्व छात्र सम्मेलन का आयोजन किया गया। गत कुछ समय से विक्रम विश्वविद्यालय का एल्युमिनी एसोसिएशन काफी सक्रिय गतिविधियों में संलग्न रहा है। इसी श्रृंखला में दिनांक 13 अप्रैल 2025 को आंध्रप्रदेश में रहने वाले और विक्रम विश्वविद्यालय से शिक्षा ग्रहण करने वाले सत्र 1974- 1994 के विद्यार्थियों ने विजयवाड़ा शहर में एलिमिनी मीट का आयोजन किया।

इस आयोजन की जानकारी देते हुए एस जोनलगड्डा (डरबन विश्वविद्यालय, साउथ अफ्रीका) ने बताया कि इस एल्युमिनी मीट का उद्देश्य विक्रम विश्वविद्यालय के पूर्व विद्यार्थियों को एक पटल के नीचे लाना और विश्वविद्यालय के हित के लिए योगदान पर चर्चा करना था। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय से जुड़े पूर्व छात्र विश्वविद्यालय हित के लिए हर संभव कार्य करने को तत्पर है। उन्होंने ये भी बताया कि इस आयोजन में विश्वविद्यालय के 140 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस अवसर पर विक्रम विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर अर्पण भारद्वाज ने विद्यार्थियों की इस पहल का स्वागत करते हुए उन्हें विक्रम विश्वविद्यालय परिसर में आमंत्रित किया, उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के ये अनमोल रतन अपने-अपने क्षेत्र में महारत प्राप्त है और परिसर में इनके आगमन एवं विद्यार्थियों से संवाद स्थापित होने से विद्यार्थियों और विश्वविद्यालय को अत्यधिक लाभ प्राप्त होगा, विद्यार्थी नए प्रकार का अनुभव प्राप्त कर सकेंगे।

अतः विश्वविद्यालय निरंतर अपने पूर्व छात्रों को बुलाकर उनका वर्तमान के विद्यार्थियों के साथ संपर्क करने के लिए सदैव तत्पर रहता है। उन्होंने इस आयोजन पर आयोजकों को बधाई दी एवं उनसे इसे आयोजन की निरंतरता बनाए रखने की अपील की।

जैन संतों के साथ हुई घटना के विरोध में सकल जैन समाज ने सौंपा ज्ञापन

विनय उजाला

उज्जैन, निप्र। सकल जैन समाज उज्जैन की तरफ से पूज्य जैन संतों के साथ जावद विधानसभा क्षेत्र के ग्राम कछला में हुई घटना के विरोध में मुख्यमंत्री के नाम से कलेक्टर कार्यालय में उज्जैन कलेक्टर प्रतिनिधि उद्धव डेरादी को ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन का वाचन सुनील श्रीमाल के द्वारा किया गया। इस घटना से सकल जैन समाज और सर्व समाज में घोर आक्रोश व्याप्त है। ज्ञापन मे मुख्यमंत्री से सकल जैन समाज ने निवेदन किया कि उक्त घटना को लेकर निष्पक्ष जांच प्रशासन करवा कर जो भी इस घटना के अपराधी हे उन पर कठोर कानूनी कार्यवाही करे। जिससे भविष्य में इस प्रकार की घटनाओ पर अंकुश लग सके। साथ ही यह भी मांग कि है कि, राष्ट्र की धरोहर इन जैन संतो के विहार के समय स्थानीय प्रशासन सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित करने का कष्ट करें ।

ज्ञापन लेने के बाद कलेक्टर प्रतिनिधि उद्धव डेराडी ने कहा कि सभी हिंदू धर्म को इसमें सहयोगी होना चाहिए और में निवेदन करुंगा कि जल्द से जल्द ये ज्ञापन माननीय मुख्यमंत्री को पहुंचा दिया जाए व इस पर कार्यवाही हो। पी आर ओ संदीप जैन ने बताया कि ज्ञापन में उज्जैन के सभी श्वेताम्बर जैन स्थानकवासी श्री संघ, दिगंबर समाज श्री संघ, श्वेतांबर समाज मंदिर मार्गीय श्री संघ, समस्त जैन सोशल ग्रुप सहित सभी सामाजिक / धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधि सम्मिलित थे।

महापौर टटवाल ने गऊघाट ट्रीटमेंट प्लांट के पानी की गुणवत्ता की जांच की

विनय उजाला

उज्जैन, निप्र। शहर में मंगलवार से एक दिन छोड़कर जल प्रदाय किया जा रहा है। जिसके क्रम में मंगलवार को दक्षिण क्षेत्र में जल प्रदाय किया गया। बुधवार को उत्तर क्षेत्र में प्रात: 7:30 से 8:30 तक पूर्ण क्षमता के साथ जल प्रदाय किया जाएगा। जिसके क्रम में मंगलवार को महापौर मुकेश टटवाल द्वारा जल कार्य समिति के प्रभारी प्रकाश शर्मा एवं पीएचई के अधिकारियों के साथ गऊघाट ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण किया जाकर पानी की गुणवत्ता की जांच की गई।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त मनोज मौर्य द्वारा जानकारी देते हुए अवगत करवाया गया कि गऊघाट प्लांट पर तीनों प्लांट सुचारू रूप से कार्य कर रहे हैं। साथ ही पानी की टंकियां पूर्ण क्षमता के साथ भरी गई है। जिससे पूर्ण क्षमता के साथ जल प्रदाय किया जाएगा। बुधवार को उत्तर क्षेत्र में जलप्रदाय किया जाएगा। साथ ही जोन अनुसार पीएचई विभाग के अधिकारियों को नियुक्त किया गया है जो जलप्रदाय के समय अपने-अपने जोन अंतर्गत भ्रमण करते हुए पानी सप्लाई के दौरान आ रही समस्याओं का निराकरण करेंगे।

जल प्रदाय के दौरान विद्युत व्यवस्था बाधित ना हो : गर्मी के समय को ध्यान में रखते हुए शहर में जल प्रदाय व्यवस्था अन्तर्गत दिनांक 15 अप्रैल मंगलवार से एक दिन छोड़कर जल प्रदाय किया जा रहा है। जिसमें मंगलवार को दक्षिण क्षेत्र में जल प्रदाय किया गया। इसी प्रकार 16 अप्रैल बुधवार को उत्तर क्षेत्र में जल प्रदाय किया जाएगा। यह व्यवस्थाएं इसी प्रकार जल प्रदाय के दौरान रहेगी। उक्त व्यवस्था अंतर्गत कई जगह सप्लाई के दौरान शिकायत प्राप्त हुई है कि शहर में जल प्रदाय के दौरान विद्युत व्यवस्था बाधित होती है। जिससे कई क्षेत्रों में पानी नहीं पहुंच पाता है जिसके कारण शहरवासियों को पेयजल समस्या उत्पन्न होती है। महापौर मुकेश टटवाल द्वारा बिजली विभाग के मुख्य अभियंता को पत्र लिखते हुए कहा कि जल प्रदाय व्यवस्था के दौरान बिजली व्यवस्था बाधित न हो एवं जो समय जलप्रदाय के दौरान निर्धारित किया गया है। जिसमें दक्षिण क्षेत्र में प्रात: 5:30 से 6:30 बजे एवं उत्तर क्षेत्र में प्रात: 7:30 से 8:30 तक बिजली व्यवस्था निर्बाध रूप् से की जाए ताकि जलप्रदाय के दौरान किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न न होने पाए। इसी के साथ गंभीर बांध और गऊ घाट प्लांट पर भी बिजली व्यवस्था निर्बाध रूप् से जारी रहे ताकि शहर की पेयजल टंकियां पूर्ण क्षमता के साथ भरी जा सके।

संक्षिप्त समाचार

गर्मी की दस्तक के साथ ही मटके, सुराही की बढ़ी मांग

हरदा, (हि.स.)। गर्मी की दस्तक के साथ ही शहर में मटकी और सुराहियों की दुकानें सज चुकी हैं। इसके साथ मिट्टी की बोतलें बेची जा रही हैं जोकि सहज ही अपनी और लोगों का ध्यान खींच रही हैं। विक्रेताओं ने बताया कि इसकी कीमत ज्यादा है, पर लोग इसे ज्यादा पसंद कर रहे हैं। गर्मी के मौसम आते ही जिले के अनेक स्थानों में मिट्टी से तैयार मटके, सुराही की बिक्री होने लगती है। इस बार पहली बार राजस्थानी मिट्टी शिल्पकारों को सामग्री बाजार में पहुंच चुकी है। इसमे मिट्टी से बनी बोतल शामिल हैं। दरअसल, परंपरागत आकार से हटकर इस बार सुराही आकर्षक सुराहियां नजर आ रही हैं। इसमें नल और बिना नल वालों सुराहियां दोनों मिल रही हैं। वहीं बीते बरस की अपेक्षा सुराही की मांग बराबर बनी हुई है। इसका कारण यह है कि कई लोग मटके का पानी पीना पसंद करते हैं। साथ ही अक्षय तृतीया के दिन दान, पुण्य करने से इसकी खरीददारी होती है। इस संबंध में मटके विक्रेताओं का कहना है कि माह मई, जून में गर्मी की तपिस बढ़ने के साथ ही मटकी, सुराही की मांग बढ़ने की संभावना है। गर्मी और तेज धूप के पूर्वानुमान को देखते हुए मटके निर्माण के साथ भंडारण पर भी ध्यान दिया जा रहा है, ताकि मांग के अनुरूप उपलब्धता बनी रहे।

नवागत कलेक्टर आदित्य सिंह ने किया पदभार ग्रहण

अशोकनगर, (हि.स.)। नवागत कलेक्टर आदित्य सिंह ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचकर 22 वें कलेक्टर के पद पर पदभार ग्रहण किया। नवागत कलेक्टर 2014 बैच के आईएएस अधिकारी है। इसके पूर्व जिला हरदा कलेक्टर के पद पर पदस्थ थे। कलेक्टर आदित्य सिंह जिला गुना में अपर कलेक्टर,भोपाल में स्मार्ट सिटी डेवेलमेंट कार्पोरेशन में सीईओ,जिला पंचायत मंदसौर एवं होशंगाबाद में जिला सीईओ,जतारा एवं निवाडी में एसडीएम के पद पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। नवागत कलेक्टर के अनुसार शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं को धरातल तक पहुंचाने के हर संभव प्रयास किये जायेगें। जिले में पर्यटन को बढावा देने तथा जिले के विकास के लिए नये आयामस्थापित किये जायेगें। इस अवसर पर तत्कालीन कलेक्टर सुभाष कुमार द्विवेदी द्वारा नवागत कलेक्टर आदित्य सिंह का स्वागत कर पदभार सौंपा गया।

ईसाई मिशनरी के मिशन अस्पताल प्रबंधन के नौ लोगों पर प्रकरण दर्ज

दमोह, (हि.स.)। ईसाई मिशनरी द्वारा संचालित मिशन अस्पताल प्रबंधन के नौ लोगों के खिलाफ मंगलवार को सिटी कोतवाली थाने में प्रकरण दर्ज किया गया है। ज्ञात हो कि तथाकथित डाक्टर नरेन्द्र जान केम को लेकर मिशन अस्पताल इस समय चर्चाओं में बना हुआ है। यहां पर कुछ लोगों की मौत होने का आरोप भी लगा है हालांकि प्रकरण इस संबध में अभी नहीं हुआ है। जबकि कूट रचित दस्तावेजों के आधार पर चिकित्सका करने का आरोप डा.नरेन्द्र जान केम पर लगा है वह फिलहाल में पुलिस अभिरक्षा में हैं। वहीं दूसरी तरफ मिशन अस्पताल प्रबंधन पर एक प्रकरण दर्ज किया गया है। मामले को लेकर दमोह के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप मिश्रा ने आज 15 अप्रेल मंगलवार को जानकारी देते हुये बताया कि मिशन अस्पताल में जिस कैथलैब को सील किया गया था जब उसकी जांच मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा गठित दल ने की तो पाया कि कैथलैब का अवैध रूप से संचालन हो रहा था. जिला अस्पताल में पदस्थ डॉक्टर अखिलेश दुबे के फर्जी हस्ताक्षर करके कैथलैब संचालन की अनुमति बनाई गई थी. जिसमें कुछ मरीजों की एंजियोग्राफी एवं एंजियोप्लास्टी करना पाया गया है।

सात दिवसीय मां नर्मदा कथा का सोमवार शाम को हुआ समापन

विनय उजाला

हरसूद, निप्र। नया हरसूद छनेरा में सडियापानी मार्ग पर चल रही सात दिवसीय मां नर्मदा कथा का समापन सोमवार शाम 6 बजे हुआ।

नर्मदा परिक्रमावासियों का किया स्वागत

मां नर्मदा कथा के दौरान पधारे नर्मदा परिक्रमावासियों का बलरामसिंह वासले द्वारा स्वागत किया गया। 8 अप्रैल से चल रही सात दिवसीय मां नर्मदा कथा के अंतिम दिन सोमवार को कथा वाचक पंडित भरत भूषण शास्त्री ने मां नर्मदा की महिमा का वर्णन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जितना भी समय मिले हमें सदगुरू का ध्यान करना चाहिए तथा हमें कभी अपने गुरू के बराबर से नहीं बैठना चाहिए। उन्होंने नर और नारायण में अंतर बताते हुए कहा कि नारायण कभी क्रोध करता नहीं है और नर कभी क्रोध करने से पीछे नहीं हटता है। मां नर्मदा कथा के अंतिम दिन सोमवार को बडी संख्या में श्रद्धालु कथा का श्रवण लाभ लेने पहुंचे थे।

ग्रीन फील्ड स्कूल में संपन्न हुआ रिजल्ट सेरेमनी कार्यक्रम

विनय उजाला

हरसूद, निप्र। नगर की ग्रीनफील्ड पब्लिक हाईस्कूल में रिजल्ट सेरेमनी कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में संस्था अध्यक्ष महेंद्र अग्रवाल द्वारा कक्षा पांचवी बोर्ड में तहसील में प्रथम आई छात्रा शालू पिता मनोज प्रजापत 92.5 प्रतिशत को मेडल पहनाकर प्रतीक चिन्ह भेंट किया।

उसके पश्चात छात्र केशवराज पिता अखिलेश आठवीं बोर्ड में प्रथम स्थान 90 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर प्रतीक चिन्ह वह मेडल पहनाकर हौसला बढ़ाया गया। पांचवीं बोर्ड में नंदिनी संतोष, वर्षा मनीष ग्राम उंडेल, नव्या रितेश, दिव्यांशी कुलदीप, सोहन सतीश, माही किशोर, किरण सुनील तथा आठवीं बोर्ड में शैलेंद्र चंपालाल, सपनील नारायण, रानी जहीर, अनुराधा विजय अग्रवाल, शीतल राजेश ग्राम चारखेड़ा, कपिल सतराम, खुशबू संतोष, तुषार जगदीश ग्राम चारखेड़ा, हर्ष मुकेश चारखेड़ा एवं पायल संतोष को भी मेडल एवं ट्रॉफी प्रदान कर अध्यक्ष द्वारा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। इस दौरान पधारे अभिभावक मनीष मालवीय स्वयं को बच्चों के बीच रोक नहीं पाए एवं मिमिक्री की पेशकश की। उन्होंने तरह-तरह की आवाज जैसे एरोप्लेन, ट्रेन पुलिसवेन एवं पक्षियों की आवाजें निकाल कर बच्चों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के अंत में स्कूल प्राचार्य श्रीमती मीना शामनाणी द्वारा समस्त पधारे अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया। स्कूल संचालक कैलाश शामनाणी द्वारा समस्त मात्र शक्तियों को पुष्प गुच्छ प्रदान किया गया। इस अवसर पर बच्चों ने सफलता का श्रेय प्राचार्य श्रीमती मीना शामनाणी एवं शिक्षिका प्रजापति दिया।

पुलिस के पहरे में हुआ युवक का अंतिम संस्कार

मुरैना, (हि.स.)

हिंगोना खुर्द गांव में सोमवार की रात हुई युवक की हत्या के बाद स्थिति तनावपूर्ण बन गई थी। लेकिन देर रात पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे और लोगों को समझा बुझाकर शव को पीएम हाउस भिजवाया। आज मंगलवार की सुबह पीएम हाउस पर लोगों की भीड़ जुटना प्रारंभ हो गई। मृतक के परिजनों ने शव का पीएम कराने से इंकार कर दिया। उनका कहना था कि हत्यारों को गिरफ्तार कर उनके घरों को तोड़ा जाए। अधिकारियों एवं राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की समझाईश पर ही पीएम हो सका। पीएम हाउस से भीड़ दोपहर 1 बजे के बाद ही हट सकी। इसके बाद शव को हिंगोनाखुर्द गांव में ले जाया गया। जहां पुलिस की मौजूदगी में उसका अंतिम संस्कार हुआ।

उल्लेखनीय है कि हिंगोना खुर्द गांव के कुछ लोग सोमवार को मुरैना शहर में निकले अंबेडकर चल समरोह में शामिल हुए थे। देर शाम को यह लोग वापिस अपने गांव में पहुंचे और तेज आवाज में डीजे बजाने लगे। तेज आवाज में डीजे बजाने का विरोध गांव के ही एक गुर्जर परिवार ने किया। इसी बात को लेकर हिंगोना खुर्द गांव के ही संजय जाटव पुत्र चिम्मन जाटव उम्र 30 साल का विवाद गिर्राज गुर्जर आदि से हो गया। जिसके चलते गिर्राज ने कट्टे से गोली चलाई जो संजय के सिर में लगी। जिससे उसकी मौत हो गई, वहीं रानू जाटव के हाथ में गोली लगने से वह घायल हो गया। इस घटना की जानकारी जैसे ही पुलिस अधिकारियों को हुई तो पुलिस बल मौके पर भेजा गया और मृतक के शव को मुरैना लाने का प्रयास किया। लेकिन परिजनों ने शव को मौके से नहीं उठने दिया।

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने एमपीपीएससी राज्य सेवा परीक्षा 2025 से जुड़े मामले में जारी किए महत्वपूर्ण निर्देश

जबलपुर, (हि.स.)

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने मंगलवार को एमपीपीएससी राज्य सेवा परीक्षा 2025 से जुड़े मामले में महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। कोर्ट ने पूर्व में जारी की गई उस अंतरिम रोक को यथावत रखा है, लेकिन हाई कोर्ट में मौखिक टिप्पणी करते हुए यह आश्वासन भी दे दिया है कि संभवत: मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग की मुख्य परीक्षा तय तारीख पर ही होगी।

चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत और जस्टिस विवेक जैन की डिविजनल ने साफ संकेत दिया है कि जब तक आयोग परीक्षा प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता नहीं अपनाता और अभ्यर्थियों के हितों की रक्षा सुनिश्चित नहीं करता,तब तक इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाना न्यायसंगत नहीं होगा। लेकिन एमपीपीएससी की ओर से इस मामले में स्थगन आदेशहटाने को लेकर कोर्ट ने यह कहा कि अगली सुनवाई 6 मई को है और एमपीपीएससी की मुख्य परीक्षा 9 जून को है, तो अपनी परीक्षा की तैयारियां शुरु रखिए। तो एक तरह से कोर्ट ने क्या संकेत दे दिए हैं कि सरकार और एमपीपीएससी के जवाब देने के बाद एमपीपीएससी के तय किए गए समय पर ही मुख्य परीक्षा होने वाली है। हाईकोर्ट ने पिछली सुनवाई में यह स्पष्ट निर्देश दिया था कि मप्र लोक सेवा आयोग प्रारंभिक परीक्षा के वर्गवार कट-ऑफ अंक सार्वजनिक करे और यह बताए कि किस वर्ग के कितने उम्मीदवारों को किस श्रेणी मेंचयनित किया गया है।

आयोग ने कोर्ट के आदेश पर आज दिनांक 15 अप्रैल को कट-ऑफ मार्क्स एक सीलबंद लिफाफे में प्रस्तुत किए। लेकिन जब अदालत ने लिफाफा खोला, तो यह स्पष्ट हुआ कि इसमें कोई गोपनीय जानकारी नहीं है, जिससे यह सवाल खड़ा हुआ कि इसे लिफाफे में सील करके क्यों पेश किया गया। कोर्ट ने इसे तुरंत सार्वजनिक करने का आदेश दिया और एक प्रति याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ताओं को भी सौंपी जाने के निर्देश दिए। इस घटना से आयोग की कार्यशैली पर प्रश्नचिह्न खड़ा हो गया है,और न्यायालय ने यह संकेत दिया है कि पारदर्शिता के नाम पर कोई समझौता स्वीकार नहीं होगा।

याचिकाकर्ता सुनीत यादव एवं अन्य की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर और विनायक प्रसाद शाह ने कोर्ट के समक्ष यह गंभीर आरोप प्रस्तुत किया कि मप्र लोक सेवा आयोग ने अनारक्षित पदों पर केवल सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों को ही चयनित किया है, जबकि आरक्षित वर्ग के कई मेधावी अभ्यर्थी, जिनके अंक सामान्य वर्ग से अधिक थे।

हिन्दू महासभा का 110वां स्थापना दिवस मनाया

विनय उजाला

हरसूद, निप्र। अखिल भारत हिन्दू महासभा का 110वां स्थापना दिवस श्रद्धा और जोश के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत हिन्दू महासभा के संस्थापक पंडित मदनमोहन मालवीय एवं हिन्दू राष्ट्रवाद के अग्रदूत वीर सावरकर के चित्रों पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से हुई। हिन्दू युवक महासभा के प्रदेश अध्यक्ष वीरसिंह राजपूत ने बताया कि हरसूद में आयोजित कार्यक्रम में हिन्दू महासभा के जिला संगठन मंत्री पंडित जीतू दुबे, युवक महासभा के जिला अध्यक्ष संदीप मंडलोई, जिला मंत्री सुभाषचंद्र सिटोले, मंडल अध्यक्ष देवेन्द्र राजपूत एवं चिन्मय बापूजी की उपस्थित रहे। कार्यक्रम में वक्ताओं ने हिन्दू महासभा की ऐतिहासिक भूमिका और विचारधारा को रेखांकित करते हुए युवाओं से संगठन से जुड़कर राष्ट्रसेवा में भागीदारी की अपील की।

धूमधाम से मनाया पाम संडे

विनय उजाला

हरसूद, निप्र। मेथोडिस्ट चर्च छनेरा के सदस्यों द्वारा पाम संडे की आराधना को बड़े धूमधाम के साथ चर्च भवन में मनाया गया।

इस उपलक्ष्य में मसीही समाज द्वारा पाम संडे की रैली चर्च भवन गेट से आराधना भवन तक पाम संडे पर आधारित गीतों को गाकर निकाली गई। इस अवसर पर मेथोडिस्ट चर्च छनेरा के समस्त पदाधिकारी उपस्थित रहे। चर्च आराधना का संचालन प्रचार कमेटी अध्यक्षा श्रीमती एंजेलिनासिंह द्वारा किया गया। खजूर के रविवार का महत्व बताते हुए विकास जॉर्ज द्वारा वचन पर प्रकाश डाला गया।

इस मौके पर चर्च खजांची नितेशसिंह, चर्च सचिव श्रीमती रीता रावजी, विजयासिंह, प्रचार कमेटी एवं महिला सभा अध्यक्षा श्रीमती एंजेलिना सिंह, नवनीत पॉल, श्रीमती शालिनी पाल, प्रतीक रावजी, कुमारी ग्लोरीसिंह, श्रीमती सृष्टि जॉर्ज, श्रीमती स्टेला मसीह एवं समस्त मेथोडिस्ट चर्च छनेरा के सदस्य उपस्थित रहे।

मासूम बच्चियों से अश्लील हरकतें करते हुए दो युवकों को ग्रामीणों ने पकड़ा

राजगढ़, (हि.स.)। लीमाचैहान थाना क्षेत्र के ग्राम देवलीमान जागीर में जीजा के यहां शादी में मेहमानी करने आए दो युवक दो मासूम बच्चियों को चॉकलेट देने का बहाना लेकर जंगल में ले गए, जहां वह मासूम बच्चियों के साथ अश्लील हरकतें करने लगे तभी ग्रामीणों ने उन्हें पकड़ा और पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने मंगलवार को आरोपितों को अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेजा। पुलिस के अनुसार ग्राम सुकली थाना बोड़ा निवासी देवकरण (24) पुत्र हेमचंद सेन और नरेन्द्र (23) पुत्र गोकुलप्रसाद सेन निवासी बाबल्दा थाना पचोर अपने रिश्ते के जीजा के परिवार में शादी में शामिल होने देवलीमान जागीर गांव पहुंचे थे, जहां बीती शाम वह घर के सामने खेल रही 5 और 6 साल की मासूम बच्चियों को चॉकलेट देने का बहाना लेकर गांव के जंगल में ले गए।

नया हरसूद-छनेरा में हर्षोल्लास से मनाई भारत रत्न डॉ भीमराव आंबेडकर की जयंती

जिला पंचायत उपाध्यक्ष दिव्यदित्य शाह शोभा यात्रा में हुए शामिल

विनय उजाला

हरसूद, निप्र। सोमवार को नया हरसूद-छनेरा में भारत रत्न डॉ भीमराव आंबेडकर की जयंती हर्षोल्लास से मनाई गई। इस अवसर पर सोमवार दोपहर साढे 12 बजे के लगभग संत बुखारदास बाबा मंदिर छनेरा से शोभा यात्रा निकाली गई। शोभा यात्रा में जिला पंचायत उपाध्यक्ष दिव्यदित्य शाह भी शामिल हुए। शोभा यात्रा महाराणा प्रताप चौक, फीलगुड चौराहा, भगवान परशुराम चौराहा, घोषी मोहल्ला चौराहा से होते हुए नया हरसूद स्थित सिटी पार्क पहुंची। जहां पर शोभा यात्रा का समापन हुआ। शोभा यात्रा का नया हरसूद-छनेरा में अनेक स्थानों पर जोरदार स्वागत किया गया।

बाजार भाव

इंदौर मंडी

बाज़ार में मूंगफली तेल तेज

इंदौर (व्यापार प्रतिनिधि)। छावनी व्यापारिक मंडी (प्रति क्विंटल) - चना कांटा 5900 - 6000 विशाल चना 5800 - 5850 डंकी चना 5600 - 5650 मसूर 6100 - 6150 नई 6000 मूंग एवरेज 7200 - 7700 मूंग (गर्मी का) 8000 - 8200 उड़द (गर्मी) बेस्ट - 8300 - 8800 एवरेज मीडियम उड़द 6500 - 7800 हल्की उड़द 3000 - 5000 रुपए।

तिलहन - (प्रति क्विंटल)- सोयाबीन 4375 - 4400 सरसों निमाड़ी बारीक 5800 - 5850

एवरेज बारीक 5000 - 5005 रुपए।

दाल भाव (प्रति क्विंटल) - तुअर दाल फूल 11000 - 11200 तुअर दाल सवा नंबर 10800 - 11000 चना दाल 8100 - 8200 एक्स्ट्रा बोल्ड 9100 मसूर दाल 7500 - 7550 मूंग दाल 9200 - 9400 मूंग मोगर 9600 - 9700 उड़द दाल 12500 - 13000 उड़द मोगर 12500 - 13000 रुपए।

तेल बाजार (प्रति 10 किलो) - मूंगफली तेल इंदौर 1470 - 1480 मुबंई 1520 - 1525 गुजरात 1485 - 1490 सोया रिफाइंड तेल इंदौर 1315 - 1320 सोया सॉल्वेंट 1255 - 1270 इंदौर पाम ऑइल 1425 - 1430 रुपए।

मावा - 320 रुपए किलो।

इंदौर सराफा बाजार -
सोना 10 ग्राम 89800 रुपए।
चाँदी 100000 रुपए किलो।
चाँदी सिक्का 1100 रुपये प्रति नग।
सोना 3025 डॉलर प्रति औंस
चाँदी 3343 सेंट प्रति औंस

संक्षिप्त समाचार

जनसुनवाई का आयोजन हुआ

अलीराजपुर, निप्र। प्रति मंगलवार की तरह आज भी जनसुनवाई का आयोजन डिप्टी कलेक्टर सुश्री निधि मिश्रा की अध्यक्षता में जनसुनवाई कक्ष में किया गया। इस जनसुनवाई में ज्ञान सिंह पिता पातलिया बामनिया ग्राम-लील उमरी, तहसील-चन्द्रशेखर आजाद नगर ने आवेदन दिया कि हमारे फलिये में 10 ये अधिक घर है जहाँ 100 से अधिक ग्रामीण निवास करते है । हमारे गांव में एक कुआं है वो भी अभी से सूख चुका है , ग्रीष्म काल के समय हमें करीब 2 किलोमीटर दूर से पेयजल एवं दैनिक उपयोग के लिये पानी लाना पड़ता है जिसके कारण काफी समस्या का सामना करना पडता है ।हमारे फलिये में नवीन हैण्ड पंप खनन कराया जाए । इस आवेदन को डिप्टी कलेक्टर सुश्री निधि मिश्रा ने जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश पीएचई विभाग को दिए ।इसी तरह बिजली बिल, फीस भुगतान, आवास योजना, हैण्ड पम्प की सफाई करवाने, अतिक्रमण, जमीन विवाद, से संबंधित कुल 12 आवेदन पत्र प्राप्त किए गए । इस दौरान समस्त विभाग के प्रमुख एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

सभी को प्रण लेकर आगामी सितम्बर 2025 तक

उक्त असाक्षर छात्रों को शिक्षा से जोड़ने का प्रयास करें : कलेक्टर

विनय उजाला

अलीराजपुर, निप्र। कलेक्टर डॉ. अभय अरविंद बेडेकर की अध्यक्षता में जिला शिक्षा विभाग की योजनाओं क्रियान्वयन एवं अन्य के संबंध में समीक्षा बैठक का आयोजन कलेक्टर सभा कक्ष में किया गया ।इस दौरान जिले के जिले समस्त बीईओ एवं बी आर सी सहित समस्त हाई सेकेंडरी एवं हाई स्कूल के प्राचार्य भी उपस्थित थे । इस दौरान जिला शिक्षा अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले की समस्त शासकीय विद्यालयों में अकादमिक नवीन सत्र प्रारंभ किया जा चुका है। समस्त विद्यालयों के प्राचार्य को आपार आई डी , पाठ्य पुस्तक वितरण, नवभारत साक्षरता सर्वे , छात्रवृत्ति आदि कार्यों के लिए समस्त बीईओ , बीआरसी एवं प्राचार्य को निर्देशित किया गया ।

इस दौरान कलेक्टर डॉ बेडेकर ने आपार आईडी की समीक्षा करते हुए कहा शासन की मंशा अनुरूप प्रत्येक छात्र की आपार आईडी बनाने का कार्य काफी महत्वपूर्ण है , यह उनके शैक्षणिक इतिहास, मार्कशीट, डिग्री, और अन्य प्रमाण पत्रों को डिजिटल रूप से संग्रहीत करने और प्रबंधित करने में मदद करता है , और उनके शैक्षणिक रिकॉर्ड को सुरक्षित और आसानी से उपलब्ध किया जा सकेगा ।इस आई डी के माध्यम से कोई भी छात्रों को छात्रवृत्ति और शिक्षा ऋण के लिए आवेदन करने में भी मदद मिलेगी ।इस अत्यधिक महत्वपूर्ण कार्य में भी आप लोगो द्वारा लापरवाही बरती जा रही है जो कि चिंता का विषय है ।इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जिन प्राचार्यों की प्रगति 60 प्रतिशत से कम है उन्हें शोकाज नोटिस जारी करें ।

इस दौरान उन्होंने विगत वर्ष की छात्रवृत्ति योजना की समीक्षा करते हुए कहा कि विगत वर्ष असफल बैंक खाते या अन्य किसी कारण से जिले के 2029 छात्र छात्राएं छात्रवृत्ति से वंचित हो गए ।उक्त छात्रों का डाटा तैयार कर आगामी 30 अप्रैल 2025 तक सभी वंचित छात्रों की छात्रवृत्ति वितरण करना सुनिश्चित करें । इस दौरान उन्होंने समस्त अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि आगामी दिवस में पाठ्य पुस्तक वितरण का कार्य शत प्रतिशत होना चाहिए । इस दौरान उन्होंने मथवाड पीएम श्री स्कूल के प्राचार्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि उक्त विद्यालय से प्रेरणा लेकर जिले के समस्त पीएम श्री स्कूल में इसी तरह के पुस्तकालय एवं लैब का निर्माण किया जाए । इस दौरान उन्होंने उल्लास नवभारत साक्षरता अंतर्गत अभियान की समीक्षा करते हुए कहा कि जिले में 1 लाख 29 हजार असाक्षर छात्र है , जिसके कारण जिलों को शिक्षा के क्षेत्र में सबसे पिछड़ा जिला घोषित किया गया है , इस दाग को हटाने के लिए हम सभी को प्रण लेकर आगामी सितम्बर 2025 तक उक्त असाक्षर छात्रों को चिह्नित कर शिक्षा से जोड़ने का प्रयास करना है । ताकि आगामी सर्वे के पूर्व हमारा जिला भी साक्षरता की श्रेणी में एक उचित स्थान प्राप्त कर सके । इस कार्य को पूर्ण करने पर जिला प्रशासन द्वारा जिला स्तर पर सम्मानित किया जाएगा ।

इस दौरान विगत वर्ष की छात्रवृत्ति वितरण में लापरवाही बरतने पर अलीराजपुर , कट्ठीवाड़ा एवं चंद्रशेखर आजाद नगर के ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों को शोकॉज नोटिस जारी करने के निर्देश दिए ।साथ ही जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया गया कि आगामी 30 अप्रैल तक विगत वर्ष की छात्रवृत्ति वितरण नहीं होने की स्थिति में संबंधित के खिलाफ निलंबन की कार्यवाही करें ।

जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण धार करेगा औद्योगिक आपदा पर मॉक ड्रिल, जनता से सहयोग की अपील

विनय उजाला

धार, निप्र। धार जिले में आपदा प्रबंधन की तैयारियों को परखने और आम नागरिकों को जागरूक करने के उद्देश्य से एक अहम मॉक ड्रिल का आयोजन किया जा रहा है। यह मॉक ड्रिल रासायनिक औद्योगिक आपदा के परिप्रेक्ष्य में आयोजित होगी। यह अभ्यास 17 अप्रैल 2025, गुरुवार को सुबह 9.30 बजे बीपीसीएल पीथमपुर एलपीजी प्लांट, खेड़ा औद्योगिक क्षेत्र, धार में किया जाएगा। इस आयोजन में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (नई दिल्ली), मध्यप्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (भोपाल) और जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (धार) संयुक्त रूप से भाग ले रहे हैं। प्रशासन ने जनता को किया आगाह ङ्क घबराएं नहीं, यह केवल अभ्यास है प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह केवल एक प्रशिक्षण प्रक्रिया है और घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है। जनता से अपील की गई है कि वे अफवाहों से बचें, शांत रहें और प्रशासन के निर्देशों का पालन करें।

नागरिकों के लिए दिशा-निर्देश

- » अभ्यास के दौरान घबराएं नहीं, शांति बनाए रखें।
- » क्षेत्र में प्रशासन के निर्देशों का पालन करें।
- » किसी भी प्रकार की अफवाह न फैलाएं और दूसरों को सही जानकारी दें।
- » असुविधा होने पर तुरंत निकटतम प्रशासनिक अधिकारी से संपर्क करें। प्रशासन ने नागरिकों से इस मॉक ड्रिल में पूरा सहयोग देने का आग्रह किया है, जिससे कि आपदा प्रबंधन प्रणाली को और बेहतर किया जा सके।

मार्च माह एवं 50 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों का तुरंत निराकरण करें

शियकतों का निराकरण नहीं होने पर शिकायत के मान से रेडक्रास सोसायटी में जमा करनी होगी राशि : कलेक्टर

विनय उजाला

अलीराजपुर, निप्र। कलेक्टर डॉ अभय अरविंद बेडेकर की अध्यक्षता में समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक का आयोजन कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में किया गया । इस दौरान कलेक्टर डॉ. बेडेकर ने राजस्व विभाग, जनजातीय कार्य विभाग आदि विभागों की एवं जन कल्याण अभियान के कार्यों की समीक्षा की ।

इस दौरान समीक्षा करते हुए कलेक्टर डॉ बेडेकर ने कहा कि मार्च 2025 एवं 50 दिवस से अधिक की लगभग 134 शिकायत लंबित है, कई शिकायत ऐसी भी है जिसमें शिकायतकर्ता द्वारा सहयोग नहीं दी जा रहा , जो शिकायत सिविल कोर्ट में प्रचलित है ऐसी आदि प्रकार की शिकायतों को तुरंत फोरक्लोज्ड करें ।इसके पश्चात शेष शिकायतों का तुरंत निराकरण कर मुख्यालयों को 2 दिवस के भीतर प्रतिवेदन उपलब्ध कराए ।

इस दौरान उन्होंने समस्त विभाग प्रमुखों को निर्देशित करते हुए कहा कि माह मार्च एवं 50 दिवस से अधिक शेष शिकायतों का निराकरण नहीं करने की स्थिति मे 250 रुपये प्रत्येक शिकायत के मान से रेडक्रॉस सोसायटी में राशि जमा करना होगी ।

इस दौरान उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि जिला चिकित्सालय या अन्य किसी भी चिकित्सालय में विद्युत वितरण बाध्य नहीं होना चाहिए ।सर्वप्रथम विद्युत वितरण संबंधित रखरखाव का कार्य चिकित्सालय में करें । साथ ही आम्बुआ स्थित संदीपनी स्कूल (सीएम राइस स्कूल) में विद्युत कनेक्शन का कार्य जल्द पूर्ण करें । जिले में विद्युत आपूर्ति पर विशेष ध्यान देवे।

इस दौरान उन्होंने नगर पालिका अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि चिकित्सालय एवं शहरी क्षेत्र में पेयजल से संबंधित शिकायत प्राप्त नहीं होना चाहिए नियमित रूप से पेयजल का वितरण हो यह सुनिश्चित करें । उन्होने नगर पालिका अधिकारी अलीराजपुर को निर्देशित करते हुए कहा मुख्यालय पर स्थित सुकड नदी के तट के आस पास अतिक्रमण की सूचना प्राप्त हो रही है उसकी जॉच करें , अतिक्रमण की स्थिति मे संबंधित पटवारी एवं पुलिस बल के साथ मौके पर पट का सीमांकन कर अवैध अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ आवश्यक कार्यवाही की जाये व अतिक्रमण मुक्त करें इस कार्य को प्राथमिकता से पूर्ण करें। इस दौरान खाद्य विभाग की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि जिले के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रति दिवस 5 हजार से अधिक ई-केवाईसी कराना अनिवार्य है किन्तु विगत दिनों में मात्र 1 हजार से अधिक ई-केवाईसी हो रही है , इस प्रकार की गति से काफी हितग्राहि राशन से वंचित हो सकते है ।धीमी गति से कार्य करने वाले उचित मूल्य दुकान विक्रेताओं के खिलाफ कार्यवाही कर शत प्रतिशत ई-केवाईसी करें ।

इस दौरान उन्होंने समस्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जल गंगा संवर्धन से संबंधित कार्य की प्रगति की जानकारी प्रति दिवस मुख्यालय को अवगत कराए , विगत वर्ष के लंबित जल गंगा संवर्धन से संबंधित कार्य को भी कार्य योजना में शामिल कर पूर्ण करने के निर्देश दिए ।इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री प्रखर सिंह , अनुविभागीय अधिकारी जोबट श्री अर्थ जैन , अपर कलेक्टर श्री वीरेंद्र सिंह बघेल , संयुक्त कलेक्टर सुश्री प्रियांशी भंवर , अनुविभागीय अधिकारी श्री एसआर यादव , डिप्टी कलेक्टर श्री जीपी अग्रवाल, सुश्री निधि मिश्रा सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित

विनय उजाला

अलीराजपुर, निप्र। सुप्रीम कोर्ट द्वारा मोटरयान अधिनियम 1988 के अतंर्गत सड़क दुर्घटनाओं की मॉनिटरिंग करने एवं सड़क सुरक्षा को बेहतर बनाने के लिए गठित जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की मासिक बैठक कलेक्टर डॉ अभय अरविंद बेडेकर एवं पुलिस अधीक्षक श्री राजेश व्यास की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक में जिले में ओवरलोडिंग की समस्या, अत्यधिक दुर्घटना ब्लैक स्पॉट, पार्किग समस्या, सड़क संकेतक की उपलब्धता के विषय आदि विषयों पर चर्चा की गई ।जिससे दुर्घटनाओं को कम किया जा सके।

शहर में अतिक्रमण की समस्या से होने यातायात की समीक्षा करते हुए पुलिस अधीक्षक श्री राजेश व्यास ने कहां लगातार शहर में हो रहे अतिक्रमण के खिलाफ कार्यवाही आगामी दिनों में भी जारी रहेगी ।मुख्यालयों के सभी प्रमुख मार्ग को अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए पुलिस विभाग के साथ साथ राजस्व अमले को शामिल कर कार्यवाही की जाएगी ।इस दौरान कलेक्टर डॉ बेडेकर ने निर्देशित करते हुए कहा कि जिले में ओवरलोडिंग गाड़ियों के कारण काफी दुर्घटना हो रही है ।इस पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाने के लिए उक्त वाहन मालिक के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही करें साथ ही संबंधित वाहन मालिकों को समझाइश दे कि यात्रियों को वाहन के अंदर ही बैठाया जाए ।वाहन के साइड में लटकने एवं छुलने वाले यात्रियों के खिलाफ भी कार्यवाही करें ।

कलेक्टर डॉ. बेडेकर एवं पुलिस अधीक्षक श्री व्यास ने सोरवा एवं चांदपुर रोड पर वाहनों की गति को धीमा करने एवं दुर्घटना की संभावना को कम करने के उद्देश्य से स्पीड ब्रेकर बनाने के निर्देश दिए ।

भाजपा धार जिला ग्रामीण कार्यालय पर डॉ. भीमराव अंबेडकर की जन्म जयंती पर हुआ कार्यक्रम

बाबा साहब ने जीवन भर सामाजिक न्याय समानता और मानव गरिमा के लिए संघर्ष किया : जिलाध्यक्ष चंचल पाटीदार

विनय उजाला

मनावर, निप्र। भारतीय जनता पार्टी धार ग्रामीण जिला कार्यालय पर संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकरजी की जयंती के अवसर पर प्रबुद्ध जनों की विचार संगोष्ठी कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी धार ग्रामीण जिलाध्यक्ष चंचल पाटीदार ने अपने विचार व्यक्त कहा कि बाबा साहेब ने जीवनभर सामाजिक न्याय, समानता और मानव गरिमा के लिए संघर्ष किया उन्होंने भारत के संविधान की रचना कर उस नींव को भी सुदृढ़ किया, जिस पर आज आधुनिक भारत खड़ा है। उनका चिंतन और विचार आज भी प्रत्येक वर्ग, समुदाय और व्यक्ति को आत्मसम्मान, अधिकार और अवसर प्राप्त करने की प्रेरणा देता है। उक्त विचार गोष्ठी भाजपा धार जिला ग्रामीण कार्यालय में डॉ भीमराव अंबेडकरजी की जयंती के अवसर पर कार्यक्रम संपन्न हुआ।

इस अवसर पर मंचासीन अतिथियों द्वारा डॉक्टर भीमराव अंबेडकरजी का चित्र पर माल्यार्पण कार्यक्रम का शुभारंभ किया इस विचार गोष्ठी में मंचासीन अतिथि भाजपा धार ग्रामीण जिलाध्यक्ष चंचल पाटीदार , डॉ. सचिन शिंदे, डॉ. हिमांशु गोखले, मुकेश बागेश्वर, जितेंद्र सोलंकी ने भी संविधान निर्माता डॉ भीमराव अंबेडकर के जीवन के वृतांत बताते हुए अपने विचार व्यक्त किए इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक राधेश्याम मुकाती भी मंचासीन रहे इस विचार गोष्ठी के अवसर पर बालक. उर्वीश धीरज बालेश्वर डॉ. भीमराव अंबेडकरजजी भूमिका में नजर आए जिसे भाजपा जिलाध्यक्षजी द्वारा पुष्प माला पहनकर सम्मान किया

इस विचार गोष्ठी के अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष अजयजी पाटीदार , वरिष्ठ भाजपा उपाध्यक्ष रामेश्वर पाटीदार , रमेश अगल्चा (वकील साहब) , सदाशिव बरफा ,पार्षद लोकेश मुकाती, मोहन आर्य. रामकिशोर शर्मा , रमेश सोलंकी , विकास सोलंकी एवं सभी मंडल अध्यक्ष गण कार्यक्रम में उपस्थित थे इस कार्यक्रम का संचालन. आशुतोष सोनी ने किया आभार.सुमित सोलंकी ने किया... !

जनसुनवाई में आए कुल 53 आवेदन आए

विनय उजाला

धार, निप्र। सीईओ जिला पंचायत अभिषेक चौधरी ने मंगलवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के निराकरण के लिए निर्देश दिए। इस दौरान एडीएम अष्विनी कुमार रावत, एसडीएम रोशनी पाटीदार ने भी आवेदकों की समस्याओं को सुना। इस जनसुनवाई में कुल 53 आवेदन प्राप्त हुए। इस जनसुनवाई में प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने, अतिक्रमण हटाने, अवैध कब्जा हटवाने, मुख्यमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने, बिजली बिल माफ करने, आर्थिक सहायता का लाभ दिलाने, समयामान वेतन एरिया राशि का भुगतान करवाने इत्यादि संबंधी आवेदन प्राप्त हुए।

भारत सरकार की आरएएमपी योजना के संबंध में कार्यशाला 16 अप्रैल को

विनय उजाला

धार, निप्र। धार, निप्र। महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र ने बताया कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग म.प्र. शासन के अंतर्गत भारत सरकार की आरएएमपी योजना को प्रदेश में कियान्वित किये जाने के लिये म.प्र. लघु उद्योग निगम नोडल एजेंसी के सहयोग से एक दिवसीय वर्कशॉप 16 अप्रैल को जिला पंचायत सभागृह में प्रातः 11 बजे से आयोजित होगी। उक्त वर्कशॉप में धार जिले की समस्त एमएसएमई इकाईयां का वर्कशॉप में उपस्थित होने हेतु आमंत्रित किया है। उक्त वर्कशॉप निःशुल्क है, जिसमें एमएसएमई इकाईयों को भारत शासन की आरएएमपी योजना एवं स्टार्टअप स्कीम एवं एमएसएमई प्रोत्साहन योजना 2025 एवं म.प्र. भूमि, भवन, प्रबंधन नियम 2025 एवं अन्य योजनाओं के संबंध में अवगत कराया जायेगा।

आवेदन 25 अप्रैल तक आमंत्रित

धार, निप्र। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय गरडावद के प्राचार्य ने बताया कि (सीबीएसई सम्बद्ध) में सत्र 2025-2026 के लिए रिक्त सीटों के विरुद्ध कक्षा सातवीं, आठवीं एवं कक्षा नवमीं में प्रवेश हेतु (केवल अनुसूचित जनजाति के छात्र-छात्राओं हेतु विद्यार्थियों की सूची (पैनल) तैयार की जानी है। इन सभी कक्षाओं में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा (श्वस्र्क्रस्स्ञ्) का आयोजन 28 अप्रैल को प्रातः 10 बजे किया जायेगा। विद्यार्थियों का चयन प्रवेश परीक्षा की मेरिट के आधार पर होगा। प्रवेश परीक्षा हेतु आवेदन पत्र विद्यालय से प्रातः 10बजे से दोपहर 3 तक प्राप्त किया जा सकता है।

प्राइवेट टूर्स से हज पर जाने वालों को झटका

सऊदी अरब ने 80 फीसदी कटौती की

विनय उजाला

डही, निप्र। जिले सहित देश प्रदेश से प्राइवेट टूर्स के माध्यम से हज पर जाने वाले हज यात्रियों के लिए सऊदी अरब की सरकार ने बड़ा झटका दिया है। इनके कोटे में 80 फीसदी तक की कटौती कर दी गई है। जबकि प्राइवेट टूर्स से जाने वाले हज यात्रियों ने अपने पैसे भी भर दिए हैं। साथ ही जाने की सारी तैयारी भी कर ली है। ऐसे में बड़ी संख्या में जहां वे हज के मुकद्दस सफर पर नहीं जा सकेंगे, वहीं उनका पैसा भी फंस गया है।

हज मामलों के जानकारी डही के इरफान मंसूरी ने बताया कि प्राइवेट टूर्स से हज पर जाने वाले यात्रियों के लिए सऊदी सरकार की तरफ से बुरी खबर आई है। पहली बार उनके कोटे में इतने बड़े पैमाने पर यानी 80 फीसदी तक कटौती कर दी गई है। ऐसे में यदि सऊदी अरब सरकार ने अपना निर्णय जल्द ही वापस नहीं लिया तो 80 फीसदी यात्री प्रभावित होंगे। उन्होंने बताया कि पूरे देश में निजी हज आयोजकों को 53 हजार का कोटा मिला है। प्राइवेट टूर्स से हज पर जाने की इच्छा जताते हुए इतने लोगों ने फॉर्म, पासपोर्ट और अपनी रकम संबंधित एजेंसी को जमा करा दी है। ऐसे वक्त पर उनके साथ बड़े पैमाने पर कटौती करना सही नहीं है। श्री मंसूरी ने बताया कि हालांकि खुशी की बात यह भी है कि भारतीय हज कमेटी के माध्यम से जाने वाले हज यात्रियों के लिए तो सऊदी अरब सरकार ने अब तक का सबसे ज्यादा कोटा दिया है। 29 अप्रैल से 31 मई के दौरान पौने दो लाख हज यात्री भारतीय हज कमेटी के माध्यम से हज पर जा रहे हैं। लेकिन प्रायवेट टूर्स के कोटे में अचानक 80 फीसदी तक कटौती ने आवेदन और रकम जमा करने वाले लोगों को चिंता में डाल दिया है। ऐसे में प्रायवेट टूर्स हज आवेदकों ने भारत सरकार से मांग की है कि वे सऊदी सरकार से बात कर मामला सुलझाएं।

क्या फर्क है हज कमेटी और प्राइवेट टूर्स से हज में : इस बारे में श्री मंसूरी ने बताया कि भारतीय हज कमेटी के माध्यम से जो यात्री हज करने जाते हैं। वहां हाजियों के लिए बिल्डिंग होते हैं। जहां उन्हें रहने और ठहरने की व्यवस्था दी जाती है। साथ ही इन बिल्डिंग में हज यात्री अपने साथ ले जाने वाली सामग्री से खाना भी बनाते हैं। हालांकि हज कमेटी के बिल्डिंग मक्का और मदीना में काफी दूर होते हैं। जहां से हज यात्रियों को अपने पवित्र धार्मिक स्थल तक आने के लिए 10 किमी तक का सफर करना पड़ता है। हज कमेटी के माध्यम से जाने वाले प्रति हज यात्रियों को 4 लाख रुपए तक का खर्चा आता है। वहीं प्राइवेट टूर्स से जाने वाले हज यात्रियों को टूर के जिम्मेदारों द्वारा मक्का और मदीना के पवित्र धार्मिक स्थलों से करीब की होटल में ठहराया जाता है और वही उनके लिए दोनों समय भोजन की व्यवस्था होटल में ही की जाती है। प्राइवेट टूर्स से जाने वाले हज यात्रियों को 6 लाख से 7 लाख रुपए तक प्रति हज यात्री खर्चा आता है। ऐसे में जो ज्यादा सक्षम होते हैं। साथ ही जिन्हें वहां खाना बनाने की झंझट से दूर रहने और होटलें करीब होने से आने-जाने में सुविधा के चलते ऐसे लोग प्राइवेट टूर्स से ही जाना पसंद करते हैं। साथ ही वे लोग जिनका हज कमेटी के माध्यम से चयन नहीं हो पाता है, वे फिर निजी हज आयोजकों के माध्यम से हज पर जाते हैं।

संक्षिप्त समाचार

समाजसुधार कार्यकर्ताओं एवं अभिभावकों द्वारा जनसुनवाई में प्रायवेट स्कूलों की मनमानी के संबंध में ज्ञापन सौंपा

बड़वानी, निप्र। आज दिनांक 15/04/2025 को बड़वानी के सामाजिक सुधार कार्यकर्ताओं एवं प्रायवेट स्कूलों में शिक्षण ग्रहण कर रहे छात्रों के अभिभावकों द्वारा जनसुनवाई में प्रायवेट स्कूलों की मनमानी के संबंध में एक ज्ञापन सौंपा गया। इस ज्ञापन का मुख्य उद्देश्य प्रायवेट स्कूलों द्वारा मध्यप्रदेश शासन के नियमों की अवेहलना संबंधित शिकायत दर्ज की गई ।जिसमें प्रायवेट स्कूलों के संचालकों द्वारा हृष्टश्वऋञ्ज की किताबों के अतरिक्त निजी प्रकाशकों की पुस्तक खरीदने हेतु अभिभावकों को मजबूर किया जाता है ।जबकि इस संबंध में शासन के स्पष्ट निर्देश है की मध्यप्रदेश शासन के हृष्टश्वऋञ्ज के तहत ही पुस्तक खरीदी की जानी चाहिए इसके अतिरिक्त प्रतिवर्ष प्रायवेट स्कूलों में कोर्स बदला जाता है ।जिसके कारण एक वर्ष बाद इस किताबों का कोई महत्व नहीं रह जाता ।प्रायवेट स्कूल मोटी फीस के बाद किताबों ओर ड्रेस में भी मनमानी करते हुए मुनाफा कमाने हेतु किसी एक दुकानदार से सांठगांठ करते हैं ओर कमीशन के चक्कर में अभिभावकों पर भारी बोझ डाल देते हैं ।आज समाजसेवी संगठनों ओर अभिभावकों ने प्रशासन से निवेदन किया है की प्रायवेट स्कूलों की हठधर्मिता बंद हो ओर शिक्षा का हक सस्ते दामों पर मिलना प्रारंभ हो सके।

यात्रियों से भरी ट्रैक्टर ट्राली में लगी आग, पानी से पाया काबू

कसरावद, निप्र। मन्नत देकर घर लौट रहे श्रद्धालुओं की ट्रैक्टर ट्राली में अचानक लगी आग इस घटना के बाद उसमें सवार यात्री ट्रैक्टर बंद करके एक के बाद एक नीचे उतरे उसके बाद आग की जलती लकड़ी को बुझाने का प्रयास किया यह घटना दोपहर के समय जय स्तंभ चौराहे से थोड़ी दूर पहले घटीत हुई है। जानकारी के अनुसार ट्रैक्टर ट्राली में श्रद्धालु सवार होकर गंतव्य के लिए जा रहे थे मन्नत पूरी करके भोजन बनाया फिर बची हुई लकड़ी को ट्रैक्टर में रख ली। जिसमें पहले से जलती लकड़ी में आग पूरी तरह से नहीं बुझ नही पाई थी तेज धूप एवं हवा के कारण लकड़ी जल उठी। उसके बाद धुआं निकला तो ट्रैक्टर में बैठे हुए श्रद्धालु आनन फानन में नीचे उतरे। आसपास से पानी लेकर आग पर काबू पाया गया है।

छात्रावासों एवं आश्रमों में 3 वर्ष से अधिक समय से पदस्थ अधीक्षकों को

स्थानांतरित किया जाए : जिला पंचायत अध्यक्ष श्री पटेल

विनय उजाला

बड़वानी, निप्र। जिले के छात्रावासों एंव आश्रमों में शालाओं में कार्यरत शिक्षकों को अधीक्षक बनाया गया हैं अत: ऐसे शिक्षक जिन्हे अधीक्षक के पद पर कार्य करते हुए 3 वर्ष या उससे अधिक समय हो गया है,उन्हे स्थानांतरण नीति के स्थानांतरित किया जाये ।साथ ही अन्य शिक्षक जो कार्यालयों में संलग्नीकरण के तहत कार्यरत है, उनके संलग्नीकरण को समाप्त करने का प्रस्ताव बनाया जाए, जिससे कि शिक्षक अपनी मूल पदस्थापना पर जाकर बच्चों को शिक्षा प्रदान कर सके।

जिला पंचायत अध्यक्ष श्री बलवंतसिंह पटेल ने उक्त बाते मंगलवार को सामान्य सभा की बैठक की अध्यक्षता करते हुए कही। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष ने यह भी निर्देशित किया कि सामान्य सभा की बैठक के ऐजेण्डा के बिन्दुओं का पालन प्रतिवेदन संबंधित विभाग के अधिकारियों द्वारा 7 दिवस में ही जिला पंचायत में प्रेषित किया जाये।

बैठक के दौरान ऐजेण्डा में शामिल खाद उपलब्धता की समीक्षा करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष एवं विधायक बड़वानी ने निर्देशित किया कि जिले में आगामी खरीफ सीजन के मद्दनेजर खाद की कही पर भी कमी न हो ।खाद की उपलब्धता निरंतर बनी रहे। इस पर मार्कफेड के जिला अधिकारी ने सदन के समक्ष यह बताया कि वर्तमान में जिले में पर्याप्त मात्रा में खाद की उपलब्धता है। अत: किसान भाई बड़वानी, अंजड़, राजपुर, ठीकरी, पानसेमल एवं पाटी में बने नगद खाद विक्रय केन्द्र पर जाकर अभी से खाद का अग्रिम उठाव कर ले जिससे कि आवश्यकता पड़ने पर खाद का वे उपयोग कर सके।

बैठक में दिये गये अन्य निर्देश

- लोअर गोई परियोजना का पानी 15 दिन में एक बार छोड़ा जाये। जिससे कि क्षेत्र के किसानों को सहूलियत हो।
- ओवरलोड ट्रांसफार्मर होने पर एक अतिरिक्त ट्रांसफार्मर लगाया जाये। जिससे कि विद्युत की परेशानी न आने पाये।
- जल निगम द्वारा जिले में पाईप लाईन बिछाने का कार्य किया जा रहा है। कई जगहों पर सड़क के बीच में या शोल्डर साईड पर खोदकर पाईप लाईन बिछाई गई। अत : पाईप लाईन बिछाने के द रोड़ की रिपेयरिंग अनिवार्य की जाये।
- जिले के ग्रामों में पेयजल उपलब्धता का विशेष ध्यान रखा जाये। जहां पर हेण्डपंप रिपेयरिंग हो सकते है, वहां तुरंत रिपेयरिंग की जाये। साथ ही ग्रामों में पेयजल हेतु पूरक व्यवस्था भी करवाई जाये।
- सहकारिता विभागों के बनने वाले पीडीएस गोदामों का निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण करवाया जाये। साथ ही ऐसे गोदामों जिनमें किसी कारण कोई विवाद है उसका निराकरण स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर किया जाये।

वही बैठक में खाद्य आपूर्ति विभाग की समीक्षा करते हुए सदस्यों ने यह बताया कि नवीन पात्रता पर्ची जारी नही हो रही है जिससे हितग्राहियों को राशन में समस्या आ रही है। तथा कुछ हितग्राहियों को पात्रता पर्ची होने के बाद भी राशन नही मिल रहा है। इस पर खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के जिला अधिकारी श्री एचएस मुवेल ने बताया कि 01 अगस्त 2024 से नवीन पात्रता पर्ची बनाने के कार्य बंद है। और अगर कोई हितग्राही 3 माह तक निरंतर राशन नही लेता है तो उसकी पात्रता पर्ची से राशन मिलना स्वत: ही बंद हो जाता है।

यह थे उपस्थित : बैठक में जिला पंचायत सीईओ सुश्री काजल जावला, विधायक बड़वानी श्री राजन मण्डलोई, जिला पंचायत सीईओ श्री करण दराबर, श्री बरमा सोलंकी, श्रीमती गीता चौहान, श्री दरबार डावर, श्री भायदास महारिया, श्रीमती लेहदीबाई नेवल्या, श्रीमती जामबाई रमेश, जनपद पंचायत अध्यक्ष पाटी श्री थानसिंह सस्ते, ठीकरी श्री मनोहर अवास्या, बड़वानी श्रीमती भून्टीबाई पप्पू पटेल सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

थाना अंजड़ पुलिस की त्वरित कार्रवाई

12 घंटे में पत्नी की हत्या करने वाला आरोपी पति गिरफ्तार

विनय उजाला

अंजड़ (बड़वानी), निप्र। थाना अंजड़ में दिनांक 14.04.2025 को एक अत्यंत गंभीर घटना दर्ज की गई, जिसमें आरोपी ने पारिवारिक विवाद के चलते अपनी पत्नी की निर्मम हत्या कर दी। फरियादिया शिवानी पति अमित खर्ते, उम्र 21 वर्ष, निवासी वार्ड क्रमांक 06, गायबैड़ा, अंजड़ द्वारा दर्ज कराई गई रिपोर्ट के अनुसार, दिनांक 14.04.2025 को दोपहर लगभग 03 बजे उसके ससुर इंदरसिंह खर्ते द्वारा शराब के लिए पैसे माँगे गए। जब सास बीनाबाई ने पैसे देने से मना किया तो आरोपी ने चावल बेचने की बात कही। इस पर भी मना करने पर आरोपी इंदरसिंह ने गुस्से में आकर घर में रखी कुल्हाड़ी से हमला कर अपनी पत्नी बीनाबाई के सिर,मुँह,नाक और आँख के पास वार कर उसकी हत्या कर दी।

इस रिपोर्ट पर थाना अंजड़ में अपराध क्रमांक 231/2025, धारा 103(1) BNS के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया ।घटना की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी अंजड़ द्वारा तत्काल पुलिस अधीक्षक बड़वानी श्री जगदीश डावर एवं वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया गया। पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु निर्देश दिए गए, जिसके परिपालन में एस.डी.ओ.पी. बड़वानी श्री दिनेशसिंह चौहान के मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी निरीक्षक नारायण रावल के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई ।गठित टीम द्वारा तत्परता से कार्य करते हुए मात्र 12 घंटे के भीतर फरार आरोपी इंदरसिंह खर्ते पिता खारसिंह खर्ते, उम्र 45 वर्ष, निवासी वार्ड क्रमांक 06, गायबैड़ा, अंजड़ को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी के पास से हत्या में प्रयुक्त कुल्हाड़ी भी बरामद की गई। आरोपी को दिनांक 15.04.2025 को न्यायालय अंजड़ में प्रस्तुत कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया।

इस सफल एवं त्वरित कार्यवाही में निम्न अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सराहनीय भूमिका रही :

1. निरीक्षक नारायण रावल ङ्क थाना प्रभारी
2. उप निरीक्षक सुरेश मुवे
3. उप निरीक्षक महावीर चंदेल
4. उप निरीक्षक बी.एस. चौहान
5. सहायक उप निरीक्षक दिलीप मुवेल
6. प्रधान आरक्षक 90 अजय यादव
7. प्रधान आरक्षक 406 रविंद्र चौहान
8. प्रधान आरक्षक 357 चंद्रशेखर चौहान
9. आरक्षक 421 हेमंत मंडलोई
10. महिला आरक्षक 601 रानी सेंधव
11. आरक्षक 570 महेंद्र बघेल

इन सभी के उत्कृष्ट एवं समर्पित प्रयासों से यह जघन्य अपराध शीघ्र सुलझाया जा सका।

100 से अधिक दंपतियों के आपसी पारिवारिक विवादों का सफलतापूर्वक समाधान

सराहनीय सेवाओं के लिए काउंसलर श्रीमति अनिता चोयल को पुलिस अधीक्षक ने किया सम्मानित

विनय उजाला

बड़वानी, निप्र। जनसामान्य को बेहतर पुलिसिंग सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से, उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को समय-समय पर प्रोत्साहित किया जाना पुलिस अधीक्षक श्री जगदीश डावर की प्राथमिकता रही है। इसी क्रम में आज पुलिस अधीक्षक कार्यालय,बड़वानी में एक गरिमामयी आयोजन के दौरान काउंसलर श्रीमति अनिता चोयल को उनके उत्कृष्ट एवं सराहनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

थाना बड़वानी की महिला डेस्क टीम के अंतर्गत कार्यरत श्रीमति चोयल ने, महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। बीते एक वर्ष में उन्होंने 100 से अधिक दंपतियों के आपसी पारिवारिक विवादों का सफलतापूर्वक समाधान कराते हुए सामाजिक समरसता को बढ़ावा दिया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने साइबर जागरूकता अभियान 'सेफ क्लिक' में भी सक्रिय सहयोग प्रदान कर आमजन, विशेषकर महिलाओं एवं युवाओं को साइबर अपराधों से सतर्क रहने हेतु जागरूक किया ।उनकी मेहनत, लगन और जनसेवा के प्रति समर्पण को देखते हुए पुलिस अधीक्षक श्री जगदीश डावर द्वारा उन्हें शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया तथा उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी गईं।

जल संरक्षण के प्रति जागरूक करने सुरपाला में निकाली जागरूकता रैली

विनय उजाला

खरगोन, निप्र। मध्य प्रदेश शासन के अनुसार तीन माह के लिए गंगाजल संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत जल संरक्षण, संवर्धन एवं जल स्त्रोतों की साफ सफाई के लिए जागरूकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है। जन अभियान परिषद के विकासखंड खरगोन तथा विकासखंड समन्वयक के निर्देश अनुसार जन जागरूकता का कार्य किया जा रहा है। इसी के तहत 15 अप्रैल को ग्राम सुरपाला सेक्टर क्रमांक 3 में मेंटर मोनिका शाह द्वारा जल गंगा संवर्धन की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही जल स्त्रोतों के आसपास साफ सफाई की गई और जन जागरूकता रैली निकाली गई। इस दौरान आम जनों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करने दीवार लेखन का कार्य भी किया गया। इस अवसर पर सीएमसीएलडीपी के विद्यार्थी लखन सेन, गायत्री अंजन, रवि मंडलोई, शिवानी, आँगनवाड़ी कार्यकर्ता ग्राम की महिलाएं आदि उपस्थित थे।

ट्रको को रोक कर लूट करने वाली गैंग खरगोन पुलिस की गिरफ्त में

विनय उजाला

खरगोन, निप्र। काकड़दा पुलिस ने ट्रकों को रोक कर लूट करने वाली गैंग के लोगों 1. मनोज पिता कारूलाल पटेल उम्र 25 साल निवासी ग्राम धावद थाना गांधीसागर जिला मंदसौर , 2. पप्पू पिता केदार उम्र 27 साल निवासी ग्राम धावद थाना गांधीसागर जिला मंदसौर, 3. मोतीलाल पिता मानशंकर उर्फ मान्या हरमोर उम्र 28 साल निवासी ग्राम वरवासामापी थाना साबला जिला डोंगरपुर राजस्थान, 4. सुरेंद्र पिता गोपाल उम्र 20 साल निवासी ग्राम प्रेमपुरिया थाना गांधीसागर जिला मंदसौर और 5. हरिओम पिता लक्ष्मीनारायण जोशी उम्र 21 साल निवासी ग्राम प्रेमपुरिया थाना गाँधीसागर जिला मंदसौर को पकड़ा ।

पहली घटना में एक ट्रक चालक द्वारा महेश्वर थाने की काकड़दा पुलिस चौकी पर रिपोर्ट दर्ज करवाई गई कि ग्राम बाकानेर में नए आगरा-मुंबई हाईवे रोड़ की थ्री लेन पर नए ओव्हरब्रिज से करीबन 200 मीटर पहले , रोड़ किनारे पर तीन चार खड़े लोगों ने उसका ट्रक को रोकने की कोशिश की , पर जब ट्रक नहीं रोका तो उन्होंने पत्थर मारे जिससे ट्रक के सामने वाला और कंडक्टर के साईड वाला काँच दोनों ही फूट गए ।जब मैनें ट्रक को आगे रोका तो वह सभी व्यक्ति मेरी तरफ आने लगे उनके पास एक नीले रंग की बलोनो कार जिसका नंबर MP09AG8816 भी वही रोड़ किनारे खडी थी। बदमाशों को मेरी तरफ आता देख मै ट्रक लेकर वहाँ से भाग निकला ।अपराध क्रमांक 131/25 धारा 324 (2), 296, 115 (2) भारतीय न्याय संहिता का पंजीबद्ध किया गया दूसरी घटना में काकड़दा पुलिस चौकी फिर एक ट्रक चालक रिपोर्ट दर्ज करवाई गई कि फ ग्राम काकडदा दरगाह के पास आगरा-मुंबई हाईवे रोड़ पर मुंबई से इंदौर की ओर जाने वाली लेन में एक बलेनो कार चालक ने मेरे ट्रक को ओव्हरटेक करके कार पलटाकर मेरे ट्रक के सामने अडा दी , जिससे मुझे ट्रक रोकना पड़ा ।कार में से 03-04 लडके जिनकी उम्र करीबन 25-30 साल होगी, उतरकर मेरे ट्रक में दोनो तरफ के दरवाजे खोलकर चढ़ गए जिसमे से एक काले रंग की टीशर्ट पहने आदमी ने मुझे बिना बोले मुँह पर मुक्के मारे और फिर बोला कि तेरे पास जितने भी पैसे है निकाल कर दे दे नही तो तुझे यही मारकर फेंक देंगे। उसके साथ के आए दो व्यक्तियों ने मेरे जेब से पर्स निकाल लिया जिसमे करीब 14700/- रुपये नगदी व मेरा मोबाईल लूट लिया इस दौरान उन्होंने मुझसे हाथ मुक्को व डंडे से मारपीट की जिससे मुझे दाहिनी आंख के उपर, चेहरे पर, सिर मे, मुँह व दाँतो पर चोटे आई है बलेनो कार का नंबर MP-09-AG-8816 है । इस रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 132/25 धारा 309(4), 309(6) 126,127 भारतीय न्याय संहिता प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। ट्रकों रोककर इस तरह से लूटपाट करने की घटनाओं को पुलिस प्रशासन ने गंभीरता से लिया । तत्पश्चात पुलिस अधीक्षक खरगोन धर्मराज मीना के निर्देशन और भारतीय पुलिस सेवा के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) नरेंद्र रावत, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) श्रीमति शकुन्तला रुहल, एसडीओपी मण्डलेश्वर मनोहर गवली के मार्गदर्शन में महेश्वर थाना प्रभारी निरीक्षक जगदीश गोयल काकड़दा चौकी पुलिस उपनिरीक्षक मिथुन चौहान के नेतृत्व मे पुलिस टीम का गठन कर आरोपीयो की तलाश शुरू की गई थी ।काकड़दा पुलिस ने पकड़े गए आरोपीयों के पास से लूटी गई नगदी राशि 14,700/-, एक मोबाईल, लूट करने में प्रयोग किए गए डंडे और परिवहन में उपयोग बैलेनो कार को अपनी सुपूर्दगी में लेकर आरोपियों को न्यायालय पेश किया गया ।

पुलिस टीम : उक्त कार्रवाई में एसडीओपी मण्डलेश्वर मनोहर गवली , महेश्वर थाना प्रभारी निरीक्षक जगदीश गोयल , काकड़दा पुलिस चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक मिथुन चौहान, उपनिरीक्षक प्रवीण निकुम, थाना के अन्य स्टाफ शामिल रहे ।

राज्य स्तरीय खेलवृत्ति के लिए 31 मई 2025 तक आवेदन आमंत्रित

विनय उजाला

खरगोन, निप्र। संचालनालय खेल और युवा कल्याण विभाग म.प्र. द्वारा 01 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 के मध्य आयोजित अधिकृत राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में पदक विजेता जिले के प्रतिभावान खिलाड़ियों से वर्ष 2024 की राज्य स्तरीय खेलवृत्ति के लिए आवेदन आमंत्रित किये गये है।

अधिकृत राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ी को 10 हजार रुपये, रजत पदक विजेता खिलाड़ी को 08 हजार रुपये एवं कांस्य पदक विजेता खिलाड़ी को 06 हजार रुपये खेलवृत्ति राशि प्रदान करने का प्रावधान है। जिला खेल अधिकारी श्रीमती पवी दुबे ने बताया कि वर्ष 2024 की खेलवृत्ति के लिए आवेदन 31 मई 2025 तक स्वीकार किए जा सकेंगे।

खेलवृत्ति के लिए आवेदन कार्यालय जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी, जिला खरगोन से प्राप्त किए जा सकते है। 31 मई 2025 के पश्चात प्राप्त आवेदन पर विचार नहीं किया जावेगा। खेलवृत्ति के लिए निर्धारित दिशा-निर्देश व नियमावली विभागीय वेबसाईट WWW.dsywmp.gov.in पर उपलब्ध है।

खेल केवल मनोरंजन नहीं, कॅरियर का सशक्त माध्यम भी है

विनय उजाला

खरगोन, निप्र। खेल एवं युवा कल्याण विभाग म. प्र. शासन की खेलों बढ़ो अभियान योजना युवाओं को खेलों से जोड़ने के लिए पुरे मध्यप्रदेश चलाईं जा रहीं हैं। खरगोन में भी जिला खेल अधिकारी पवी दुबे के मार्गदर्शन में 15 अप्रैल को शहर की सेंथ जूद हायर सेकेण्डरी स्कूल में लगभग 450 छात्र छात्राओं के साथ खेलों बढ़ो अभियान योजना का सेमिनार का आयोजन किया गया।

विभाग के बास्केटबॉल कोच उच्छमसिंह रावत ने अपने खेल की जानकारी दी। हाँकी कोच राकेश अंथनकर ने हाँकी खेल के क्षेत्र में कई का नाम रोशन कर शासन की खेल एकेडमी में चयनित हो कर खरगोन जिले को गौरवान्वित किया। विभाग के योग गुरु भानुप्रताप दंसौदी ने योग प्राणायाम आसन की जानकारी दी एवं छात्र छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि वर्तमान में खेलों से जुड़कर अनेक खेल विकल्प भी उपलब्ध है। ब्लॉक समन्वयक जितेन्द्र हिरवे ने छात्रों को विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं खेलों में उपलब्ध करियर विकल्पों की विस्तृत जानकारी दी गई एवं खेलों के माध्यम से न केवल शारीरिक और मानसिक विकास होता है, बल्कि युवाओं को राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने का मंच भी प्रदान करता है। कार्यक्रम में स्कूल प्राचार्य सिस्टर ट्रीसा, खेल शिक्षक जोसपाल, दीपक चोरे शिक्षक शिक्षिका आदि उपस्थित थे।

रेडियो से जुड़ी भावनाएं आज भी जीवित : न्यू जर्सी से भारत आए एनआरआई दंपति की अनोखी पसंद

रेडियो से रिश्ता चार पीढ़ियों का: अमेरिका से भारत तक की भावनात्मक डोर

विनय उजाला

कसरावद, निप्र। जहां एक ओर आधुनिक युग में टीवी, मोबाइल और सोशल मीडिया ने सूचना क्रांति में बड़ी भूमिका निभाई है, वहीं रेडियो आज भी अपनी खास पहचान और प्रभाव बनाए हुए है। यही वजह है कि विदेशों में बसे भारतीय भी जब अपने वतन लौटते हैं, तो रेडियो की सादगी और मधुरता में डूबना नहीं भूलते।

गुजरात के आनंद जिले के बोसद गांव से ताल्लुक रखने वाला एक एनआरआई परिवार जो पिछले चार पीढ़ियों से न्यू जर्सी (अमेरिका) में निवासरत है, इन दिनों मध्यप्रदेश के कसरावद क्षेत्र में स्थित मंगलदीप आश्रम में पहुंचे। नर्मदा तट के समीप माकड़खेड़ा-मंडलेश्वर पुल के पास स्थित इस आश्रम में संत श्री कल्याण गिरी बाबा जी के दर्शन करने आए दंपति प्रदीप पटेल और भावना पटेल की रेडियो के प्रति लगन सभी के लिए चर्चा का विषय बन गई।

दंपति ने बताया कि अमेरिका में तमाम आधुनिक संगीत साधनों के बावजूद रेडियो सुनने का जो सुख है, वह कहीं और नहीं मिलता। भावना पटेल ने बताया, जब हम भारत आते हैं, तो रेडियो हमारे साथ जरूर रहता है। पुराने नगमे, समाचार और विविध भारती के कार्यक्रम हमें अपने बचपन की यादों में ले जाते हैं। यह केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि हमारी विरासत से जुड़ाव का माध्यम है। रेडियो के कार्यक्रमों की बात करें तो आज भी धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और शैक्षिक विषयों पर प्रसारित कार्यक्रमों की लोकप्रियता बनी हुई है। प्रदीप पटेल कहते हैं, रेडियो से जुड़ी कई बातें हैं जो पीढ़ियों से हमारे साथ चल रही हैं। यही कारण है कि आज भी बदलते तकनीकी परिवेश में इसका स्थान अलग है।

रेडियो का ऐतिहासिक महत्व भी कम नहीं रहा है। 1923-24 में भारत में निजी रूप में रेडियो प्रसारण की शुरुआत हुई थी और 1936 में 'इंडियन स्टेट ब्रॉडकास्टिंग सर्विस' की स्थापना के बाद यह एक संगठित माध्यम बन गया। उस दौर में समाचार, मौसम की जानकारी, और मनोरंजन से जुड़े कार्यक्रमों ने देश के दूर-दराज़ क्षेत्रों तक सूचना पहुँचाने का काम किया।

आज भी रेडियो किसानों के लिए मौसम की जानकारी, विद्यार्थियों के लिए शिक्षा और आम लोगों के लिए मनोरंजन का सशक्त साधन है। डिजिटल युग में भी इसकी प्रासंगिकता बनी हुई है और यह अपनी सहजता, पहुंच और भावनात्मक जुड़ाव के कारण आज भी लाखों श्रोताओं के दिल में बसता है।

न्यू जर्सी जैसे विकसित देश से आए भारतीय मूल के इस दंपति की कहानी यह दिखाती है कि तकनीक चाहे कितनी भी उन्नत हो जाए, रेडियो की सरलता और अपनापन कभी फीका नहीं पड़ता। रेडियो सिर्फ एक माध्यम नहीं, बल्कि एक यादगार एहसास है, जो दिल से दिल को जोड़ता है।

संक्षिप्त समाचार

ट्राइसिकल पाकर दिव्यांग के चेहरे पर छाई खुशी

देवास, निप्र। भारतीय जनता पार्टी के आर्थिक प्रकोष्ठ के जिला संयोजक सुनील पुरोहित ने करनावद निवासी दिव्यांग किशोर पिता मांगीलाल वर्मा को अपनी ओर से ट्राइसाईकिल दी। साइकिल मिलने के बाद उसके चेहरे पर मुस्कान आ गई। दिव्यांग किशोर को सर्टिफिकेट में त्रुटि होने के कारण शासन स्तर से ट्राइसाईकिल नहीं मिल पाई थी और दिव्यांग किशोर शिविरों में जाकर साइकिल की मांग करता रहा लेकिन त्रुटि होने के कारण उसे साइकिल नहीं मिल पाई थी। श्री पुरोहित ने उसके रोजगार के लिए भी साइकिल पर प्रचार सेट लगा कर दिया। मोहित पार्षद भेरूलाल पाटीदार ने दिव्यांग किशोर को माइक एवं स्पीकर देना की घोषणा की जिससे उसका रोजगार चल सकेगा। अवसर पर क्षेत्रिय विधायक मुरली भंवरा, नगर पंचायत अध्यक्ष परसराम पाटीदार, उपाध्यक्ष राजेश गोयल, पार्षद भेरूलाल पाटीदार, सीएमओ मुरली राठौर, किशोर यादव, राम सोनी, कैलाश भूरिया आदि उपस्थित थे।

तालाब के गहरीकरण से बारिश के दिनों में पानी का होगा संचय, वाटर लेवल भी बढ़ेगा

देवास, निप्र। कलेक्टर ऋषुराज सिंह के मार्गदर्शन में देवास जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के माध्यम से जल संरचनाओं के निर्माण एवं गहरीकरण का कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में जिला प्रशासन एवं ग्रामीणों के जनसहयोग से जनपद पंचायत टोंकखुर्द की ग्राम पंचायत रतनखेड़ी के तालाब का गहरीकरण किया जा रहा है। इस तालाब के गहरीकरण होने से बारिश के दिनों में अधिक पानी का एकत्रितकरण होगा तथा वाटर लेवल भी बढ़ेगा, जिससे पेयजल के साथ खेती करने के लिए भी पानी मिल सकेगा।

ये केसी जागरूकता...?

कृषि विज्ञान केंद्र से सटे खेत में ही जल गई नरवाई

विनय उजाला

देवास, निप्र। किसान खेत को आग के हवाले न करे, इसके लिए पिछले छह माह से देवास जिले में भी जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा था। जिलेभर के किसान को जागरूक करने का काम देवास का कृषि विज्ञान केंद्र करता हैं। गेहूं की फसल कटते ही खेत समतल मैदान बन गए। हर बार की तरह किसानों ने गेहूं की फसल के बचे अवशेषों को जलाया। भीषण गर्मी में खेत की लपटे राहगीरों को भी परेशान करती हैं, लेकिन क्या करें। दूरदराज की बात छोड दी

जाए, हाइवे से लगे खेतों में ही जमकर नरवाई जल रही हैं। यही हाल देवास शहर के नजदीक के खेतों का भी हैं, यहां भी नरवाई जलाई जा रही। हालत ये है कि खेत का जला कचरा तेज हवा में लोगों के घर तक पहुंच रहा हैं। हालाकि अब कृषि विभाग कुछ जगह सख्ती दिखा रहा हैं लेकिन ये कार्रवाई भी काफी देर से शुरू की गई हैं। कुछ किसानों पर जुर्माना और कुछ पर एफआईआर दर्ज कराई गई है। सवाल कृषि विज्ञान केंद्र की सक्रियता पर भी हैं। इतने बडे पैमाने पर इस साल भी नरवाई जलाई जा रही है, जो बता रही है कि जागरूकता कार्यक्रम में सुधार की जरूरत हैं। खुद कृषि विज्ञान केंद्र के नजदीक का खेत फूंक दिया गया। पडोसी किसान ही नरवाई जलाने के नुकसान समझ नहीं सके।

नरवाई जलाने पर चार भूमि स्वामियों पर एफआईआर : कलेक्टर ऋषुराज सिंह के निर्देश पर जिले में कृषि विभाग एवं राजस्व विभाग के अमले द्वारा नरवाई में आग लगाने पर भूमि स्वामियों पर कार्रवाई की जा रही हैं।

गेहूं के खेतों की नरवाई में आग लगाने की घटनाओं पर नियंत्रण के लिए तहसीलदार टोंकखुर्द द्वारा राजस्व निरीक्षक बहादुर पटेल, कस्बा पटवारी मनोज बडोदिया के साथ तहसील टोंकखुर्द अंतर्गत क्षेत्र में भ्रमण किया गया। जिसमें ग्राम देवली, बुदासी, संवरसी, निपानिया, हरनावदा, रालामण्डल, अमोना में भूमि स्वामियों द्वारा भारतीय नागरिक संहिता 2023 की धारा 163 के तहत जारी आदेश की अवहेलना करने के कारण नरवाई जलाने वाले व्यक्तियों गुरुचरण पिता मांगीलाल ग्राम पाडल्या, मोमिन पटेल पिता हकिम, फारुख पटेल, अशोक पिता कल्याणसिंह देवमुण्डला के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई गई व अर्थदण्ड की कार्रवाई हेतु अनुविभागीय अधिकारी टोंकखुर्द को प्रकरण प्रेषित किए गए है।

बीएनपी में अग्निशमन सेवा दिवस मनाया

विनय उजाला

देवास, निप्र। केऔसुब इकाई बीएनपी देवास की अग्निशमन शाखा के द्वारा सोमवार को बीएनपी देवास के प्लांट में अग्निशमन सेवा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के.एन. महापात्र महाप्रबंधक एवं विभाग अध्यक्ष, संदीप कुमार, एस. वरिष्ठ कमाण्डेन्ट, केऔसुब इकाई बीएनपी देवास, एस.एस राठौर अपर महाप्रबंधक, बीएनपी सयंत्र के अन्य अधिकारीगण, कर्मचारीगण, केऔसुब के अधिकारीगण, जवान एवं उनके परिवार के सदस्य उपस्थित थे। अग्निशमन सेवा दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि के.एन. महापात्र महाप्रबंधक एवं एचओडी बीएनपी देवास ने और वरिष्ठ कमाण्डेंट संदीप कुमार एस. ने कहा कि आग से देश अमूल्य जन-धन की सुरक्षा प्रत्येक नागरिक का परम कर्तव्य है। इस अवसर पर प्रबंधन वर्ग के और केऔसुब के सभी बल सदस्यों ने अग्नि से बचाव की शपथ ली और फायर पत्रिका का भी विमोचन मुख्य अतिथि और वरिष्ठ कमाण्डेंट के द्वारा किया गया। वरिष्ठ कमाण्डेंट ने बताया कि 14 से 20 अप्रैल तक अग्निशमन सेवा सप्ताह मनाया जाएगा।

इस दौरान संयंत्र के अंदर और बाहर अल्पावधि में भी विभिन्न तरीकों से विभिन्न स्थानों पर अनेकों कार्यक्रमों का आयोजन कर अग्निशमन व बचाव के प्रति जागरूकता हेतु पूर्वनियोजित तथा तयशुदा कार्यक्रमों केऔसुब अग्निशमन शाखा द्वारा संचालित किए जाएंगे। मुख्यत: बीएनपी ट्रेनिंग हॉल, केऔसुब इकाई लाइन मनोरंजन कक्ष, केन्द्रीय विद्यालय तथा राजकीय माध्यमिक स्कूल बीएनपी इत्यादि स्थानों पर प्राथमिक अग्निशमन विषय पर कक्षाएं आयोजित की जाएगी। महिलाओं व बच्चों में जागरूकता हेतु प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता तथा चित्रकारी व लेख प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा एवं संयंत्र के अधिकारियों व कर्मचारियों में जागरूकता हेतु बेसिक फायर फाईटिंग ट्रेनिंग, होज एवं अग्निशमन उपकरणों को उपयोग करने की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस पर निरीक्षक/अग्नि बीबी कुर्मी के द्वारा मंच संचालन किया गया और मुख्य अतिथियों का आभार माना। उक्त जानकारी संरक्षा अधिकारी अनुराग वर्मा ने दी।

जनसुनवाई अधिकारियों को निराकरण के दिए निर्देश

विनय उजाला

देवास, निप्र। जिला मुख्यालय पर मंगलवार को कलेक्टर ऋषुराज सिंह ने जनसुनवाई में आए आवेदकों की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए कलेक्टर ऋषुराज सिंह ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को आवेदनों का निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में विभिन्न विभागों के जिला अधिकारीगण उपस्थित थे। आवेदक अंबाराम पिता देवीसिंह निवासी मानकुंड ने आर्थिक सहायता दिलवाए जाने के संबंध में आवेदन दिया। प्रेमलता उपाध्याय निवासी देवास ने वृद्धापेंशन प्रारंभ करवाए जाने के संबंध में आवेदन दिया। फुलकुंवर बाई चौधरी निवासी ग्राम सिंदनी ने कृषि भूमि पर जाने वाले रास्ते पर से अतिक्रमण/कब्जा हटवाने के संबंध में आवेदन दिया। आवेदन पर सुनवाई करते हुए कलेक्टर श्री सिंह ने संबंधित अधिकारी को नियमानुसार निराकरण के निर्देश दिए।

मकान का निर्माण कार्य रूकवाया जाए : जनसुनवाई में आवेदक कैलाशचंद्र पवार निवासी देवास ने बताया कि उनकी दीवार पडोसी द्वारा मकान बनाने के दौरान गिराई गई है। उक्त निर्माण कार्य को रोका जाए। आवेदन पर सुनवाई करते हुए कलेक्टर श्री सिंह ने संबंधित अधिकारी को नियमानुसार निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में प्रधानमंत्री आवास योजना, जमीन के सीमाकंन, बिजली बिल कम कराने, नामाकंन, बंटवारा, रास्ते पर से अतिक्रमण हटवाने, नालियों की साफ-सफाई करने सहित अन्य आवेदन पर संबंधित विभाग के अधिकारियों को जांच कर त्वरित निराकरण के निर्देश दिए।

श्री कुबेर भगवान की प्रतिमा की प्रतिष्ठा के लिए

श्री कोटेश्वर महादेव पर कल से पांच दिवसीय श्रीरुद्र समायुक्त श्री लक्ष्मी कुबेर महायज्ञ

21 अप्रैल को श्री कुबेर देवता की प्रतिमा की प्रतिष्ठा पूर्णाहुति व भंडारे के बाद होगा महायज्ञ का समापन

विनय उजाला

सोनकच्छ, निप्र। विश्व के चौथे तथा भारत के तीसरे श्री माँ धूमावती शक्तिपीठ श्री कोटेश्वर धाम कोटड़ा, साँवेर, सोनकच्छ पर महायज्ञ के आयोजन के साथ धन के देवता श्री कुबेर भगवान की प्रतिमा की प्रतिष्ठा की जाएगी।

जानकारी देते हुए यज्ञ समिति प्रमुख राजेश रमाशंकर शर्मा ने बताया कि धाम के पीठाधीश्वर.दण्डी स्वामी नित्यमुक्तानन्द तीर्थ महाराज के मार्गदर्शन में श्रीरूद्र समायुक्त श्री लक्ष्मी- श्री कुबेर महायज्ञ का आयोजन 17 अप्रैल 25 से प्रारम्भ होने जा रहा है। इस पाँच दिवसीय महायज्ञ का 21 अप्रैल 25 को श्री कुबेर भगवान की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा, पूर्णाहुति, वसोधारा, महाआरती तथा भण्डारे के बाद समापन किया जाएगा।

नगर की जीवनदायिनी पुण्य सलिला उत्तरवाहिनी माँ कालीसिन्ध नदी के दक्षिण-पश्चिम भाग पर स्थित इस धाम पर होने वाला यह अद्वितीय महायज्ञ

पुणे, महाराष्ट्र के प्रसिद्ध यज्ञाचार्य पं यशवंत काले के आचार्यत्व तथा 4 अन्य विद्वान वैद पाठी ब्राह्मणों के द्वारा सम्पन्न होगा।

इस दौरान यज्ञ के 9 यजमान सपत्निक प्रतिदिन सुबह पांडवकालीन स्वयम्भू शिवलिंग श्री कोटेश्वर महादेव का रुद्राभिषेक कर यज्ञ में आहुतियां अर्पित करेंगें। प्रतिदिन हवन के बाद आरती कर यज्ञशाला की परिक्रमा की जाएगी,जिसमें यजमानों सहित अन्य भक्तगण भी शामिल होंगे।

बाबा साहब की 135 वीं जयंती मनाई

नगर में मूर्ति लगाने के लिए प्रशासन से की जाएगी मांग

विनय उजाला

सोनकच्छ, निप्र। सोमवार को बसंत विहार कालोनी में स्थित बलाई समाज धर्मशाला पर बाबा साहब भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेड़कर जी की 135 वीं जयंती मनाई गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अभिभाषक महिपालसिंह बड़ोतकर थे। विशेष अतिथि के रूप में पूर्व पार्षद रमेशचन्द्र खेलवाल, सेवानिवृत्त एसएडीओं अनोखीलाल मालवीय, सरपंच विक्रमसिंह मालवीय उपस्थित थे।

अध्यक्षता बलाई समाज समिति अध्यक्ष प्रहलादसिंह बिजोनिया ने की। सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा बाबा साहब के चित्र के सामने केण्ड्ल जलाकर एवं द्वीप प्रज्ज्वलित की गई तत्पश्चात् माल्यार्पण किया गया। अतिथियों ने अपने-अपने उद्बोधन में कहाकि बाबा साहब के बताए गए पद्चिन्हों पर चलते हुए समाज के युवाओं को शिक्षा की ओर ले जाना, समाजिक लोगों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करने एवं महापुरूषों के बारें में जानकारी रखने जैसे अनेक महत्वपूर्ण बिन्दूओं की जानकारी दी गई।

उपस्थित लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द ही नगर में बाबा साहब की मूर्ति लगाई जाए।

वन संरक्षण और जलवायु-समर्थ आजीविका' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला 18 अप्रैल से भोपाल में

विनय उजाला

देवास, निप्र। मध्यप्रदेश के जनजातीय क्षेत्रों में वन पुनर्स्थापन, जलवायु परिवर्तन और समुदाय-आधारित आजीविका जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला 18 अप्रैल से नरोन्हा प्रशासन अकादमी, भोपाल में आयोजित की जा रही है। कार्यशाला के शुभारंभ सत्र की अध्यक्षता मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे। केन्द्रीय वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेन्द्र यादव सत्र में मुख्य वक्तव्य देंगे। प्रदेश के जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह स्वागत उद्बोधन देंगे। दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला की रूपरेखा डॉ. राहुल मूँगीकर प्रस्तुत करेंगे। इस अवसर पर जनजातीय समुदाय और प्राकृतिक संरक्षण पर केंद्रित ऑडियो-विजुअल प्रस्तुति भी दी जाएगी।

प्रमुख विषय = वन संरक्षण, पारंपरिक ज्ञान और सामुदायिक प्रबंधन

राष्ट्रीय कार्यशाला के विभिन्न सत्रों में वन संरक्षण की वर्तमान कानूनी व्यवस्थाएं, उनकी सीमाएं और समाधान, जैव विविधता संशोधन अधिनियम-2023, सामुदायिक वन अधिकार, पारंपरिक ज्ञान का दस्तावेजीकरण और वन पुनर्स्थापन जैसे मुद्दों पर विस्तृत चर्चा होगी। बैंगलुरू से आ रहे प्रो. रमेश विशेषज्ञ वक्तव्य भी देंगे। कार्यशाला में डॉ. योगेश गोखले, डॉ. राजेन्द्र दहातोंडे आदि वक्ता विभिन्न सत्रों को संबोधित करेंगे।

राष्ट्रीय कार्यशाला के दूसरे दिन राज्यपाल श्री पटेल समापन सत्र को करेंगे संबोधित : राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल राष्ट्रीय कार्य शाला के समापन-सत्र में मुख्य अतिथि होंगे। पूर्व राष्ट्रीय जनजातीय आयोग अध्यक्ष श्री हर्ष चौहान समापन वक्तव्य देंगे। कार्यशाला में वनीकरण, जलवायु संवेदनशीलता और वनवासी समुदायों की समावेशी भागीदारी पर केन्द्रित डॉक्युमेंट्री फिल्मों का भी प्रदर्शन किया जाएगा।

लोक निर्माण से लोक कल्याण प्रगति के पथ पर मध्यप्रदेश

हर मार्ग अब लोक कल्याण की ओर

विनय उजाला

देवास, निप्र। मध्यप्रदेश में अधोसंरचना विकास अब केवल निर्माण कार्यों तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह समग्र सामाजिक, आर्थिक और तकनीकी परिवर्तन का माध्यम बन चुका है। राज्य के लोक निर्माण विभाग द्वारा लोक निर्माण से लोक कल्याण के मूल मंत्र के साथ बुनियादी ढांचे को सुदृढ़, पारदर्शी और जनहितकारी बनाने की दिशा में ऐतिहासिक प्रयास किए जा रहे हैं।

वर्तमान में प्रदेश में लोक निर्माण विभाग के अधीन 80,775 किलोमीटर लंबा सड़क नेटवर्क क्रियाशील है, जिसमें 9,315 किमी राष्ट्रीय राजमार्ग, 11,389 किमी राज्य राजमार्ग, 25,639 किमी मुख्य जिला मार्ग तथा 34,432 किमी अन्य जिला मार्ग शामिल हैं। यह नेटवर्क प्रदेश के ग्रामों, नगरों, कृषि क्षेत्रों और औद्योगिक केंद्रों को एकसूत्र में पिरोने का कार्य कर रहा है।

विगत 14 महीनों के दौरान 6,400 करोड़ रुपये की लागत से 5,500 किमी सड़कों का निर्माण एवं मजबूतीकरण, 345 करोड़ रुपये से 1,500 किमी का डामरीकरण तथा 2,000 करोड़ रुपये से 110 पुलों और एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण किया गया है। वर्तमान में 22,500 करोड़ रुपये लागत की 10,000 किमी सड़कों एवं 10,463 करोड़ रुपये से 474 पुलों और फ्लाईओवरों पर कार्य प्रगति पर है।

राज्य सरकार द्वारा ग्वालियर, जबलपुर, भोपाल और इंदौर जैसे प्रमुख शहरों में एलिवेटेड कॉरिडोर निर्माण को प्राथमिकता दी गई है। साथ ही नर्मदा प्रगतिपथ, विंध्य एक्सप्रेसवे, मालवा-निमाड़ कॉरिडोर, अटल प्रगतिपथ, बुंदेलखंड और मध्य भारत विकास पथ जैसी छह प्रमुख परियोजनाएं प्रारंभ की गई हैं, जो प्रदेश के पिछड़े अंचलों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ेंगी।

विधायक पुत्र के माता टेकरी पर पुजारी के साथ मारपीट को लेकर भाजपा गंभीर

प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा बोले यह अधिकार किसी को नहीं

विनय उजाला

देवास, निप्र। देवास माता टेकरी पर इंदौर के भाजपा विधायक गोलू शुक्ला के बेटे रूद्राक्ष शुक्ला के मारपीट मामले में भाजपा बेकफुट पर आ गई है। प्रदेश से निकलकर ये मुद्दा राष्ट्रीय सुर्खी बनता जा रहा हैं। कांग्रेस इस मामले पर लगातार हमलावार हैं। दिग्विजय सिंह ने इसे भाजपा की कथनी और करनी से जोडकर नियत पर ही सवाल खडा कर दिया तो वहीं सोमवार को कांग्रेस नेता सज्जनसिंह वर्मा

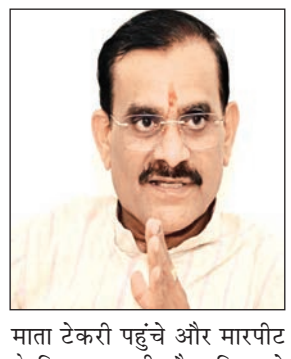

माता टेकरी पहुंचे और मारपीट के शिकार पुजारी और परिवार से माफी मांगी। सज्जनवर्मा ने तो यहां तक कह दिया कि ये आज के ओरंगजेब हैं। इस मामले पर

भाजपा का रूख भी साफ होता जा रहा हैं। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा ने घटना पर कहा कि किसी का भी बेटा हो, यह अधिकार किसी को नहीं हैं। इस मामले की प्रशासन जांच कर रहा हैं। प्रदेशाध्यक्ष ने साफ कर दिया कि विधायक का बेटा या कोई भी, आपराधिक कृत्य पर कार्रवाई होगी। साफ किया कि भाजपा सरकार अराजक गतिविधि को बर्दाश्त नहीं करती। जो अराजकता करेगा उन पर कडी कार्रवाई होगी।

माता टेकरी पर पुजारी से मारपीट मामले में विधायक पुत्र पर केस दर्ज : माता टेकरी पर पुजारी के साथ मारपीट और मंदिर के पट जबरन खुलवाने के मामले में इंदौर विधायक गोलू शुक्ला के बेटे रुद्राक्ष शुक्ला पर भी केस दर्ज हो गया हैं। एक दिन पहले भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष ने भी इस मामले में साफ कर दिया था कि जो भी दोषी हो उस पर कार्रवाई होगी। राजनीतिक रूप से भी मामला तूल पकडने के बाद आखिरकार विधायक पुत्र को भी पुलिस ने आरोपी बना लिया हैं। रूद्राक्ष समेत अब तक नौ लोगों पर प्रकरण दर्ज हो चुका हैं। पुलिस इंदौर पासिंग कार 0009 को भी जब्त करने वाली हैं, इसी कार में रुद्राक्ष सवार था। पुलिस पहले ही हुटर और लालबत्ती लगी गाडी टेकरी पर ले जाने पर वाहन मालिक और ड्राइवर पर केस दर्ज कर चुकी हैं। घटना के बाद पहली एफआईआर जीतू रघुवंशी के खिलाफ दर्ज की गई थी।

रघुवंशी पर पुजारी के बेटे के साथ गाली गलोज, मारपीट और धमकाने के मामले में केस दर्ज किया गया था। इसके अलावा इंदौर के अमन शुक्ला, उज्जैन के लोकेश चंदवानी, मनीष तेजवानी, अनिरुद्धसिंह पवार, हनी इंदौर, सचिन और प्रशांत के नाम शामिल हैं।

शानदार पारी के बाद करुण को मिलेगा मौका?

वापसी करने पर होंगी दिल्ली और राजस्थान की नजरें

नई दिल्ली

राजस्थान रॉयल्स और दिल्ली कैपिटल्स की टीमें पिछले मैच में मिली हार को भुलाकर वापसी करने के इरादे से उतरेंगे। राजस्थान ने जहां अब तक मिलाजुला प्रदर्शन किया है, वहीं दिल्ली की इस सत्र की यह पहली ही हार थी। लगातार चार मैच जीतने के बाद अक्षर पटेल की कप्तानी वाली दिल्ली टीम को रविवार को अरुण जेटली स्टेडियम पर मुंबई इंडियंस ने हराया था। इस हार के बाद दिल्ली शीर्ष स्थान से खिसककर दूसरे स्थान पर पहुंच गई थी।

राजस्थान रॉयल्स को जयपुर में खेले गए मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। राजस्थान ने इस मैच में धीमी बल्लेबाजी की थी और यशस्वी जायसवाल को छोड़कर उसका अन्य कोई बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका था। वहीं, गेंदबाजों का प्रदर्शन भी निराशाजनक रहा था और आरसीबी के बल्लेबाजों विशेषकर फिल सॉल्ट ने जोफ्रा आर्चर सहित अन्य गेंदबाज के खिलाफ जमकर रन बनाए थे।

इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर चमके थे करुण

मुंबई इंडियंस के खिलाफ दिल्ली के करुण नायर ने डेब्यू करते हुए 40 गेंद में 89 रन बनाए थे। वह उस मैच में इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे थे और उनके तेज तर्रार पारी की मदद से एक समय दिल्ली का स्कोर 11वें ओवर में एक विकेट पर 119 रन था, लेकिन टीम ने इसके बाद 74 रन के भीतर आखिरी नौ विकेट गंवा दिए। उसके तीन बल्लेबाज 19वें ओवर की आखिरी तीन गेंदों पर रन आउट हुए और उसे 12 रन से पराजय का सामना करना पड़ा। करुण नायर की उम्दा पारी के बाद यह देखना दिलचस्प होगा कि दिल्ली उन्हें प्लेइंग-11 में मौका देगी या इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर ही उनका इस्तेमाल किया जाएगा।

स्पिनरों की भूमिका रहेगी अहम

दिल्ली के लिए एक बार फिर सफलता की कुंजी स्पिनर साबित हो सकते हैं। पिछले मैच में हार के बावजूद कुलदीप यादव और 20 वर्ष के विपराज निगम ने शानदार प्रदर्शन किया था। अक्षर हालांकि उतना प्रभावित नहीं कर सके हैं और छह मैचों में 14 ओवर डालकर भी उन्हें विकेट नहीं मिली है। इसके अलावा उन्होंने 10 से अधिक की दर से प्रति ओवर रन दिए हैं।

इस मुकाबले के लिए दोनों टीमों की संभावित प्लेइंग-11 इस प्रकार है...

दिल्ली कैपिटल्स: जैक फ्रेजर मैकगर्क, अभिषेक पोरेल, केएल राहुल, ट्रिस्टन स्टब्स, अक्षर पटेल (कप्तान), आशुतोष शर्मा, विपराज निगम, मिचेल स्टार्क, मोहित शर्मा, कुलदीप यादव, मुकेश कुमार।

राजस्थान रॉयल्स: यशस्वी जायसवाल, संजू सैमसन (कप्तान और विकेटकीपर), नीतीश राणा, रियान पराग, ध्रुव जुरेल, शिमरॉन हेटमायर, वानिंदु हसरंगा, जोफ्रा आर्चर, महेश तीक्ष्णा, संदीप शर्मा, तुषार देशपांडे।

आईडब्ल्यूएलएफ एथलीट आयोग की अध्यक्ष चुनी गईं मीराबाई चानू

नई दिल्ली, (हि.स.)। ओलंपिक रजत पदक विजेता मीराबाई चानू और राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता एस. सतीश कुमार को भारतीय भारोत्तोलन महासंघ (आईडब्ल्यूएलएफ) के एथलीट आयोग का क्रमशः अध्यक्ष और उपाध्यक्ष चुना गया है। इन दोनों का कार्यकाल चार साल का होगा।

मीराबाई भारत की सबसे सम्मानित भारोत्तोलकों में से एक हैं, जिनके नाम कई राष्ट्रीय रिकॉर्ड और ऐतिहासिक उपलब्धियां हैं। कुल भारोत्तोलन में उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 205 किग्रा है, (स्नैच में 86 किग्रा और क्लीन एंड जर्क में 119 किग्रा) जो राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी है। उनका 88 किग्रा भार उठाकर स्नैच में भी राष्ट्रीय रिकॉर्ड है। टोक्यो 2020 ओलंपिक में वह रजत पदक जीतने वाली पहली भारतीय भारोत्तोलक बनीं, जिसने देश में इस खेल के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण को चिह्नित किया। इससे पहले 2017 में उन्होंने विश्व भारोत्तोलन चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतने वाली दो दशकों से अधिक समय में पहली भारतीय बनकर 22 साल की प्रतीक्षा को समाप्त किया।

सतीश ने गोल्ड कोस्ट में 2018 राष्ट्रमंडल खेलों में भारोत्तोलन में स्वर्ण पदक जीता था। पुरुषों के 77 किग्रा वर्ग में प्रतिस्पर्धा करते हुए, उन्होंने कुल 317 किग्रा - स्नैच में 144 किग्रा और क्लीन एंड जर्क में 173 किग्रा भार उठाया। यह उनका लगातार दूसरा राष्ट्रमंडल खेल स्वर्ण पदक था। इससे पहले उन्होंने 2014 में ग्लासगो में यह खिताब जीता था।

काशी की बेटी पूजा यादव का भारतीय महिला हॉकी टीम में चयन, पर्थ में करेंगी देश का प्रतिनिधित्व

वाराणसी, (हि.स.)

वाराणसी जिले की बेटी पूजा यादव ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। जिले से पहली बार किसी महिला हॉकी खिलाड़ी का चयन भारतीय महिला हॉकी टीम में हुआ है। पूजा अब ऑस्ट्रेलिया के पर्थ में 25 अप्रैल से 5 मई तक होने वाली पांच मैचों की सीरीज में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी।

जिले के गंगापुर निवासी पूजा यादव मिडफील्डर के तौर पर खेलती हैं और इस समय बैंगलोर कैंप में अभ्यास कर रही हैं। उनका चयन होते ही सोशल मीडिया पर बधाइयों की बाढ़ आ गई है। खेलप्रेमी और स्थानीय लोग उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना कर रहे हैं। पूजा के पिता महेंद्र यादव दूध बेचने का कार्य करते हैं और माता कलावती देवी एक गृहिणी हैं। सात भाई-बहनों में पूजा पांचवें स्थान पर हैं। साधारण परिवार से ताल्लुक रखने वाली पूजा ने कठिन संघर्ष और अथक मेहनत से यह मुकाम हासिल किया है। पूजा की इस उपलब्धि पर वाराणसी हॉकी संघ के अध्यक्ष डॉ. ए.के. सिंह ने खुशी जताई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीतियों से खेलों का बहुत विकास हो रहा है। पूजा यादव के चयन से युवा महिला खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ेगा। वहीं, हॉकी वाराणसी के सचिव के.बी. रावत ने बताया कि पहली बार वाराणसी की किसी महिला खिलाड़ी को भारतीय हॉकी टीम की नीली जर्सी पहनने का मौका मिला है।

बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग: ट्रीसा-गायत्री की जोड़ी टॉप 10 में बरकरार, सिंधु और लक्ष्य नीचे खिसके

नई दिल्ली, (हि.स.)

नवीनतम बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग में ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की महिला युगल जोड़ी ने शीर्ष 10 में अपना स्थान बरकरार रखा है, जबकि पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन जैसे एकल सितारे और नीचे खिसक गए हैं।

पिछले सप्ताह चीन के निंगबो में बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में भाग नहीं लेने वाली ट्रीसा और गायत्री एक स्थान नीचे खिसककर 10वें स्थान पर आ गईं। ओलंपियन तनीषा क्रैस्टो और अश्विनी पोनप्पा की जोड़ी 22वें स्थान पर बनी हुई है। महिला एकल में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और पूर्व विश्व चैंपियन सिंधु चीन में राउंड-ऑफ-16 से बाहर होने के बाद 17वें से 18वें स्थान पर आ गईं। मालविका बंसोड़ (22वें), रक्षिता श्री (42वें), अनुपमा उपाध्याय (44वें) और आकर्षि कश्यप (49वें) शीर्ष 50 में शामिल अन्य भारतीय हैं। पुरुष एकल में पेरिस ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहने वाले लक्ष्य सेन पहले दौर में हार के बाद 16वें से 18वें स्थान पर आ गए। एचएस प्रणय अपने पहले टूर्नामेंट में भी हारकर 29वें से 30वें स्थान पर आ गए। किरण जॉर्ज (35वें) और प्रियांशु राजावत (36वें) को क्रमशः एक और दो स्थान का लाभ हुआ।

प्रतिष्ठित दौड़ के 17वें संस्करण में विशेष रूप से करेंगी शिरकत

ओलंपिक चैंपियन डालिला मुहम्मद बनीं टीसीएस वर्ल्ड 10 के इंटरनेशनल इवेंट एम्बेसडर

बेंगलुरु, (हि.स.)

अमेरिका की दिग्गज एथलीट और ओलंपिक चैंपियन डालिला मुहम्मद को टीसीएस वर्ल्ड 10 के बेंगलुरु 2025 के लिए इंटरनेशनल इवेंट एम्बेसडर घोषित किया गया है। वह 27 अप्रैल (रविवार) को होने वाली इस प्रतिष्ठित दौड़ के 17वें संस्करण में विशेष रूप से शिरकत करेंगी।

400 मीटर हर्डल रेस में दुनिया की सबसे सफल खिलाड़ियों में शुमार डालिला मुहम्मद दो बार की ओलंपिक मेडल विजेता (गोल्ड-2016, सिल्वर-2020) और पूर्व वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर हैं। उन्होंने 2019 में अमेरिका ट्रैक एंड फील्ड चैंपियनशिप में 400 मीटर हर्डल का वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ते हुए 52.20 सेकंड में दौड़ पूरी की थी, जो 2003 से चला आ रहा रिकॉर्ड था। इसके बाद उन्होंने उसी साल दोहा वर्ल्ड चैंपियनशिप में इसे और बेहतर करते हुए 52.16 सेकंड का रिकॉर्ड बनाया। डालिला ने रियो 2016 ओलंपिक में गोल्ड और टोक्यो 2020 ओलंपिक में 400 मीटर हर्डल फाइनल में 51.58 सेकंड का शानदार समय निकालते हुए

सिल्वर मेडल जीता था। उस ऐतिहासिक रेस में सिडनी मैकलॉघलिन ने 51.46 सेकंड के साथ नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था।

इवेंट एम्बेसडर बनने पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए डालिला मुहम्मद ने कहा, मैं वर्ल्ड 10के बेंगलुरु के 17वें संस्करण की इंटरनेशनल इवेंट एम्बेसडर बनकर सम्मानित महसूस कर रही हूं। मेरी दौड़ की शुरुआत एक लोकल रनिंग क्लब से हुई थी और वही जुनून आज भी कायम है। बेंगलुरु की रनिंग कम्युनिटी के जोश और जुनून को देखने का मुझे बेसब्री से इंतजार है।

ट्रैक के बाहर भी डालिला मुहम्मद खेलों में विविधता और समान अवसरों की पक्षधर हैं। वे युवा एथलीट्स को मेंटर करने और उन्हें प्रोत्साहित करने का भी काम करती हैं।

प्रोकैम इंटरनेशनल के ज्वाइंट मैनेजिंग डायरेक्टर विवेक सिंह ने कहा, हम डालिला मुहम्मद का टीसीएस वर्ल्ड 10के बेंगलुरु 2025 में इंटरनेशनल इवेंट एम्बेसडर के रूप में स्वागत करते हुए बेहद गर्वित हैं। ट्रैक पर उनकी उपलब्धियां और युवाओं को प्रेरित करने का जज्बा उन्हें एक शानदार रोल मॉडल बनाता है।

टीसीएसवर्ल्ड 10के बेंगलुरु 2025 का आयोजन 27 अप्रैल को किया जाएगा, जिसमें कुल 210,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि रखी गई है।

व्यापार

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की घटी कीमत

नई दिल्ली, (हि.स.)। घरेलू सर्राफा बाजार में आज, मंगलवार को लगातार दूसरे दिन गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। भाव में आई कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना सस्ता होकर 95,500 रुपये से लेकर 95,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 87,540 रुपये से लेकर 87,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में आई कमी के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 99,800 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 95,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 87,690 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 95,500 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 87,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 95,550 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 87,590 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 95,500 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 87,540 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है।

सेंसेक्स और निफ्टी ने लगाई जबरदस्त छलांग...

शेयर बाजार में लगातार दूसरे कारोबारी दिन तूफानी तेजी

बाजार की मजबूती के कारण निवेशकों को 10.74 लाख करोड़ का मुनाफा

नई दिल्ली, (हि.स.)

टैरिफ वॉर में राहत मिलने और मजबूत वैश्विक संकेतों की वजह से घरेलू शेयर बाजार में आज लगातार दूसरे कारोबार दिन तूफानी तेजी बनी रही। आज के कारोबार की शुरुआत 2 प्रतिशत से अधिक की मजबूती के साथ हुई। बाजार खुलने के बाद शुरुआती आधे घंटे के कारोबार में मुनाफा वसूली भी हुई लेकिन इसके बाद पूरे दिन बाजार पर तेजड़ियों का कब्जा बना रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 2.10 प्रतिशत और निफ्टी 2.19 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

आज दिनभर के कारोबार के दौरान सभी सेक्टोरल इंडेक्स मजबूती के साथ हरे निशान में बंद हुए। खरीदारी के सपोर्ट से रियल्टी इंडेक्स 5 प्रतिशत की बढ़त लेकर बंद होने में सफल रहा। इसी तरह मेटल और ऑटोमोबाइल इंडेक्स में भी 3 प्रतिशत से अधिक की तेजी दर्ज की गई। इसके अलावा एनर्जी, आईटी, ऑयल एंड गैस, बैंकिंग, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्युरेबल्स, एफएमसीजी, हेल्थ केयर, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी जबरदस्त मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 3.02 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 3.21 प्रतिशत उछलकर आज के कारोबार का अंत किया।

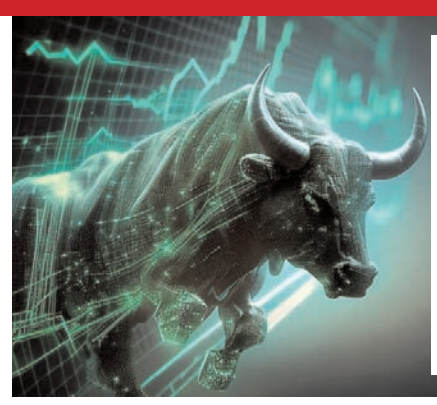

बीएसई का सेंसेक्स आज 1,694.80 अंक की छलांग लगाकर 76,852.06 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद मुनाफा वसूली के चक्कर में हुई बिकवाली की वजह से पहले आधे घंटे के कारोबार में ये सूचकांक ओपनिंग लेवल से 400 अंक से थोड़ा अधिक फिसल कर 76,435.07 अंक के स्तर तक आ गया। इसके बाद खरीदार पूरी तरह से बाजार पर हावी हो गए।

आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 10 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 412.29 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 401.55 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 10.74 करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

यात्री वाहनों की थोक बिक्री वित्त वर्ष 2024-25 में दो फीसदी बढ़ी : सियाम

नई दिल्ली, (हि.स.)

देश में यात्री वाहनों की थोक बिक्री वित्त वर्ष 2024-25 में सालाना आधार पर दो फीसदी बढ़कर रिकॉर्ड 43 लाख इकाइयों के पार पहुंच गई। यात्री वाहनों की कुल बिक्री में यूटिलिटी वाहनों की हिस्सेदारी 65 फीसदी रही, जो वित्त वर्ष 2023-24 में करीब 60 फीसदी थी।। इससे पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में यह 42,18,750 इकाई रही थी।

उद्योग निकाय सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने मंगलवार को बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 में यूटिलिटी वाहनों की बिक्री 11 फीसदी बढ़कर 27,97,229 इकाई पर पहुंच गई, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 में यह 25,20,691 इकाई थी। इसकी तुलना में यात्री कारों की बिक्री में 13 फीसदी की गिरावट देखी गई, जो पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की 15,48,947 इकाई से घटकर 13,53,287 इकाई रह गई। सियाम ने कहा कि यात्री वाहन खंड ने भी वित्त वर्ष 2024-25 में अब तक का सबसे अधिक 7.7 लाख इकाई का निर्यात दर्ज किया है। वित्त वर्ष 2023-24 की तुलना में यह 15 फीसदी की वृद्धि को दर्शाता है। निर्यात में वृद्धि देश में निर्मित होने वाले वैश्विक मॉडल की मांग से प्रेरित रही।

उद्योग निकाय के मुताबिक वित्त वर्ष 2024-25 में दोपहिया वाहनों की थोक बिक्री नौ फीसदी बढ़कर 1,96,07,332 इकाई रही, जो वित्त वर्ष 2023-24 में 1,79,74,365 इकाई थी। सियाम ने कहा कि पिछले वित्त वर्ष में कुल वाणिज्यिक वाहनों की थोक बिक्री एक फीसदी फीसदी घटकर 9,56,671 इकाई रह गई है, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 में यह 9,68,770 इकाई थी। हालांकि, इसी दौरान तिपहिया वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 6,94,801 इकाइयों की तुलना में सात फीसदी बढ़कर 7,41,420 इकाई पर पहुंच गई। सियाम के अध्यक्ष शैलेश चंद्रा ने कहा, ''भारतीय मोटर वाहन उद्योग ने वित्त वर्ष 2024-25 में अपना स्थिर प्रदर्शन जारी रखा, जो अच्छी मांग, बुनियादी ढांचे में निवेश, सहायक सरकारी नीतियों और टिकाऊ परिवहन पर निरंतर जोर से प्रेरित रहा।''

खुदरा महंगाई दर भी मार्च में घटकर छह साल के निचले स्तर 3.34 फीसदी पर

नई दिल्ली, (हि.स.)

महंगाई के मोर्चे पर जनता को राहत बड़ी राहत देने वाली खबर है। थोक महंगाई के बाद खुदरा महंगाई दर भी सालाना आधार पर मार्च में घटकर करीब छह साल के निचले स्तर 3.34 फीसदी पर आ गई है। इससे पहले अगस्त, 2019 में यह 3.28 फीसदी के स्तर पर रही थी।

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने मंगलवार को जारी आंकड़ों में बताया कि सब्जियों तथा प्रोटीन वाले उत्पादों की कीमतों में गिरावट के कारण उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा महंगाई दर मार्च में मामूली रूप से घटकर करीब छह साल के निचले स्तर 3.34 फीसदी पर आ गई है। आंकड़ों के मुताबिक खाद्य महंगाई मार्च महीने में 2.67 फीसदी रही, जबकि फरवरी में यह 3.75 फीसदी और मार्च, 2024 में 8.52 फीसदी थी। ग्रामीण महंगाई 3.79 फीसदी से घटकर 3.25 फीसदी और शहरी महंगाई 3.32 फीसदी से बढ़कर 3.43 फीसदी हो गई है। महंगाई के बास्केट में लगभग 50 फीसदी योगदान खाने-पीने की चीजों का होता है।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने पिछले हफ्ते नीतिगत दर रेपो रेट को 0.25 फीसदी घटाकर छह फीसदी कर दिया है।

सरकार से सेफगार्ड ड्यूटी लगाने की मांग

टैरिफ वॉर के कारण भारत में चीनी उत्पादों की डंपिंग का खतरा बढ़ा

नई दिल्ली, (हि.स.)

अमेरिका और चीन के बीच तेज हो रहे टैरिफ वॉर के कारण भारत में चीनी उत्पादों की डंपिंग का खतरा बढ़ने लगा है। इस टैरिफ वॉर के कारण चीनी कंपनियों ने अमेरिका में होने वाले अपने निर्यात के नुकसान की भरपाई भारतीय बाजार से करने की रणनीति अपनाई है। इसके लिए चीन की कंपनियां भारत को निर्यात होने वाले अपने उत्पादों पर बड़ा डिस्काउंट ऑफर कर रही हैं।

चीन की कंपनियां अपने उत्पादों को भारतीय बाजार में अधिक से अधिक खपाने के लिए अलग-अलग सेक्टर्स में 7 से 15 प्रतिशत तक का डिस्काउंट ऑफर कर रही हैं। इस डिस्काउंट के कारण भारतीय उपभोक्ताओं को सस्ती कीमत पर चीनी उत्पादन मिल सकेंगे, लेकिन इसकी वजह से भारतीय उद्योगों की हालत खराब हो सकती है। ऐसा होने पर चीनी कंपनियां अपने उत्पादों को भारतीय बाजारों में कम कीमत पर बेचने के लिए डंप कर सकती हैं, जिससे तुलनात्मक तौर पर महंगे भारतीय उत्पाद की बिक्री पर

नकारात्मक असर पड़ेगा। इस आशंका को देखते हुए इंडियन मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्रीज एसोसिएशन ने केंद्र सरकार से एक्स्ट्रा डिस्काउंटेड चीनी उत्पादों पर सेफगार्ड ड्यूटी लगाने की मांग की है, ताकि भारतीय उद्योग भी मार्केट कंपटीशन में अपना अस्तित्व बचा सकें।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीनी उत्पादों पर 145 प्रतिशत ड्यूटी लगाने का ऐलान किया है। इसके जवाब में चीन ने अमेरिकी उत्पादों पर 125 प्रतिशत टैरिफ लगाने की बात कही है। दोनों देशों के बीच टैरिफ वॉर लगातार गहराता जा रहा है, जिससे दोनों ही देश के लिए एक दूसरे के साथ कारोबार करना कठिन हो गया है। ये स्थिति तब है जब दोनों ही देश उत्पादों की मांग और आपूर्ति के मामले में एक दूसरे पर काफी हद तक निर्भर हैं। चीन के कुल निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी लगभग 30 प्रतिशत है। अब टैरिफ वॉर शुरू हो जाने के कारण बड़ी मात्रा में चीनी उत्पाद अमेरिका में नहीं बिक पाएंगे। इससे चीन की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स को भारी नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। यही वजह है कि चीन अब अपने तैयार हो चुके उत्पादों को डिस्काउंटेड रेट पर भारतीय बाजार में बेचने की कोशिश में जुट गया है।

इंडियन मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अनुसार चीन की कंपनियों ने इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट मार्केट को टारगेट करते हुए जबरदस्त डिस्काउंट देने की बात कही है। चीन की कंपनियां स्मार्टफोन, फ्रिज, टीवी जैसे आइटम्स पर 7 से 15 प्रतिशत तक का डिस्काउंट ऑफर कर रही हैं। इसी तरह मेडिकल डिवाइस, टेक्सटाइल और रबर के उत्पादों में भी भारी छूट देने की बात कही जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

किसानों के सशक्तिकरण के लिये मध्यप्रदेश कृषक कल्याण मिशन की होगी शुरूआत : मंत्री कंषाना

भोपाल, निप्र। किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना ने कहा है कि प्रदेश के किसानों को सशक्त बनाने के लिए राज्य सरकार मध्यप्रदेश कृषक कल्याण मिशन की शुरूआत करेगी। इसके लिये रूपरेखा तैयार कर ली गयी है। मंगलवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई मंत्रि-परिषद की बैठक में मिशन को स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। यह मिशन किसानों और उनके परिवार के सदस्यों को सशक्त बनाएगा। इससे पहले राज्य सरकार युवा, नारी शक्ति और गरीब कल्याण मिशन घोषित कर चुकी है। मिशन की साधारण सभा के अध्यक्ष मुख्यमंत्री होंगे। मिशन क्रियान्वयन की कार्यकारिणी समिति के अध्यक्ष मुख्य सचिव रहेंगे। मिशन क्रियान्वयन जिला स्तर पर कलेक्टर की अध्यक्षता में किया जायेगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी विकास के लिए गरीब, युवा, नारी और किसानों के कल्याण पर जोर दे रहे हैं। मंत्री श्री कंषाना ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मार्गदर्शन में प्रदेश में उक्त वर्गों के कल्याण के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। मध्यप्रदेश कृषक कल्याण मिशन में किसानों के कल्याण के लिए किए जाने वाले सभी कामों को एक प्लेटफॉर्म दिया जाएगा, जिसके माध्यम से राज्य सरकार आगे बढ़ेगी। मध्यप्रदेश कृषक कल्याण मिशन का उद्देश्य किसानों की आय में वृद्धि करना है। इसके माध्यम से कृषि को जलवायु अनुकूल बनाया जाएगा। धारणीय कृषि पद्धतियों को अपनाकर जैव विविधता और परंपरागत कृषि ज्ञान संरक्षण का कार्य किया जाएगा। पोषण एवं खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही इससे किसानों की उपज के लिए उचित मूल्य भी सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। किसान कल्याण तथा कृषि विकास, उद्यानिकी और खाद्य प्रसंस्करण, मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी विभाग, सहकारिता और खाद्य नागरिक आपूर्ति तथा उपभोक्ता संरक्षण विभाग कृषक कल्याण मिशन में अहम भूमिका सुनिश्चित करेंगे।

'वन संरक्षण और जलवायु-समर्थ आजीविका' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला 18 से भोपाल में

भोपाल, निप्र। मध्यप्रदेश के जनजातीय क्षेत्रों में वन पुनर्स्थापन, जलवायु परिवर्तन और समुदाय-आधारित आजीविका जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला 18 अप्रैल से नरोन्हा प्रशासन अकादमी, भोपाल में आयोजित की जा रही है। कार्यशाला के शुभारंभ सत्र की अध्यक्षता मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे। केन्द्रीय वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेन्द्र यादव सत्र में मुख्य वक्तव्य देंगे। प्रदेश के जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह स्वागत उद्बोधन देंगे। दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला की रूपरेखा डॉ. राहुल मूँगीकर प्रस्तुत करेंगे। इस अवसर पर जनजातीय समुदाय और प्राकृतिक संरक्षण पर केंद्रित ऑडियो-विजुअल प्रस्तुति भी दी जाएगी। राष्ट्रीय कार्यशाला के विभिन्न सत्रों में वन संरक्षण की वर्तमान कानूनी व्यवस्थाएं, उनकी सीमाएं और समाधान, जैव विविधता संशोधन अधिनियम-2023, सामुदायिक वन अधिकार, पारंपरिक ज्ञान का दस्तावेजीकरण और वन पुनर्स्थापन जैसे मुद्दों पर विस्तृत चर्चा होगी। बैंगलुरू से आ रहे प्रो. रमेश विशेषज्ञ वक्तव्य भी देंगे। कार्यशाला में डॉ. योगेश गोखले, डॉ. राजेन्द्र दहातोंडे आदि वक्ता विभिन्न सत्रों को संबोधित करेंगे।

मुख्यमंत्री मंडला से करेंगे 1.27 करोड़ महिलाओं को 1552.38 करोड़ की राशि का अंतरण

भोपाल, निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बुधवार, 16 अप्रैल को मण्डला की ग्राम पंचायत टिकरवारा में आयोजित कार्यक्रम के दौरान सिंगल क्लिक के माध्यम से मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के तहत प्रदेश की एक करोड़ 27 लाख महिलाओं के खाते में 1552 करोड़ 38 लाख की राशि का अंतरण करेंगे। प्रत्येक पात्र बहनों के खाते में 1250 रुपये की राशि प्राप्त होगी। इस अवसर पर सामाजिक सुरक्षा पेंशन के तहत 56 लाख 68 हजार हितग्राहियों को 34013 लाख रुपये की राशि का अंतरण किया जायेगा। कार्यक्रम में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री सम्पतिया उइके, सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते, विधायक चैनसिंह वरकड़े व नारायण सिंह पट्टा, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम सहित अन्य प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कार्यक्रम में 232.08 करोड़ रुपये की लागत वाले विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री 150.46 करोड़ रुपये की लागत वाली 28 विभिन्न विकास परियोजनाओं का भूमिपूजन करेंगे। इसके अतिरिक्त, वे 81.62 करोड़ रुपये की लागत से पूर्ण हो चुके 38 निर्माण कार्यों का लोकार्पण भी करेंगे। ग्राम टिकरवारा में आयोजित मुख्यमंत्री कन्यादान कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर कलेक्टर सोमेश मिश्रा एवं एसपी रजत सकलेचा ने मंगलवार को कार्यक्रम स्थल का अवलोकन करते हुए की जा रही तैयारियों का जायजा लिया।

उप स्वास्थ्य केंद्रों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में टेलीमेडिसिन सेवाओं का किया जाए प्रभावी उपयोग : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों को विशेषज्ञ परामर्श की सुविधा उनके निकटतम स्वास्थ्य केंद्र पर ही उपलब्ध कराने के लिए उप स्वास्थ्य केंद्रों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर टेलीमेडिसिन सेवाओं का प्रभावी उपयोग किया जाए। जिससे दूरदराज़ क्षेत्रों में विशेषज्ञ परामर्श की सुविधा सुलभ हो सके।

मंत्रालय में विभिन्न विभागीय विषयों की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन के अंतर्गत चल रहे कार्यों की वृहद समीक्षा की। उन्होंने कहा कि निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण किए जाएं, इससे स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार शीघ्र संभव हो। उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में यू कोट वी पे मॉडल पर रेडियोलॉजिस्ट की सेवाएं के लिये प्रस्ताव तैयार करने और शव वाहन संचालन में किसी भी प्रकार की विलंब की स्थिति न बने, इसके लिए शीघ्र कार्यवाही की जाए। उन्होंने नर्सिंग ऑफिसर्स की भर्ती के लिए नियम संशोधन कर कैबिनेट अनुमोदन के लिए प्रस्ताव शीघ्र तैयार करने के भी निर्देश दिये।

मातृ शिशु संजीवन मिशन एवं अनमोल 2.0 की समीक्षा

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रत्येक गर्भवती महिला का समय पर पंजीयन और एएनसी जांच सुनिश्चित की जाए। हाई रिस्क प्रेगनेंसी की पहचान समय पर हो जिससे सुरक्षित प्रसव और नवजात शिशु की बेहतर निगरानी सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने निर्देशित किया कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मातृ शिशु संजीवन मिशन एवं अनमोल 2.0 की समीक्षा की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जीवन मल्टीस्पेशिलिटी हॉस्पिटल एवं ट्रॉमा सेंटर का **वर्चुअली लोकार्पण कर किया शुभारंभ**

न्यूनतम शुल्क में अधिकतम उपचार सुविधाएं देना मानवता की है सच्ची सेवा

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि नर की सेवा से ही नारायण मिलते हैं। गरीबों की सेवा ही ईश्वर की आराधना है।

न्यूनतम शुल्क में अधिकतम उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराने की मंशा से हॉस्पिटल का निर्माण मानवता की सच्ची सेवा की ओर बढ़ाया गया एक सराहनीय कदम है। हॉस्पिटल संचालक बधाई और साधुवाद के पात्र हैं कि उन्होंने यह पुनीत कार्य प्रारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को मंत्रालय से एक निजी अस्पताल के शुभारंभ कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लांबाखेड़ा स्थित जीवन मल्टीस्पेशिलिटी हॉस्पिटल एवं ट्रॉमा सेंटर का वर्चुअली लोकार्पण कर शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि हॉस्पिटल संचालक डॉ. अनिल मीणा ने अपने पिताजी स्व. श्री जीवन सिंह मीणा की स्मृति में 100 बिस्तरीय अस्पताल का निर्माण कर ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य उपचार की निकटतम सुविधा प्रदान की है। यह अस्पताल लांबाखेड़ा और आसपास के 100 गावों के लिए

एक महत्वपूर्ण चिकित्सा केंद्र होगा, जहां एक ही छत के नीचे मरीजों को सभी प्रकार की इमरजेंसी सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्रामीण और गरीब जनता को न्यूनतम शुल्क में इलाज की सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए हॉस्पिटल संचालक और उनके पूरे परिवार को बधाई देते हुए कहा कि डॉ. मीणा ने अपने स्व. पिता के सपने को साकार कर दिया। इस हॉस्पिटल में सभी प्रकार के बड़े आपरेशन की सुविधा, पेट से संबंधित रोग, प्लास्टिक सर्जरी, न्यूरो सर्जरी, सभी प्रकार के कैंसर रोगों का इलाज, पथरी, हड्डी रोग का इलाज किया जाएगा। जले हुए मरीज के इलाज के लिए विशेष सुविधा भी यहां उपलब्ध है। गरीबी रेखा में आने वाले मरीजों को यहां इलाज में विशेष छूट दी जाएगी।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विनय मिश्रा द्वारा श्री बालाजी प्रिंटर्स, एलयूएन शेड नं.21, सेक्टर-एच, गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया, भोपाल से मुद्रित एवं बी-104, शास्त्री नगर, जवाहर चौक, भोपाल से प्रकाशित। संपादक श्रीमती शोभना मिश्रा
स्थानीय संपादक- मनोहर राजपूत, मो. 9425910888, 9826022450 (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा) *पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। डॉक पंजीयन क्रमांक एमपी/आईडीसी/1359/2014-16, RNI. Reg. MPHIN/2013/52154.